@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली–हरियाणा–पंजाब–चण्डीगढ़–उत्तर प्रदेश से प्रसारित

गुरूवार, 5 फरवरी, 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक – गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 92 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2076-77, पेज (12) मूल्य 2.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

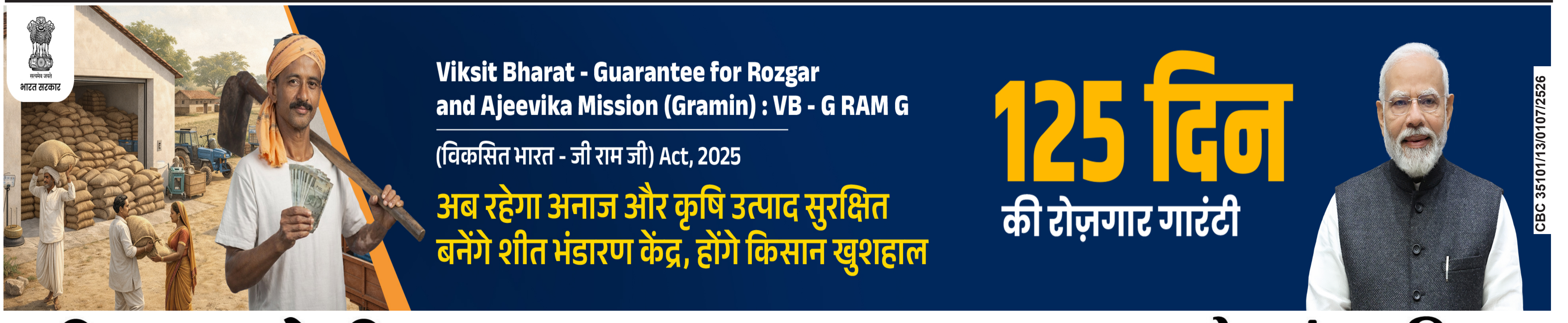

पीएम मोदी का भाषण टला

विपक्ष के हंगामे के बाद लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित

एजेंसी
नई दिल्ली । सदन में विपक्ष के हंगामे के बाद लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण भी टल गया है। प्रधानमंत्री मोदी को आज शाम 5 बजे धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देना था। इससे पहले सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला, जिसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सदन की कार्यवाही 12 बजे, फिर 2 बजे, और इसके बाद शाम पांच बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

'मुझ पर हमला करने वाले थे राहुल गांधी', संसद परिसर में हुई बहस के बाद रवनीत सिंह बिट्टू का गंभीर आरोप

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तरफ से की गई टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी उन पर शारीरिक रूप से हमला करने वाले थे। समाचार एजेंसी असे बातचीत में रवनीत

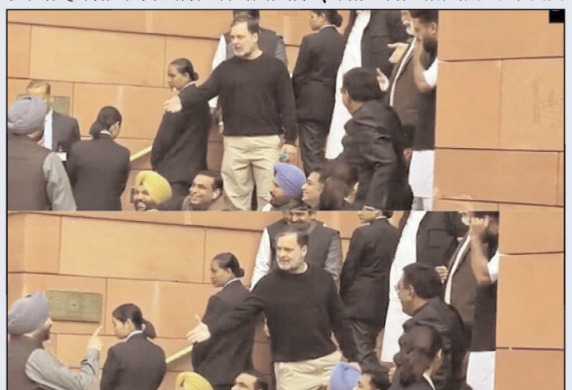

सिंह बिट्टू ने कहा, 'आज तो कोई गली का गुंडा भी ऐसा नहीं करेगा जैसा राहुल गांधी ने किया। जब मैंने हाथ नहीं मिलाया, तो वह मुझ पर हमला करने ही वाले थे। केसी वेणुगोपाल और कांग्रेस के दूसरे नेताओं ने राहुल गांधी को पकड़ा। अगर वे उन्हें नहीं पकड़ते तो पता नहीं क्या कुछ होता। ' उन्होंने आगे कहा, 'अगर राहुल गांधी हमला करने आते तो मेरे हाथ भी बंधे हुए नहीं होते। ' केंद्रीय मंत्री ने बताया कि बहस के बाद वे अंदर चले गए। लेकिन सवाल ये है कि वे कैसे गलत शब्द बोल सकते हैं और कहते हैं कि दोबारा मेरे पास ही आओगे। रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा, 'राहुल गांधी गलतफहमी में हैं। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे सम्मान दिया है और कांग्रेस नेताओं के सामने बैठाया। उन्हें (राहुल गांधी) को इस बात का दर्द है। मुझे सामने देखकर उन्हें रोज दर्द होता है।

खड़गे ने कहा रुपए की घटती कीमत, आर्थिक असमानता व बेरोजगारी चिंता का विषय

एजेंसी
नई दिल्ली । विपक्ष ने संसद में रुपए की घटती कीमत, आर्थिक असमानता, युवाओं के रोजगार व देश में सामाजिक सद्भाव को मुद्दा उठाया। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ये विषय उठाते हुए अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट का हवाला दिया और कहा कि अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट भारत में लगातार बढ़ती आर्थिक असमानता को उजागर कर रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार में 9 लाख 70 हजार से अधिक पद खाली हैं। वहीं राज्यों, पुलिस व पब्लिक सेक्टर आदि में मिलाकर 50 लाख से ज्यादा पद रिक्त पड़े हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए नेता राज्यसभा में प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील भारतीय किसान विरोधी है। उन्होंने कहा कि यह किसान विरोधी ट्रेड डील है; उन्होंने इसे विफल विदेश नीति का नतीजा बताया। खड़गे ने कहा कि विश्व मंच पर अमेरिका बार-बार भारत का अपमान करता है। राष्ट्रपति ट्रंप दावा करते हैं कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्ध को ट्रेड डील की धमकी से रोका।

खड़गे ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं, फिर भी हमारी सरकार चुप है। 1971 के बाद पहली बार चीन, नेपाल व बांग्लादेश एक साथ आ रहे हैं। नेपाल भारत के कालापानी व लिपुलेख जैसे इलाकों को अपना बता रहा है। हमारा चीन के साथ व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। चीन के साथ व्यापार घाटा 116 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। खड़गे ने राज्यसभा में बोलते हुए कहा कि जो लोग कभी चीन को लाल आंख दिखाने की बात करते थे, वही अब चीन के लिए ट्रेड का लाल कार्पेट बिछा रहे हैं, जबकि चीन गलवान के बाद लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा ठोक रहा है। चीन भारत के साथ आर्थिक रिश्ते अपनी शर्तों पर तय कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह ट्रेड तब बढ़ रहा है जब सरकार कहती है कि पहलगाम हमले के बाद चीन पाकिस्तान को खुफिया मदद दे रहा था, फिर भी उसका स्वागत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विदेश नीति की विफलताएं विदेश तक सीमित नहीं रहतीं; वे आंतरिक सुरक्षा की चूक बनकर देश के भीतर उठती हैं।

युमनाम खेमचंद मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री बने

लोसी दिखो और नेमचा किपगेन को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ, 356 दिन बाद राष्ट्रपति शासन समाप्त

एजेंसी
इंफाल। मणिपुर में एनडीए सरकार फिर से बन गई है, जिसमें युमनाम खेमचंद सिंह ने राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह बुधवार शाम को लोक भवन में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला द्वारा संपन्न किया गया। खेमचंद, जो मैतेई समुदाय से हैं, पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के करीबी माने जाते हैं। राज्य में समावेशी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए दो उपमुख्यमंत्री भी शपथ लेने गए: लोसी दिखो, जो नगा पीपुल्स फ्रंट की विधायक हैं और नगा समुदाय से आती हैं, तथा नेमचा किपगेन, जो कुकी समुदाय से हैं और मणिपुर की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनीं। दोनों ने दिल्ली स्थित मणिपुर भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज मणिपुर में 356 दिन बाद राष्ट्रपति शासन समाप्त किया। राज्य में राष्ट्रपति शासन तब लगाया गया था जब 9 फरवरी 2025 को पूर्व खेमचंद सिंह को अपना नेता चुना था। अगले दिन, एनडीए के घटक दलों की बैठक में मुख्यमंत्री और

मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा के कारण इस्तीफा दिया था। राष्ट्रपति शासन 13 फरवरी 2025 से लागू हुआ था। इसके पहले, 3 फरवरी को दिल्ली में मणिपुर भाजपा के विधायक दल ने युमनाम उपमुख्यमंत्री पदों के नामों को अंतिम रूप दिया गया। खेमचंद, जो सिंग्जामेई विधानसभा क्षेत्र (इंफाल वेस्ट) से विधायक हैं, पहले 2017-2022 तक मणिपुर विधानसभा स्पीकर रह चुके हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान श्री खुरालगढ़ साहिब में मत्था टेकेंगे, सद्भाव और भाईचारे के लिए करेंगे अरदास

कौमी पत्रिका
गढ़शंकर/होशियारपुर, 4 फरवरी: श्री गुरु रविदास महाराज जी के 649वें पावन प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आज श्री खुरालगढ़ साहिब में प्रदेश स्तरीय समागम का शुभारंभ पूर्ण धार्मिक मर्यादा एवं उत्साह के साथ श्री अखंड साहिब जी के पाठ के आरंभ के साथ किया गया। यह भव्य समागम 6 फरवरी तक चलेगा तथा इसी दिन श्री अखंड साहिब जी के भोग डाले जाएंगे। समागम के अंतिम दिन मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान गुरु चरणों में हाजिरी लगाकर प्रदेश की सुख–समृद्धि एवं भाईचारे की कामना करेंगे। इस अवसर पर तप स्थान श्री खुरालगढ़ साहिब से संत केवल सिंह, प्रधान श्री गुरु साधु संप्रदाय सोसायटी पंजाब संत निर्मल दास जी जौड़े वाले, राष्ट्रीय अध्यक्ष आदि धर्म मिशन संत सतविंदर हीरा, संत दयाल नाथ समुंदड़ा, संत जगीर सिंह नंदाचौर, धाम चानण पुरी सहौड़ा से संत धर्मपाल, तग्गड़ बराड़ा से बलकार सिंह, शेरपुर ढक्कों से संत रमेश दास, गांव चेता से संत मनप्रीत दास, ढिंगरियाँ से संत बलवंत सिंह, पंडोरी लध्धां से सतनाम सिंह, बसी मरुफ़ से संत कुलदीप सिंह के अलावा अन्य संत समाज भी विशेष तौर पर मौजूद रहे। आज कैबिनेट

मंत्रीओं हरपाल सिंह चीमा, तरुनप्रीत सिंह सौंद, हरजोत सिंह बैंस, डॉ. रवजोत सिंह और लाल चंद कटारुचक्क के अलावा डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण रौड़ी, चेयरमैन एससी कमिशन जसवीर गढ़ी, विधायक डॉ. ईशांक कुमार, संस्कृति व पर्यटन विभाग के सलाहकार दीपक बाली व अन्य शख्सियतों ने गुरु चरणों में शीश नवाया। गुरु चरणों में शीश नवाने उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए वित्त मंत्री पंजाब हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि वर्ष 2027 में श्री गुरु रविदास महाराज जी का 650वां प्रकाश पर्व ऐतिहासिक और भव्य स्तर पर मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने 649वें प्रकाश पर्व के अवसर पर 4 फरवरी से पूरे वर्ष चलने वाले समागमों की श्रृंखला आरंभ की है। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी की महान शिक्षाएं सामाजिक समरसता, समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश देती हैं, जिन्हें जन–जन तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इसके अंतर्गत प्रदेश के सभी शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों को गुरु जी के जीवन, दर्शन और शिक्षाओं से परिचित करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार गुरु महाराज जी की शिक्षाओं के प्रचार–प्रसार के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है तथा इसके लिए विशेष कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं।

शेष पृष्ठ 3 पर

जनगणना 2027 में दूसरे चरण में होगी जाति गणना, डिजिटल माध्यम से पूरी होगी प्रक्रिया: केंद्र

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि जनगणना 2027 के दौरान जाति गणना की जाएगी। यह जानकारी गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा में पूछे गए दो अलग-अलग प्रश्नों के लिखित उत्तर में दी। मंत्री ने बताया कि भारत में जनगणना का संचालन दो चरणों में किया जाता है। पहले चरण में हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग सेंसस (एचएलओ) के तहत मकान की स्थिति, संपत्ति, सुविधाओं आदि से संबंधित जानकारी एकत्र की जाती है। इस चरण के लिए प्रश्नों को 22 जनवरी को अधिसूचित किया जा चुका है। दूसरे चरण यानी जनसंख्या गणना में प्रत्येक व्यक्ति से जुड़े जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक तथा जाति संबंधी विवरण जुटाए जाएंगे। दूसरे चरण के प्रश्न, जिनमें जाति से जुड़े प्रश्न भी शामिल होंगे, चरण के आरंभ से पहले निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अधिसूचित किए जाएंगे। मंत्री ने यह भी बताया कि जाति गणना को लेकर तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों के संगठनों से कई अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं, जिन पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत विचार किया जाएगा। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में गृह राज्य मंत्री ने कहा कि जनगणना 2027 पूरी तरह डिजिटल होगी। इसके लिए मोबाइल ऐप्स, जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी पोर्टल तथा स्व-गणना पोर्टल विकसित किए गए हैं। मोबाइल ऐप्स में ऑफलाइन डेटा संग्रह की भी सुविधा उपलब्ध होगी। केवल अपरिहार्य परिस्थितियों में ही कागजी माध्यम का उपयोग किया जाएगा, जिसे बाद में डिजिटाइज किया जाएगा।

सीता मइया के दिव्य चरित का ज्ञान करायेगी 'वैदेही आर्ट गैलरी' : सीएम योगी

'हम एक दिव्य विरासत का पुनर्पाठ कर रहे हैं, जिसे नई पीढ़ी के सामने प्रेरणास्रोत के रूप में स्थापित किया जाना है। '

एजेंसी
लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीअयोध्या धाम में माता सीता के जीवन-चरित पर केंद्रित 'वैदेही आर्ट गैलरी' की स्थापना के निर्देश दिए हैं। बुधवार को आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की बैठक में उन्होंने कहा कि सीता मइया भारतीय संस्कृति, मर्यादा और नैतिक आदर्शों की अनुपम प्रेरणा हैं, और नई पीढ़ी को उनके उज्ज्वल चरित्र से गहराई से परिचित कराना समय की आवश्यकता है। आर्ट गैलरी की परिकल्पना साझा करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह अत्याधुनिक गैलरी केवल एक कला-संग्रहालय न होकर, सीता माता के जीवन, त्याग, करुणा, मर्यादा, धैर्य और शक्ति का आधुनिक तकनीक के माध्यम से पुनर्पाठ प्रस्तुत करने वाली एक जीवंत सांस्कृतिक अनुभव-स्थली होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि इस गैलरी की कथा-वस्तु, डिजाइन, विजुअल भाषा, कला और तकनीक सहित सभी आयाम इस भावना को प्रकट करे कि हम एक दिव्य विरासत का पुनर्पाठ कर रहे हैं, जिसे नई पीढ़ी के सामने प्रेरणास्रोत के रूप में स्थापित किया जाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैदेही आर्ट गैलरी की मूल भावना यही हो कि आगंतुक सीता माता के जीवन-संदेश को केवल देखें नहीं,

बल्कि उसे अनुभव करें, समझें और आत्मसात करें। अयोध्या विकास प्राधिकरण के साथ संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के निकट वशिष्ठ भवन परिसर में विकसित की जा सकती, जहां प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि इस गैलरी का विकास अयोध्या के वैश्विक सांस्कृतिक नगर के रूप में उभरने के प्रयासों का एक महत्वपूर्ण चरण होगा। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से निर्देश दिया कि मिथिला की संस्कृति, लोकपरंपरा और कला के विविध आयामों को गैलरी में प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए।

नितिन ननीन ने कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार का लगाया आरोप

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने महबूबनगर में विजय संकल्प सम्मेलन को किया संबोधित

एजेंसी
महबूबनगर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन ननीन ने कांग्रेस पर मुस्लिम वोट बैंक की तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। वे बुधवार को महबूबनगर के एमवीएस डिग्री कॉलेज मैदान में पार्टी की ओर से आयोजित विजय संकल्प सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में नितिन नवीन ने कहा कि तेलंगाना की राजनीति ने गंभीर मोड़ ले लिया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पूरी तरह से तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार तेलुगु लोगों की संस्कृति और परंपराओं का अपमान, सनातन धर्म पर हमला और केवल एक समुदाय को खुश करने की कोशिश कर रही है। भाजपा अध्यक्ष ने आह्वान किया कि अब समय आ गया है कि तेलंगाना के लोग इस नाइंसाफी का करारा जवाब दें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चुप है, जबकि कई जगहों पर हिंदू मंदिरों पर खुलेआम हमले, मंदिरों की जमीन पर कब्ज़ा और हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सनातन धर्म पर हमला हुआ तो भाजपा कार्यकर्ता चुप नहीं रहेंगे और इसकी रक्षा के लिए कोई भी कुर्बानी

देने को तैयार हैं।नितिन नवीन ने कहा कि तेलंगाना के भविष्य, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए जनता को भाजपा को मजबूत समर्थन देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। छोटे ठेकेदारों को विकास कार्यों और बिलों की मंजूरी के लिए आरआर (रेवंत रेड्डी) टैक्स देना पड़ता है। उन्होंने कहा कि राज्य में सभी समुदायों के साथ न्याय करने के लिए भाजपा को जिताना आवश्यक है। भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि पिछले चुनावों में मिली 35 प्रतिशत वोट शेयर को बढ़ाकर हर बूथ पर 50 प्रतिशत वोट दिलाने के लिए काम किया जाए।

भारतीय आर्थिक जगत में लगातार क्रांति हो रही है : जेपी नड्डा

'यूनियन के साथ ट्रेड एग्रीमेंट भारतीय लोगों के लिए 27 देशों का दरवाजा खोलने वाला है'

एजेंसी
नई दिल्ली । राज्यसभा में बोलते हुए नेता सदन जेपी नड्डा ने कहा कि विकसित भारत 2047 तक पहुंचने के लिए आज 2026 में क्या करना है और अगले पांच सालों में क्या कार्रवाई की जाएगी, इसके रोड मैप को राष्ट्रपति के अभिभाषण में इंगित किया गया है। वह बुधवार को राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोल रहे थे। उन्होंने पिछले कुछ दिनों का जिक्र करते हुए कहा कि एक तरीके से आर्थिक जगत में क्रांति पर क्रांति आती चली गई है। पहले यूरोपीय यूनियन के साथ हमारा समझौता, फिर आर्थिक सर्वे, उसके बाद क्रांतिकारी बजट और फिर इंडो-यूएस डील। एक के बाद एक श्रृंखला में हमको ऐसा देखने को मिला है। जेपी नड्डा ने कहा कि आर्थिक सर्वे की बात करूं तो इसमें बड़े स्पष्ट शब्दों में कहा गया है कि यह सबसे तेजी से आगे बढ़ती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी है। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम के चीफ ने कहा है कि भारत

ग्लोबल ग्रोथ में 20 प्रतिशत का योगदान देगा। उन्होंने कहा कि यह हम नहीं कह रहे हैं बल्कि वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम के चीफ ने कहा है। उन्होंने कहा कि हमारा यूरोपीय यूनियन के साथ ट्रेड एग्रीमेंट हुआ है। यह एग्रीमेंट भारतीय व्यवसायियों, कारीगरों, उद्यमियों और आईटी सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए नए दरवाजे खोलने वाला है। यह एग्रीमेंट भारतीय लोगों के लिए 27 देशों का दरवाजा खोलने वाला है। इस समझौते को 'मदर ऑफ ऑल डील' कहा गया है। उन्होंने इसे रोजगार बढ़ाने वाला कदम बताया। जेपी नड्डा ने सदन में इंडिया और ओमान के बीच हुए समझौते का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि यह समझौता मध्यपूर्व रणनीतिक ऊर्जा और व्यापार के एक कॉरिडोर के रूप में हासिल किया गया है। उन्होंने बताया कि हमने लिंक वेस्ट नीति को और मजबूत किया है। यहां उन्होंने इंडिया-न्यूजीलैंड फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह हमारे किसानों के लिए लाभकारी है। यह हमारे उद्यमियों को नई दिशा देगा। छात्रों के लिए नए गंतव्य खोलेगा। यह महिलाओं के विकास में सहायक होगा और नई संभावनाओं को तलाशेगा।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढेर

एजेंसी
उधमपुर, जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के बसंतगढ़ इलाके में सुरक्षा बलों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया। जम्मू-कश्मीर पुलिस के अनुसार, यह मुठभेड़ J&K पुलिस, भारतीय सेना और

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के संयुक्त ऑपरेशन के दौरान हुई। सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने जोफर रामनगर क्षेत्र में घेराबंदी और तलाशी अभियान (कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन) शुरू किया था। तलाशी के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में दोनों आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है, ताकि किसी अन्य आतंकी के छिपे होने की संभावना को पूरी तरह खत्म किया जा सके। मुठभेड़ स्थल से हथियार और गोला-बारूद बरामद होने की भी सूचना है।

बिहार में बनेगा डिफेंस कॉरिडोर, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे : सम्राट चौधरी

पटना । बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को कहा कि बिहार में डिफेंस कॉरिडोर का निर्माण कराया जाएगा। इससे न केवल राज्य की औद्योगिक क्षमता मजबूत होगी, बल्कि युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की बुधवार को पटना स्थित अपने आवासीय कार्यालय में रक्षा मंत्रालय की ओर से अध्ययन दौरे पर आए एनडीए (राष्ट्रीय सुरक्षा अकादमी) के वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ मुलाकात हुई। इस दौरान बिहार में प्रस्तावित डिफेंस कॉरिडोर की योजनाओं, संभावनाओं और विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर सार्थक और विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि यह बैठक बिहार के औद्योगिक और सामरिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ट्रेड डील से अमेरिका ने भारत को खरीद लिया, अब किसान क्या आत्महत्या करेगा

सांसद संजय राउत ने केंद्रीय मंत्रियों पर झूठ बोलने के लगाए आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस डील के तहत अमेरिका ने भारत को खरीद लिया है। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों पर झूठ बोलने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा है कि सरकार के लोगों को ब्लैकमेल किया जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को भारत पर लगाए टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी करने का ऐलान किया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत ने बुधवार को कहा कि पीयूष गोयल समेत सरकार के सभी केंद्रीय मंत्री झूठ बोल रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ जो ट्रेड डील हुई है, वो हमारा देश लगभग अमेरिका के चरणों में डाल दिया है। अमेरिका ने हमको खरीद लिया है। बोलते हैं कि यह बहुत बड़ी हमारी विजय है। कौनसी विजय है भाई। आप बताइये। आप पूरे देश में जश्न मनाने की बात करते हो। उन्होंने कहा कि भारत को आज भी भारी टैरिफ देना पड़ रहा है।

राउत ने कहा कि 18 फीसदी टैरिफ आज भी कायम है, जो पहले 3 फीसदी था। उसके बावजूद अमेरिका के जो कृषि उत्पाद हैं, वो जीरो टैरिफ पर भारत के बाजार में आ जाएंगे, जिसमें सभी धान, फल, फूल, दूध, डेयरी प्रोडक्ट्स होंगे। हमारे किसान खून पसीना बहाकर जो माल बनाते हैं, उससे सस्ते दामों में अमेरिका अपना माल बेचेगा। तो क्या हमारा किसान आत्महत्या करेगा। उन्होंने कहा कि कोई एक रहस्यमय तरीके से हमारे सरकार के तरीके से लोगों को ब्लैकमेल किया जा रहा है...।

बता दें वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा था कि भारत ने अमेरिका के साथ एक अच्छे व्यापार करार पर सहमति बनी है और इसमें कृषि और दुग्ध क्षेत्रों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं किया गया है। गोयल ने अमेरिका के साथ हुए समझौते का विवरण दिए बिना कहा कि व्यापार समझौता अंतिम चरण में है और समझौते की रूपरेखा को स्पष्ट करते हुए जल्द ही भारत-अमेरिका का एक संयुक्त बयान जारी किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगी दलों पर समझौते को लेकर देश को गुमराह करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए उन पर निशाना साधा।

म्यांमार में 5.9 तीव्रता का जोरदार भूकंप, कोलकाता और बांग्लादेश तक महसूस किए गए झटके

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार की रात को म्यांमार में आए 5.9 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने पड़ोसी देशों समेत व्यापक क्षेत्र में दहशत पैदा कर दी। इस भूकंप के तेज झटके भारत के पश्चिम बंगाल और पड़ोसी देश बांग्लादेश के कई हिस्सों में महसूस किए गए। यूरोपीय-मेडिटेरेनियन सिस्मोलॉजिकल सेंटर के आंकड़ों के अनुसार, भूकंप का केंद्र म्यांमार के अक्स्याब (सिटवे) शहर से लगभग 70 मील पूर्व में स्थित था। हालांकि यह भूकंप जमीन की गहराई में आया था, लेकिन इसकी तीव्रता इतनी अधिक थी कि सतह पर जोरदार कंपन महसूस किया गया। भारत में विशेष रूप से कोलकाता, हावड़ा और उत्तर 24 परगना जैसे इलाकों में इमारतों के हिलने से लोग घबराकर अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। कुछ ऐसी ही स्थिति बांग्लादेश की राजधानी ढाका में भी देखी गई, जहां लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए। राहत की बात यह है कि अभी तक म्यांमार, भारत या बांग्लादेश के किसी भी हिस्से से जान-माल के बड़े नुकसान की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर रख रही हैं। विशेषज्ञों के लिए चिंता का विषय यह है कि पिछले 71 घंटों के भीतर म्यांमार में यह तीसरा भूकंपीय झटका है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह क्षेत्र इंडो-ऑस्ट्रेलियन और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन पर स्थित होने के कारण भूकंप के प्रति बेहद संवेदनशील है। प्लेटों के बीच होने वाली इस हलचल के कारण ही क्षेत्र में लगातार भूकंपीय गतिविधियां दर्ज की जा रही हैं, जिसने भू-वैज्ञानिकों को सतर्क कर दिया है।

घने कोहरे की चादर में लिपटा शहर, ताजमहल ओझल ; गिरते तापमान से बढ़ी ठिठुरन

लखनऊ (एजेंसी)। आगरा में फरवरी का मौसम जनवरी जैसा दिखा रहा है। बुधवार की सुबह शहर घने कोहरे की चपेट में रहा, इससे ताजमहल पूरी तरह कोहरे में छिप गया। दृश्यता बेहद कम होने के कारण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम-सी गई और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। कोहरे के साथ हल्की फुहार ने ठंड का अहसास और बढ़ा दिया। सुबह करीब नौ बजे तक घना कोहरा छाया रहा। इसके पहले मंगलवार को भी हालात कुछ इसतरह के ही रहे। सुबह देर तक कोहरा छाया रहा और उसके बाद बादल मंडराते रहे। दिन में कुछ समय के लिए धूप जरूर निकली, लेकिन ठंडी हवाओं के चलते उसका असर बेअसर साबित हुआ। गलन अधिक होने से लोग दिनभर ठिठुरते नजर आए। मौसम विज्ञान विभाग ने पहले ही सुबह कोहरा या धुंध बने रहने की संभावना जाहिर की थी। मंगलवार को दोपहर बाद कुछ समय के लिए धूप निकली, लेकिन लगातार चल रही ठंडी हवाओं के कारण राहत नहीं मिली। तापमान की बात करें तो अधिकतम तापमान 17.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानी मो. दानिश के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव धीरे-धीरे कम होगा, जिससे आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहने और तापमान में बदलाव की संभावना है।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर गैस टैंकर पलटा, यातायात 12 घंटे से बाधित रहा

पुणे (एजेंसी)। आदोशी टनल के पास मंगलवार देर शाम मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक प्रोपलीन गैस से भरा टैंकर पलट गया। टैंकर मोड़ पर नियंत्रण खो बैठा और पलटने के कारण गैस लीक होने लगी। प्रोपलीन गैस अत्यधिक ज्वलनशील होने के कारण इलाके में गंभीर खतरे की स्थिति पैदा हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पुणे से मुंबई जाने वाली लेन को बंद कर दिया गया। एनडीआरएफ, फायर सर्विस, आईआरबी पुलिस और केमिकल विशेषज्ञ तुरंत मौके पर पहुंचे। राहत टीमें गैस लीक को रोकने और टैंकर को सीधा करने तुरंत पहुंच गई थी। इस हादसे के कारण 25 किलोमीटर लंबा जाम लगने से लोगों को मुसीबत का सामना करना पड़ा। बस और ट्रकों के साथ यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। राहत की बात यह रही कि टैंकर पलटने के बावजूद किसी भी व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई। अधिकारियों ने बताया कि सही समय पर सूचना मिलने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया।

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, चुनाव आयोग को कम से कम पूरी तरह से निष्पक्ष दिखाना चाहिए

वाराणसी (एजेंसी)। इनदिनों चर्चा में दिख रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने एसआईआर मामले पर अपना बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बंगाल में ममता बनर्जी नाराज है या कोई नाराज है, हम इस बारे में तो कुछ नहीं कहना हैं, लेकिन हम ये जरूर कहना चाहते हैं कि अगर किसी का वोट काटा जा रहा है या बढ़ाया जा रहा है, तब वहां तर्कसंगत होना चाहिए। इससे चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्न चिन्ह लगता है। इसलिए चुनाव आयोग को निष्पक्ष रहना चाहिए और अगर कहीं से कोई शिकायत की जा रही है, तब उस पर पूरा ध्यान देकर के तत्काल समस्या को दूर करना चाहिए। शंकराचार्य ने कहा कि अगर चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं दिखाई देगा, तब लोगों को लोकतंत्र के प्रति अश्रद्धा हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में ममता बनर्जी जा रही ठीक है। जिस किसी को भी शिकायत होगी, वहां आगे जाएगा ही। चुनाव आयोग को चाहिए था कि अगर उनकी कोई शिकायत थी, तब उस संतुष्ट करते, लेकिन संतुष्ट नहीं कर पाया तभी, तब आगे गई और अगर उनकी बात में बल ना होता, तब वहां सुप्रीम कोर्ट ना जाती। उसको केवल राजनीतिक रूप से लड़ती लेकिन वहां सुप्रीम कोर्ट है। शंकराचार्य ने कहा कि हमारा यह कहना है कि चुनाव आयोग को कम से कम पूरी तरह से निष्पक्ष दिखना चाहिए। अन्यथा लोकतंत्र में लोगों की चर्चा बहुत कमजोर हो जाएगी जो कि भारत देश के लिए और हमारे स्थापित लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।

झारखंड में विरोध करने पर पशु तस्कर खुस्तर अंसारी ने ग्रामीणों पर बंदूक तान दी... घटना का वीडियो वायरल

रांची (एजेंसी)। झारखंड के धुरकी जिले में अपराधियों के हौसले बुलंद होते दिख रहे हैं। ताजा मामला धुरकी थाना क्षेत्र का है, जहां पशु तस्करी रोकने पर अपराधियों की टोली ने ग्रामीणों पर बंदूक तान दी। इस पूरी घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है, इससे इलाके में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, झारखंड-उत्तर प्रदेश सीमा से सटे इलाके से एक पिकअप से पशुओं की तस्करी की जा रही थी। तभी गांव के सतर्क ग्रामीणों ने वाहन को रोककर मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी।

निलंबित अधिकारी अग्निहोत्री का सरकार पर हमला, एससी-एसटी एक्ट के खिलाफ दिल्ली कूच का ऐलान

बरेली (एजेंसी)। यूजीसी बिल और माघ मेले के दौरान स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हुई कथित अभद्रता के विरोध में इस्तीफा देने वाले चर्चित पीसीएस अधिकारी और पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने एक बार फिर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बरेली पहुंचे अग्निहोत्री ने मीडिया से रूबरू होते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके इस्तीफे के बाद उन्हें निलंबित कर चार्जशीट थमाना उनकी आवाज को दबाने की एक सोची-समझी साजिश है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या किसी के इस्तीफे के जवाब में निलंबन और चार्जशीट की कार्रवाई की जाती है? अग्निहोत्री ने स्पष्ट किया कि वे इस कार्रवाई को स्वीकार नहीं करेंगे और जल्द ही हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाकर अपने निलंबन को चुनौती देंगे। अलंकार अग्निहोत्री ने सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर टिप्पणी करते हुए केंद्र सरकार की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से कर डाली। उन्होंने कहा कि तंत्र का उपयोग उनकी सत्य की आवाज को कुचलने के लिए किया जा रहा है। अपनी भविष्य की रणनीति साझा करते हुए उन्होंने बताया कि वाराणसी में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का आशीर्वाद लेने और प्रयागराज में वरिष्ठ वकीलों से कानूनी विमर्श करने के बाद वे अब आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। उन्होंने एससी-एसटी एक्ट को सामान्य वर्ग के लिए काला कानून करार देते हुए केंद्र सरकार को कड़ी चेतावनी दी है। अग्निहोत्री की मांग है कि सरकार इस कानून को समाप्त करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाए। यदि सरकार ऐसा नहीं करती है, तो वे आगामी 7 फरवरी को दिल्ली कूच करेंगे और वहां एक बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे। राजनीति में आने की अटकलों पर विराम लगाते हुए पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा कि फिलहाल उनका किसी राजनीतिक दल में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि सेवाकाल के दौरान प्रशासनिक पदों पर रहने के कारण सभी दलों के नेताओं और किसान यूनियनों से उनके अच्छे संबंध रहे हैं, लेकिन उनकी वर्तमान प्राथमिकता केवल एससी-एसटी एक्ट को रद्द कराना है। उन्होंने कहा कि वह अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का उपयोग करते हुए दिल्ली में अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

दुनिया के नए ग्लोबल आर्डर में किंग बनकर उभर रहा भारत... अमेरिका-चीन के दबाव में भी ताकत से खड़ा

नई दिल्ली(एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बीते महीने स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के मंच से कहा था कि दुनिया की पुरानी व्यवस्था 'टूट' रही है। अब मध्यम ताकत वाले देशों को साथ लाकर काम करना होगा। दावोस में अपने भाषण में कार्नी ने न ट्रम्प प्रशासन का नाम लिया और न ही उन अमेरिकी टैरिफ का जिक्र किया, जिसके कारण पुराना ग्लोबल सिस्टम हिल गया। अपने भाषण में उन्होंने सीधे तौर पर भले ही भारत का नाम न लिया हो, लेकिन इशारा साफतौर पर भारत की ओर ही था। दरअसल भारत इस वक्त दो बड़े दबावों के बीच खड़ा है। एक तरफ अमेरिका की बदलती नीतियां हैं। वहीं दूसरी ओर चीन की बढ़ती आक्रामकता। इसके परेशानी भरे हालात में भी भारत अब पारंपरिक साझेदारों से आगे बढ़कर दुनिया के दूसरे हिस्सों में नए दोस्त तलाश रहा है।

इस घटना के ठीक एक हफ्ते बाद, भारतीय पीएम मोदी नई दिल्ली में यूरोपियन (ईयू) की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ खड़े थे। दोनों ने करीब 18 साल से अटके पड़े बड़े व्यापार समझौते की घोषणा की, जिसे उन्होंने 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा। इस डील से करीब 2 अरब लोगों का बाजार तैयार होगा। यह सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि उस नए अंतरराष्ट्रीय सिस्टम का हिस्सा है, जिसमें अमेरिका की भूमिका कमजोर होने के बाद बाकी देश मिलकर नया ढांचा खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं।

आज भारत उन देशों में शामिल है जिनकी राय और फैसले वैश्विक राजनीति को प्रभावित करते हैं। 140 करोड़ की आबादी के साथ यह दुनिया की सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश है। भारत की इकोनॉमी भी जापान और जर्मनी के साथ दुनिया की टॉप-5 में शामिल हो चुकी है, हालांकि प्रति व्यक्ति आय अब भी इन देशों से बहुत कम है। प्रधानमंत्री मोदी की आत्मनिर्भर भारत वाली सोच अब थोड़ी नरम पड़ती दिख रही है। भारत में यह धारणा लंबे समय से रही है कि खुद को सुरक्षित रखने के लिए दूसरे देशों से ज्यादा आर्थिक जुड़ाव नहीं होना चाहिए। लेकिन यूरोप, कनाडा और दूसरे देश यह तर्क देते रहे हैं कि मिलकर व्यापार करने से ही देश मजबूत बनते हैं।

पश्चिम बंगाल में सौ से ज्यादा सीटें जीतने का भाजपा अध्यक्ष नबीन ने बनाया प्लान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों की आधिकारिक घोषणा से पहले ही प्रदेश की राजनीतिक सरगर्मी चरम पर पहुंच गई है। भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में सत्ता हासिल करने के लिए एक अत्यंत गोपनीय और रणनीतिक ब्लूप्रिंट तैयार किया है। इसी क्रम में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नितिन नबीन ने सांसदों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें चुनावी रणनीति की बारीकियों और जमीनी हकीकत की समीक्षा की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य केवल चुनावी औपचारिकताओं को पूरा करना नहीं था, बल्कि संगठन की ताकत और वोट बैंक को लेकर एक व्यापक रोडमैप तैयार करना था, ताकि राज्य में सत्ता परिवर्तन की मजबूत नींव रखी जा सके।

रणनीतिकारों के अनुसार, इस बैठक का माहौल काफी गंभीर था, जहां 12 लोकसभा सांसदों और दो राज्यसभा सांसदों के साथ वन-टू-वन चर्चा की गई। बैठक के दौरान हर क्षेत्र की विस्तृत रिपोर्ट ली गई और पार्टी ने राज्य की 100 से अधिक ऐसी विधानसभा सीटों को चिन्हित किया है, जहां बीजेपी जीत की प्रबल स्थिति में है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि यदि संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय किया जाए और स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जाए, तो बंगाल की सियासत में एक बड़ा उलटफेर संभव है। इसी रणनीति को पार्टी ने प्लान 100से ज्यादा का नाम दिया है। नितिन ने सांसदों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में केवल ऊपरी प्रचार तक सीमित न रहें, बल्कि हर जोन में कार्यकर्ताओं को संगठित कर स्थानीय समस्याओं पर राज्य सरकार के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन खड़ा करें। सांसदों को निर्देशित किया गया है कि वे जनता से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को आक्रामक तरीके से उठाएं। विशेष रूप से बांग्लादेश की सीमा से सटे इलाकों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा गया है, जहां सुरक्षा, घुसपैठ और विकास जैसे मुद्दे चुनावी दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। इन सीमावर्ती क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करने के लिए विशेष योजना बनाई गई है। बैठक में यह भी तय किया गया कि केवल सांसदों के फीडबैक तक ही सीमित नहीं रहा जाएगा। आने वाले दिनों में पार्टी अध्यक्ष प्रदेश के विधायकों और वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ भी संवाद करेंगे ताकि रणनीति को और अधिक धार दी जा सके। बीजेपी की इस बढ़ती सक्रियता और प्लान 100 प्लस के कार्यान्वयन ने राज्य के राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। एक तरफ जहां बीजेपी

बूथ स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी है, वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) भी अपने गढ़ को बचाने के लिए पूरी तरह सक्रिय है। चुनावी बिगुल बजने से पहले ही बंगाल की यह बिछती हुई राजनीतिक बिसात आने वाले समय में एक बेहद दिलचस्प और कड़े मुकाबले की ओर इशारा कर रही है।

बलिया में अवैध अतिक्रमण हटाने गई टीम पर भारी पथराव, पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले

बलिया (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां अवैध अतिक्रमण हटाने गई राजस्व और पुलिस की टीम पर स्थानीय उपद्रवियों ने जानलेवा हमला कर दिया। खेजुरी थाना क्षेत्र के हथौज गांव में तालाब (गडही) की सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने पहुंची टीम पर अचानक हुए पथराव से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस हिंसा में एक लेखपाल, एक कानूनगो और दो सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। स्थिति इतनी बेकाबू हो गई कि भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल करना पड़ा। घंटों तक चले इस हाई-वोल्टेज ड्रामे के बाद पुलिस ने एक महिला सहित सात लोगों को हिरासत में लिया है। पूरा विवाद हथौज गांव में स्थित तालाब के किनारे बनी अवैध झोपड़ियों और पक्के निर्माण को लेकर है। बताया जा रहा है कि गांव के ही निवासी सिद्धार्थ राय ने इस अतिक्रमण के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में सोमवार को एसडीएम सिकंदरपुर, तहसीलदार और राजस्व टीम भारी पुलिस बल के साथ जेसीबी लेकर अतिक्रमण हटाने पहुंची थी। जैसे ही टीम ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की, वहां मौजूद भीड़ उग्र हो गई और पुलिस टीम को निशाना बनाकर पत्थरबाजी शुरू कर दी। इस हमले में लेखपाल अमित राय, कानूनगो राजेश कुमार और सिपाही प्रेम पटेल व शैलेंद्र गुप्ता चोटिल हो गए। अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश शुक्ला ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि कुछ शरारती तत्वों के बहकावे में आकर ग्रामीणों ने राजस्व टीम और पुलिस पर हमला किया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कई थानों की फोर्स को मौके पर बुलाया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। उपद्रव के बावजूद प्रशासन ने न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए अवैध निर्माण को पूरी तरह जमींदोज कर दिया है। लेखपाल की तहरीर पर खेजुरी पुलिस ने दो नामजद और करीब 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

कर्नाटक में प्रदर्शन कर रहे बीजेपी-जेडीएस विधायकों ने विधानसभा में गुजारी रात

मॉर्निंग वॉक के बाद चाय पी, गाने गाए और मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर लगाए नारे

बेंगलुरु (एजेंसी)। बीजेपी और जनता दल-सेक्युलर (जेडीएस) के विधायकों ने कथित शराब घोटाले को लेकर आबकारी मंत्री आरबी थिम्मापुर के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कर्नाटक विधानसभा में रात गुजारी। बुधवार सुबह भी बीजेपी-जेडीएस विधायकों का प्रदर्शन जारी रहा। कर्नाटक बीजेपी के अध्यक्ष व विधायक बीवाई विजयेंद्र और विपक्ष के नेता आर अशोक समेत कई विधायक विधानसभा परिसर में मॉर्निंग वॉक करते हुए नजर आए। बाद में सभी विधायक एक जगह इकट्ठा हुए, चाय पी और आगे की कार्रवाई पर चर्चा की। कुछ देर बाद विरोध प्रदर्शन फिर से शुरू हुआ, जिसमें बीजेपी और जेडीएस के विधायक विधानसभा के प्रवेश द्वार की सीढ़ियों पर बैठ गए और एक्साइज मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे लगाए। उन्होंने गाने भी गाए और भारत माता की जय के नारे लगाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी

विधायक चन्नाबसप्पा ने एक भक्ति गीत भी गाया। विजयेंद्र, अशोक और विधानसभा में विपक्ष के उपनेता अरविंद बेल्लाड समेत अन्य विधायक भी उनके साथ शामिल हुए। कथित शराब घोटाले के मामले में बीजेपी-जेडीएस के विधायक राज्य के आबकारी मंत्री आरबी थिम्मापुर का इस्तीफा मांग रहे हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने दावा किया कि कर्नाटक के इतिहास में पहली बार शराब एसोसिएशन ने खुद एक्साइज डिपार्टमेंट में 6,000 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि आबकारी मंत्री हर महीने 250 करोड़ से 300 करोड़ रुपए वसूल रहे थे। उनके मुताबिक हर डिप्टी कमिश्नर की पोस्ट के लिए 2 करोड़ रुपए और कांस्टेबल लेवल की पोस्टिंग के लिए भी 10 लाख रुपए लिए जा रहे थे। अशोक ने एक ऑडियो रिकॉर्डिंग का भी जिक्र किया, जिसमें कथित तौर पर एक डिप्टी कमिश्नर ने कहा था कि मंत्रियों को कट देना पड़ता है। नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि मंत्री के खिलाफ लोकायुक्त में शिकायत दर्ज की गई है।

अशोका ने आरोप लगाया कि इन सबके बावजूद मंत्री सबूत मांग रहे हैं और सीएम सिद्धारमैया, जिनके पास वित्त मंत्रालय भी है, पूरी सरकार उनका साथ दे रही है। इससे पता चलता है कि कांग्रेस हाईकमान के पास बहुत सारा पैसा पहुंच रहा है। चुनावों के लिए यह भारी भरकम 6,000 करोड़ रुपए का कलेक्शन हुआ है। हम धरना दे रहे हैं और जब तक एक्साइज मंत्री थिम्मापुर इस्तीफा नहीं देते, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

मनीष तिवारी ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर तत्काल चर्चा कराने दिया स्थगन प्रस्ताव

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर संसद में राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने बुधवार को लोकसभा में इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा की मांग करते हुए स्थगन प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने लोकसभा के महासचिव को पत्र लिखकर प्रश्नकाल, शून्यकाल और दिन की अन्य सभी कार्यवाहियों को स्थगित कर इस गंभीर सार्वजनिक विषय पर बहस कराने की अनुमति मांगी है।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने अपने पत्र में कहा कि यह मामला राष्ट्रीय हित, आर्थिक सुरक्षा और विदेश नीति से सीधे जुड़ा हुआ है, जिस पर संसद की जानकारी और चर्चा अनिवार्य है। उन्होंने लिखा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति की ओर से कथित रूप से ऐसा बयान सामने आया है, जिसमें दावा किया गया है कि भारत के प्रधानमंत्री इस व्यापार समझौते की शर्तों पर सहमत हो गए हैं। तिवारी के अनुसार, यह दावा अत्यंत गंभीर है और इसकी सच्चाई सदन के सामने स्पष्ट की जानी चाहिए।

कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि इस कथित समझौते के तहत भारत ने रूसी तेल की खरीद बंद करने, अमेरिका और वेनेजुएला से तेल आयात में भारी वृद्धि करने, भारतीय टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को लगभग शून्य करने तथा 500 बिलियन डॉलर से अधिक के अमेरिकी उत्पाद खरीदने पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा हुआ है तो इसके दूरगामी आर्थिक और सामाजिक प्रभाव पड़ सकते हैं।

तिवारी ने अपने पत्र में यह भी रेखांकित किया कि रूसी कच्चे तेल की खरीद से देश में ईंधन की कीमतों को नियंत्रित रखने में मदद मिली है। यदि इसमें अचानक बदलाव किया गया, तो आम नागरिकों, परिवहन क्षेत्र और उद्योगों पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। इसके साथ ही, बड़े व्यापार समझौते घरेलू विनिर्माण, किसानों और लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) पर नकारात्मक असर डाल सकते हैं।

उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि वह इस पूरे मामले पर तुरंत स्पष्ट बयान दे और संसद में विस्तृत चर्चा की अनुमति दे। तिवारी ने कहा कि व्यापार, ऊर्जा और विदेश नीति जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में बिना पारदर्शिता के लिए गए निर्णय देशहित में नहीं हैं।

सुनेत्रा पवार के डिप्टी सीएम बनने के बाद भी खत्म नहीं हो रहीं एनसीपी गुटों के एक होने की अटकलें

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन ने न केवल राज्य की राजनीति को स्तब्ध कर दिया है, बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के भीतर सत्ता और समीकरणों के नए दौर को भी जन्म दे दिया है। अजित पवार के निधन के महज चार दिन बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिला दी गई। इस त्वरित राजनीतिक घटनाक्रम ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं, विशेषकर एनसीपी के दोनों गुटों के विलय और पवार परिवार की एकजुटता को लेकर।

अजित पवार के निधन के बाद शुरुआती दिनों में ऐसा लगा था कि शरद पवार और अजित गुट के बीच की दूरियां अब खत्म हो जाएंगी। स्वयं 85 वर्षीय वयोवृद्ध नेता शरद पवार ने मीडिया से कहा था कि अजित की अंतिम इच्छा पार्टी को फिर से एकजुट देखने की थी। दुख की इस घड़ी में पूरा परिवार और दोनों गुटों के कार्यकर्ता एक साथ नजर आए थे। लेकिन यह एकजुटता महज कुछ घंटों की ही साबित हुई। जैसे ही सुनेत्रा पवार ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली, शरद पवार ने सार्वजनिक रूप से यह कहकर सबको चौंका दिया कि उन्हें इस फैसले के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। इस बयान ने स्पष्ट कर दिया कि पर्दे के पीछे की राजनीति ने एक अलग ही करवट ले ली है।

रिपोर्टों के अनुसार, प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे जैसे वरिष्ठ नेता अब अजित पवार की विरासत और पार्टी की कमान को संभालने की पूरी प्रक्रिया को नियंत्रित कर रहे हैं। प्रफुल्ल पटेल ने खुद को अध्यक्ष पद की रेस से बाहर करते हुए घोषणा की है कि पार्टी कार्यकर्ता सुनेत्रा पवार को ही अध्यक्ष के रूप में देखना चाहते हैं। सरकार ने भी सक्रियता दिखाते हुए पुणे और बीड़ जिलों के पालक मंत्री की जिम्मेदारी सुनेत्रा पवार को सौंप दी है, जो पहले दिवंगत अजित पवार के पास थी। प्रफुल्ल पटेल का मानना है कि सुनेत्रा पवार को पार्टी की कमान सौंपना ही अजित दादा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

सबसे बड़ी चर्चा एनसीपी के दोनों गुटों के विलय को लेकर थी, जिसे प्रफुल्ल पटेल ने फिलहाल सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थानीय निकाय चुनावों में तालमेल और पार्टी का पूर्ण विलय दो अलग बातें हैं। पटेल ने उन दावों को भी दरकिनार कर दिया जिनमें शरद पवार गुट के साथ दोबारा जुड़ने की बात कही जा रही थी। उन्होंने कहा कि अजित पवार ने स्वयं कभी विलय का कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं रखा था। नेताओं के बीच होने वाली मुलाकातों को उन्होंने केवल पारिवारिक संबंधों तक सीमित बताया।

इस पूरे घटनाक्रम ने महाराष्ट्र की राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार के लिए एक नई चुनौती खड़ी कर दी है। अपने सबसे भरोसेमंद उत्तराधिकारी को खोने के बाद शरद पवार संभवतः पार्टी और परिवार को एक झंडे के नीचे लाना चाहते थे, लेकिन एनसीपी का नया नेतृत्व उनसे दूरी बनाता दिख रहा है। जिस तरह से सुनेत्रा पवार को आगे बढ़ाया जा रहा है और शरद पवार को निर्णयों से दूर रखा गया है, उससे संकेत मिलते हैं कि एनसीपी के भीतर

अजित पवार का गुट अपनी स्वतंत्र पहचान बनाए रखने के लिए संकल्पित है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या शरद पवार की पार्टी को फिर से एक करने की अंतिम इच्छा अधूरी रह जाएगी? महाराष्ट्र की राजनीति का यह नया अध्याय अब किस दिशा में मुड़ेगा, इस पर पूरे देश की निगाहें टिकी हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान श्री खुरालगढ़ साहिब में मत्था टेकेंगे, सद्भाव और भाईचारे के लिए करेंगे अरदास

प्रथम पृष्ठ का शेष

डिप्टी स्पीकर पंजाब विधानसभा जय कृष्ण सिंह रौड़ी ने कहा कि श्री खुरालगढ़ साहिब का ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्व अत्यंत विशाल है और यहां आयोजित समागम सामाजिक एकता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास जी महाराज का जीवन और उनकी शिक्षाएं समाज को समानता, भाईचारे, प्रेम और मानव कल्याण का संदेश देती हैं। उन्होंने कहा कि खुरालगढ़ साहिब में आयोजित होने वाला यह प्रदेश स्तरीय समागम सामाजिक समरसता को और मजबूत करने का सशक्त माध्यम बनेगा। कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने कहा कि श्री खुरालगढ़ साहिब न केवल पंजाब बल्कि समूचे देश के श्रद्धालुओं के लिए आस्था का महान केंद्र है। गुरु रविदास महाराज जी की शिक्षाएं समाज में समानता, प्रेम और सेवा की भावना को सुदृढ़ करती हैं। उन्होंने कहा कि इस पावन अवसर पर संगत की सुविधा के लिए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में गुरु जी के 650वें प्रकाश पर्व को लेकर पंजाब सरकार पूरा साल समागमों की श्रृंखला चला रही है। कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी का जीवन संघर्ष, तपस्या और मानव कल्याण का प्रतीक है। उनकी शिक्षाएं आज भी समाज को सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार धार्मिक स्थलों के विकास और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए निरंतर प्रयासरत है। कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी ने समाज को जाति, भेदभाव और ऊंच-नीच से ऊपर उठकर मानवता की सेवा करने का संदेश दिया। उनके विचार आज के समय में भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उन्होंने संगत से गुरु जी की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक ने कहा कि पंजाब सरकार गुरु रविदास जी की शिक्षाओं के अनुरूप समाज में समरसता, भाईचारे और समान अवसरों को बढ़ावा देने के लिए संकल्पबद्ध है। इस अवसर पर चेयरमैन पंजाब एससी कमीशन डॉ. जसवीर सिंह गढ़ी ने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी की शिक्षाएं सामाजिक न्याय, समानता और मानव कल्याण का सशक्त प्रेरणा हैं। गुरु जी ने अपने जीवन और वाणी के माध्यम से समाज में व्याप्त भेदभाव, ऊंच-नीच और असमानता को समाप्त करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार गुरु रविदास जी के विचारों को धरातल पर उतारने के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा अनुसूचित वर्गों के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान हेतु विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू की जा रही हैं। ऐसे समागम समाज में एकता, भाईचारे और सद्भाव को सुदृढ़ करते हैं। विधायक चब्बेवाल डॉ. ईशांक कुमार चब्बेवाल ने कहा कि श्री खुरालगढ़ साहिब की पावन धरती पर आयोजित यह प्रदेश स्तरीय समागम संगत के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र है। गुरु रविदास महाराज जी की शिक्षाएं हमें सत्य, करुणा, सेवा और समर्पण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि गुरु जी के विचारों को अपनाकर ही एक समतामूलक और सशक्त समाज का निर्माण संभव है। इस प्रकार के आयोजनों से युवा पीढ़ी को अपनी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर मिलता है, जो समाज के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस मौके पर अध्यक्ष एससी विंग पंजाब गुरप्रीत सिंह जी.पी., डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन, पर्यटन विभाग के डायरेक्टर संजीव तिवाड़ी, एसएसपी संदीप कुमार मलिक, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (विकास) निकास कुमार, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (सामान्य) अमरबीर कौर भुल्लर, नगर निगम कमिश्नर ज्योति बाला, एसडीएम मुकेरियां ओएशी मंडल, एसडीएम गढ़शंकर संजीव कुमार, एसडीएम दसूहा कंवलजीत सिंह, एसडीएम टांडा लवप्रीत सिंह, सहायक कमिश्नर परमप्रीत सिंह के अलावा अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने गुरु महाराज जी के चरणों में शीश नवाकर प्रदेश की शांति, खुशहाली और तरक्की की कामना की।

आगजनी और दंगे के आरोपी फैजान बरी...दंगाई भीड़ का था हिस्सा; अदालत ने बताई ये बड़ी वजह

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की एक अदालत ने 2020 के दिल्ली दंगों (छ्द्दद्धद्ध ऋद्बह्ल ड्डह्य) के दौरान दंगे और आगजनी के आरोपी फैजान को बरी कर दिया। अदालत ने अभियोजन पक्ष के मामले में गंभीर असंगतियों का हवाला देते हुए कहा कि एकमात्र पहचान करने वाले गवाह की गवाही पर भरोसा करना सुरक्षित नहीं होगा। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश परवीन सिंह आरोपी फैजान उर्फ आर्यन के खिलाफ मामले की सुनवाई कर रहे थे। फैजान पर 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान ब्रिजपुरी रोड स्थित अरुण मॉडर्न पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आग लगाने का आरोप था। अदालत ने उसे संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। 28 जनवरी को जारी आदेश में अदालत ने कहा कि इन तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए, मैं यह पाता हूं कि अभियोजन पक्ष के गवाह (पीडब्ल्यू2 कॉन्स्टेबल पीयूष) की एकमात्र गवाही पर भरोसा करना अत्यंत असुरक्षित होगा। इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला है कि अभियोजन पक्ष संदेह से परे अपना मामला साबित करने में विफल रहा है और आरोपी संदेह के लाभ का हकदार है। फैजान पर आरोप था कि वह 25 फरवरी 2020 को कथित रूप से स्कूल में तोड़फोड़ करने और आग लगाने वाली दंगाई भीड़ का हिस्सा था, जिससे एक करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। अभियोजन पक्ष का दावा था कि करीब 200 लोगों ने जबरन परिसर में प्रवेश किया, संपत्ति और वाहनों को नुकसान पहुंचाया और इमारत में आग लगा दी। इस मामले में शुरुआत में फैजान सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। उसके दो सह-आरोपियों को फरवरी 2025 में बरी कर दिया गया था। फैजान को 2022 में फरार होने के बाद घोषित अपराधी घोषित किया गया था। उसे अगस्त 2025 में गिरफ्तार किया गया और उसके खिलाफ अलग से मुकदमा चला। अदालत ने प्राथमिकी दर्ज करने में हुई अस्पष्टीकृत देरी और जांच एजेंसी द्वारा मौके पर कथित रूप से मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों की जांच न किए जाने का भी उल्लेख किया अदालत ने कहा कि इन विरोधाभासों के लिए कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है

NAME CHANGE
I Jagdish Chander S/o Om Prakash R/o House No. 1487/14, Gali No. 8-9, Near Kapoor Depot. Arjun Nagar, Gurgaon have changed my name to Jagdish Chander Dhingra for all future purposes.

NAME CHANGE
I, JITENDAR SHARMA S/O RAM NIWAS SHARMA R/O H No. D - 312 , Sudhir Enklev Ram Park , Loni , Haqiqatpur Urf Khudawas , Ghaziabad , Uttar Pradesh - 201102 have changed the name of my minor son ANSH SHARMA aged 7 years and he shall hereafter be known as GARV SHARMA .

NAME CHANGE
I, TANEEM AHMED S/O JAMAL AHMED R/O H NO -337 STREET NO-18 JAFRABAD DELHI-110053 have changed my name to SYED TANEEM AHMED . for all future purpose.

NAME CHANGE
I, CHANDU KUMARI W/O KUMAR ABHISHEK ASHISH R/O E-290A GALI NO-74 MAHAAAVVVIR ENCLAVE-3 UTTAM NAGAR DELHI-110059 have changed my name to CHANDU SINGH . for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MEGHA SHARMA W/o SAHIL SAMBHI R/o D2 202 SECTOR-67, IREO VICTORY VALLEY GOLF COURSE EXT ROAD, BADSHAHPUR, GURGAON, HARYANA-122101, I HAVE CHANGED MY NAME MEGHA SAMBHI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, MEGHA W/o GAURAV RAJAIN R/O C-45, SURYA VIHAR, GURGAON, HARYANA-122001, I HAVE CHANGED MY NAME MEGHA RAJAIN FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, MAHIMA D/O RAJENDER KUMAR R/O H.NO-87B/20, SUBHASH NAGAR, HANSI, HISAR, HARYANA-125033, HAVE CHANGED MY NAME TO MAHIMA ALAWADHI FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, RAM KISHOR S/O RAM PRAKASH R/O A-33, ROSEWOOD CITY, SECTOR-49, GURGAON, HARYANA-122018, HAVE CHANGED MY NAME TO RAM KISHORE SAXENA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I Shakil Ahmed S/O Shabuddin R/O C - 73 Fourth floor Abul Fazal Enclave part 2 Jamia nagar New Delhi 110025 changed my name to SHAKEEL AHMED

NAME CHANGE
I Mohammad Israyel S/O Shakil R/O D - I - 119 Modangir , Dr Ambedker nagar , south Delhi 110062 changed my name to MD . Izrail

NAME CHANGE
I Abhishek S/O Nandkishor R/O H.no - 413 village Malerna Tehsil - Ballabgarh Faridabad Haryana - 121004 changed my name to Abhishek Kumar

NAME CHANGE
I, SALEEM S/O ANIS KHAN R/O E-130 J J COLONY POCKET-4 BINDAPUR UTTAM NAGAR NEW DELHI 110059 HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS SALIM

NAME CHANGE
I, RENUKA LAGAMESH Wife of No-16119911H Rank-HAV Name-LAGAMESH DUNDAPPA GADADI Presently residing at WARD NO-06, KALLOLLI, PO-KALLOLI, BELGAUM, KARNATAKA-591224, have changed my name from RENUKA LAGAMESH to RENUKA LAGAMESH GADADI for all future purposes vide Affidavit dated 04/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Girraj Rathor S/O Sumer Singh R/O X-131 gali no 12 brahampuri north east delhi 110053 changed my name to Girraj.

NAME CHANGE
I, Jyaul Haque S/O Mohibul Haque R/O C-122, 1st Floor Chinyot basti nabikarim pharganj delhi 110055 changed my name to Ziyaul Haq Faridi

NAME CHANGE
I, Neeta rani W/O Bhagavati Prasad R/O Flat no 216, 3rd floor new LIG flat Block-A kondali gharoli Mayur vihar phase 3 east Delhi 110096 changed my name to Nita Rani

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, ANUP son of Shri DEVENDRA, residing at 32, Karimpur, Garhmukteshwar, Garh Bridge Halt, Ghaziabad, Uttar Pradesh-245205, declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as ANUP YADAV and AVNI YADAV in my minor son ANVI aged 08 years in his Aadhar Card No.848571432332. The actual name of mine and my minor son are ANUP and ANVI respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Narender Singh S/o Mr. Bishan Singh is the owner of Freehold Residential Plot No.2 area measuring 115 Sq. Yds. i.e. 96.15 Sq. Mtrs. Comprising Khasra No.623 Situated at Colony H.D. Garden, Near Oxy Home Village Chipiyana Buzurg (Railway Line Ke Paar) Pargana and Tehsil Dadri District Gautam Budh Nagar, U.P. by virtue of Sale Deed dated 24.12.2025 Vide Doc No.64602, Book No.1, Volume No.33543, on Page Nos.379-402, Registered on 24.12.2025, in S.R-Dadri., and as per Khatoni for the Fasli Year 1430-1435 there is mentioned father name Mr. Shri Chand S/o Mr. Hari Chand and in Death Certificate name mentioned as Mr. Shri Chand S/o Mr. Hari Dutt Sharma, (Hari Chand and Hari Dutt Sharma both are same person) in now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property Sold too Mr. Yogender Singh Bisht and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Angad Kumar, Mr. Adit & Mr. Arin Kumar are the absolute owner of Freehold Land area 16 Kanal 12 Marla, out of Khasra No. 133//13/2/1 (0-12) and 132//15/2, 133//11/2, 12/2, 13/2/2 (16-0), situated at waka Mauja Village Khoda, Tehsil & District Fatehabad, Haryana. by virtue of Transfer Deed dated 11.11.2025 which is duly regd., Vide Doc No. 4887, Book No.1, Vol. No. 7749, Pages. No. 64/ 68-69, Registered on, in S.R-Fatehabad. & Transfer Deed dated 31.12.2025 Vide Doc No. 5919, Book No.1, Vol. No. 8046/16, Pages. No. 135.5, registered on, in S.R-Fatehabad., Till dated lost/ misplaced his Original Sale Deed dated 21.04.2004 executed by Mr. Om Prakash S/o Mr. Laxman S/o Hatram in favour of 1. Mr. Dilbag Singh 2. Mr. Angad Kumar in respect of Land area measuring 16 Kanal 12 Marla, which is duly regd. as Doc No. 324, Book No.1, Vol. No. 411/ 2871, Pages. No. 102/ 77-78, Registered on, in S.R-Fatehabad, now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by Avanse Financial Services Limited (AVANSE),. Branch: 1st floor, Videocon Tower, Block E 3 Jhandewalan Extension, New Delhi, Delhi 110055. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained.

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I Vinod Sharma S/o Hoti Lal Sharma, House No.-D-66/1, Partap Vihar-3, KIRARI SULEMAN NAGAR, DIST: North West Delhi, Delhi-110086 have changed my name to Vinod Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I Randhir S/o Vinod Kumar , R/o D-66/1 PARTAP VIHAR PART-3, KIRARI SULEMAN NAGAR, North West Delhi, Delhi-110086 have changed my name to Randhir Sharma for all future purposes.

Public Notice
It is for general information that I, Mamta Diwakar W/o Ajay Diwakar R/o B- 157, Gali No. - 13, Nanhey Park, Matiala, West Delhi, Delhi - 110059 Declare that name of mine, my husband and my Minor Son have been Wrongly written as Mamta, Ajay and Gourav in my Minor Son namely Gaurav Diwakar aged 13 years in his School Records. The actual name of mine, my husband and my Minor Son is Mamta Diwakar, Ajay Diwakar and Gaurav Diwakar

NAME CHANGE
It is for general information that I, VIBHA SHASHIKANT NIRALA W/o SHASHIKANT NIRALA, R/o 301-B, Near Lakshmi Narayan Mandir, Maszid Moth, New Delhi South Ext-II, South Delhi, Andrewsganj, Delhi-110049, declare that name of mine and my minor daughter have been wrongly written as VIBHA NIRALA and SHRISHTI in my minor daughter namely SHRISHTI NIRALA aged 14 years in her School Records. The actual name of mine and my minor daughter are VIBHA SHASHIKANT NIRALA and SHRISHTI NIRALA respectively.

NAME CHANGE
I hitherto known as MOKSH SIKKA S/o VIJAY KUMAR, R/o H.No. 45, Library Face-3 Extn., Ishwar Colony, Bawana, PO: Bawana, Distt. North West Delhi, Delhi-110039, have changed my name and shall hereafter be known as MOKKSH SIKKA, for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, ADITYA DIWAKAR S/o RAM GOPAL, R/o H.No. 904/E, Rana Pratap Gali No. 2, Babarpur Shahdara, Shahdara, North East Delhi, Delhi-110032, declare that name of mine has been wrongly written as ADITYA KUMAR in my minor daughter namely DIVYANSHI aged 12 years in her School Records. The actual name of mine is ADITYA DIWAKAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, LAKSHMI DEVI is legally Wife of No. 15412342A Rank- HAV Name-GANGULA AVULIAH Presently resident of 422FD HOSP have changed my name from LAKSHMI DEVI to GANGULA LAKSHMI DEVI for all future purposes. Vide Affidavit Dated 03/02/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, KIRAN DEVI is legally Wife of No. JC 859296H Rank- NB SUB (OFC) NAME- KR VIKKI RANJAN Presently resident of 141 AD REGT (SP) C/O 56 APO have changed my name from KIRAN DEVI to KIRAN KUMARI for all future purposes. Vide Affidavit Dated 04/02/2026 before Notary Public New Delhi

NAME CHANGE
I, USHA is legally mother of No. 22056271L Rank- SEP Name-JAIGUDE VIGHNESH CHANDRAKANT R/o 2415, SIDDHANATH WADI, WAI TEH-WAI,DIST-SATARA, (MAHARASHTRA)-412803 have changed my name from USHA to USHA CHANDRAKANT JAIGUDE for all future purposes, vide affidavit dated 04/02/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, JAIGUDE CHANDRAKANT RAMCHANDRA is legally Father of No. 22056271L Rank- SEP Name-JAIGUDE VIGHNESH CHANDRAKANT R/o 2415, SIDDHANATH WADI, WAI TEH-WAI,DIST- SATARA, (MAHARASHTRA)-412803 have changed my name from JAIGUDE CHANDRAKANT RAMCHANDRA to CHANDRAKANT RAMCHANDRA JAIGUDE for all future purposes, vide affidavit dated 04/02/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as UDITA KHAITAN D/O PRADEEP AGRAWAL W/O PRADEEP AGRAWAL R/O E-10, Kalindi Colony, Sriniwas Puri, Po-East of Kailash Phase-1, District-South Delhi, Delhi-110065 have changed my name and shall hereafter be known as UDITA PATEL.

Public Notice
It is for general information that I, Uma W/o Prem Chand Kargati R/o RZ F 2/98 Gali No. 4 Mahavir Enclave, Palam, South West Delhi, Delhi-110045 declare that name of mine and my husband has been wrongly written as Uma Kargati and Prem Kargati in my minor son Lakshya Kargati aged 14 years in his School Records. The actual name of mine and my husband are Uma and Prem Chand Kargati.

Public Notice
It is for general information that I, Rajesh Saklani S/o Kedardutt Saklani R/o R Z-37 A, Prem Vihar, Gali No-12, Nangli Dairy, Najafgarh, Najafgarh, PO: Najafgarh, DIST: South West Delhi, Delhi-110043 declare that name of mine, my father and my mother has been wrongly written as Rajesh, Kedar Dutt and Jaya Devi in my 10th and 12th Class Educational Documents and Passport No-X7481260 and name of mine and my father has been wrongly written as Rajesh and Kedar Dutt in my Driving Licence No-DL09 20120205721. The actual name of mine, my father and my mother are Rajesh Saklani, Kedardutt Saklani and Jaya Saklani.

NAME CHANGE
I, JC-798030X Rank-RIS (NA VET) Name-CHANDRA BHUWAN DIXIT Presently residing at VILL-RAKHINEWADA, PO-RASIPUR, TEH-VARANASI, DIST- VARANASI, UTTAR PRADESH-221405, have changed my wife's name from ANURADHA DIXIT to ANURADHA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 04/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-7244334A Rank-L/DFR (NA VET) Name-PAL MOHANKUMAR BADANSINGH Presently residing at VILL-AHMEDABAD, PO-KUBERNAGAR, TEH-AHMEDABAD, DIST-AHMEDABAD, GUJARAT-382340, have changed my wife's name from PAL SUMAN to SUMAN MOHANKUMAR PAL for all future purposes vide Affidavit dated 04/02/2026 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, NO-13004585W Rank-SEP Name-HENTHANGJOU KHONGSAI residing at VILL-LONGPI, PO-NUNGBA, DIST-TAMENGLONG, MANIPUR-795147, in my service record my minor son's (MANGZAIREM KHONGSAI) date of birth wrongly mentioned as 01/04/2010 instead of his correct date of birth as 01/04/2012 vide affidavit dated 04/02/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, K MAHALAKSHMI Wife of No-6498287P Rank-NK Name-SATYANARAYANA KANDI BORRA Presently residing at VPO-AKKIVARAM, TEH-DENKADA, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535216, have changed my name from K MAHALAKSHMI to KANDI BORRA MOHINI for all future purposes vide Affidavit dated 04/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as KASMIRI D/o KRISHNA PAL W/o KRISHAN PAL, House No 374, Behta Hazipur, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102, have changed my name and shall hereafter be known as Kashmiri. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

KASMIRI

PUBLIC NOTICE
Mr. Mukesh Sharma Owner of the Residential Flat no 3FF , Block - 283, Sector - MU-II , , Greater Noida, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P. Mr. Mukesh Sharma have lost Original Allotment Letter dated 18/09/2013 issued by GNIDA in favour of Mr. Mukesh Sharma, for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor,
Patparganj Village,
Mayur Vihar, Phase-I,
Delhi-1, M-NO- 7252922875

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती अनित रोहिल्ला पत्नी श्री मुकेश रोहिल्ला, एक प्लॉट कुल क्षेत्रफल 100 वर्ग गज की स्वामिनी हैं, जो खेवट नं. 1556/1, खातौनी नं. 2257/1, खसरा नं. 2688 (3-0) क्षेत्रफल 58 वर्ग गज, एवं खेवट नं. 1557/1557, खातौनी नं. 2258, खसरा नं. 2686 (1-0) क्षेत्रफल 20 वर्ग गज, एवं खेवट नं. 1558/1, खातौनी नं. 2259/1, खसरा नं. 2687 (1-2) क्षेत्रफल 22 वर्ग गज। में स्थित है, तथा वाका मौजा फ्रेंड्स कॉलोनी (सुभाष नगर), रेलवे लाइन के पार, नगर परिषद बहादुरगढ़ की सीमा के अंतर्गत, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर में स्थित है। श्रीमती अनित रोहिल्ला ने उक्त संपत्ति श्रीमती सुमन पत्नी श्री अनिल से दिनांक 20.12.2023 की विक्रय विलेख (स्डुद्यद्ग ड्डद्गद्गस्र) के माध्यम से क्रय की है। कृपया ध्यान दें कि संपत्ति से संबंधित मूल चेन दस्तावेज़ खो गए हैं, जिनका विवरण निम्नलिखित है- 1. विक्रय विलेख, दस्तावेज़ संख्या 7451, दिनांक 02.02.2016, जो श्रीमती इंद्रावती द्वारा श्रीमती कृष्णा गौर के पक्ष में निष्पादित किया गया था।; × 2. विक्रय विलेख, दस्तावेज़ संख्या 1895, दिनांक 29.05.2012, जो श्री ओ.पी. सिंह द्वारा श्रीमती इंद्रावती के पक्ष में निष्पादित किया गया था।; तथा 3. विक्रय विलेख, दस्तावेज़ संख्या 25, दिनांक 02.04.1999, जो श्री जय नारायण द्वारा श्री सुभाष चंद के जीपीए के रूप में, श्री ओ.पी. सिंह के पक्ष में निष्पादित किया गया था, उप-पंजीयक कार्यालय, बहादुरगढ़ । अतः उपर्युक्त संपत्ति के संबंध में उक्त मूल दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं हैं। कृपया यह भी अवगत कराया जाता है कि उक्त संपत्ति को हीरो हाउसिंग फाइनेंस, गुरुग्राम शाखा, हरियाणा से वित्तपोषित (फाइनेंस) किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 10 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

नाम परिवर्तन
मैं विशाल चरन निवासी 97, मिशन कंपाउंड देवनगर मेरठ, . P- 250001, घोषित करता हूं कि मेरे पिता का नाम मेरी दसवीं के सर्टिफिकेट में गलत रूप से छापा है। सही नाम Christopher Charan है । यह विज्ञापन प्रमाणित करने के लिए दिया गया है।

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client Smt. Rajesh is the owner of Left Side built up Property bearing No. 1795B, area measuring 70 sq.yds (approx), out of total area measuring 140 sq.yds, part of Khasra No. 282, Situated at Prasadi Gali, Kotla Mubarak Pur, New Delhi-110003 vide Gift Deed dated 08.01.2026 which is registered as Doc no. 2024/9/I/846, Book no. 1, Volume and Intend to mortgage the said property with Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,2nd floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती किरण कालिया निर्मित संपत्ति संख्या 109/3/6-C/2-/1 के पश्चिमी दक्षिणी भाग की स्वामिनी हैं, जो प्लॉट संख्या 169, क्षेत्रफल 55 वर्ग गज, खसरा संख्या 173 में स्थित है। यह संपत्ति आबादी गली नंबर 15, पश्चिम आज़ाद नगर, ग्राम घोंडी, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110051 में स्थित है। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी राजस्व अभिलेखों के अनुसार श्री किशन चंद थे। तत्पश्चात उन्होंने दिनांक 23.04.1973 को नोटराइज़्ड GPA, एग्रीमेंट टू सेल (ATS) एवं वसीयतों के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री प्यारे लाल चोपड़ा को हस्तांतरित की। इसके पश्चात श्री प्यारे लाल चोपड़ा ने दिनांक 02.05.1973 को पंजीकृत GPA, ATS एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री दयाल सिंह को हस्तांतरित की। इसके बाद श्री दयाल सिंह ने दिनांक 23.04.1978 को नोटराइज़्ड GPA, ATS एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री सुरेंद्र कुमार को हस्तांतरित की। तत्पश्चात श्री सुरेंद्र कुमार ने दिनांक 26.12.2003 को नोटराइज़्ड GPA, ATS एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती बीना कुमारी को हस्तांतरित की। तत्पश्चात श्रीमती बीना कुमारी ने दिनांक 28.04.2017 को उपहार विलेख (Gift Deed) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती किरण कालिया को उपहार स्वरूप प्रदान की। अत: श्रीमती किरण कालिया उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी हैं। कृपया यह भी ध्यान दें कि वर्तमान में यह संपत्ति आरबीएल बैंक लिमिटेड (RBL Bank Ltd.), शाखा- गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Arti Devi W/O Rajkumar, R/O 260/14, mayur vihar satha, Bulandshahr, Bulandshahr, Uttar Pradesh-203001, declare that name of mine has been wrongly written as Arti in my minor daughter namely Soniya Rani aged 17 years in her 10th class educational documents.The actual name of mine is Arti Devi,respectively which may be amended accordingly.
[04/02, 17:11] Indian Publisiti Agency: P.S: AMAN VIHAR

PUBLIC NOTICE
I,RAM CHANDER TANEJA,S/O KHEM CHAND TANEJA R/O H.NO.81 PKT-9 SEC-22, ROHINI, DELHI, 110086, shokeenmukul 739 @ gmail.com , ALL PROPERTY DOCUMENTS CERTIFICATE NO - INDL 28185522978504X , I have LOST MY ALL PROPERTY DOCUMENTS DEMAND LETTER, BANK CHALLAN, HANDLING POSSESION LETTER, POSSESION SLIP, LEASE DDA, BUILDING PLAN, FREE HOLD, ETC. Finder mail me.

NAME CHANGE
I hitherto known as Alaka Rai W/o Ved Prakash Sharma R/o Plot No-394, Second Floor, Sector-4, Vaishali,I E Sahibabad ,Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010 have changed my name and shall hereafter be known as Alka Sharma.

NAME CHANGE
I hitherto known as Ved Prakash S/o Ramjee Prasad Sharma R/o Plot No-394, Second Floor, Sector-4, Vaishali , I E Sahibabad, Ghaziabad Uttar Pradesh-201010 have changed my name and shall hereafter be known as Ved Prakash Sharma.

PUBLIC NOTICE
PUBLIC AT LARGE IS HEREBY INFORMED THAT MR. CHAITANYA THAPAR, MINOR AGED ABOUT 13 YEARS, REPRESENTED THROUGH HIS NATURAL GUARDIAN MR. AMIT THAPAR IS THE LAWFUL OWNER OF E.G., _1/3 SHARE UNDIVIDED SHARE IN THE PROPERTY BEARING [FLAT NO. S-1, ON SECOND FLOOR, WITH ROOF RIGHTS, AREA MEASURING 570 SQ. FT., BUILT ON PORTION OF PLOT NO. 28-B, AREA MEASURING 52.92 SQ. MTRS, SITUATED AT VRINDAWAN GARDEN, IN THE VILLAGE PASONDA, PARGANA LONI TEHSIL AND DISTRICT GHAZIABAD, U.P.) IT IS HEREBY DECLARED THAT NO PERSON, INDIVIDUAL, FIRM, COMPANY, OR AUTHORITY HAS ANY RIGHT, TITLE, INTEREST, CLAIM, CHARGE, LIEN, OR OBJECTION OF ANY NATURE WHATSOEVER IN RESPECT OF THE SAID MINOR'S SHARE IN THE ABOVE-MENTIONED PROPERTY, EXCEPT AS STATED HEREIN.
IF ANY PERSON HAS ANY CLAIM OR OBJECTION IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY OR THE MINOR'S SHARE THEREIN, THE SAME SHOULD BE MADE IN WRITING WITH DOCUMENTARY PROOF WITHIN 7(SEVEN) DAYS FROM THE DATE OF PUBLICATION OF THIS NOTICE, FAILING WHICH SUCH CLAIM SHALL BE TREATED AS NULL AND VOID, AND IT SHALL BE PRESUMED THAT NO ONE HAS ANY CLAIM WHATSOEVER.

[ASHWANI KUMAR]
ADVOCATE
CHAMBER NO. 122,
TEHSIL COMPOUND,
GHAZIABAD, U.P.
KUMAR2021ASHWANI@GMAIL.COM

सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री सनी खुल्लर प्लॉट संख्या 40, क्षेत्रफल 1000 वर्ग मीटर, चरण I, सेक्टर 53, एचएसआईआईडीसी औद्योगिक एस्टेट, कुंडली, जिला सोनीपत, हरियाणा में स्थित संपत्ति के मालिक हैं। प्रारम्भ में, उक्त संपत्ति एचएसआईआईडीसी द्वारा श्री जोगिंदर लाल बेदी को आवंटित की गई थी। तत्पश्चात, एचएसआईआईडीसी द्वारा दिनांक 20/03/1996 को पंजीकृत कन्वेयन्स डीड श्री जोगिंदर लाल बेदी के पक्ष में निष्पादित की गई। जिनका दिनांक 03/06/2003 को देहांत हो गया तथा उनके पीछे वैध उत्तराधिकारी (1) श्रीमती विनिता विग (2) श्री बिमल बेदी रह गए। तत्पश्चात, श्रीमती विनिता विग द्वारा दिनांक 27/08/2003 को अपने हिस्से का परित्याग पत्र श्री बिमल बेदी के पक्ष में निष्पादित किया गया (दस्तावेज संख्या 4248)। तत्पश्चात, श्री बिमल बेदी द्वारा दिनांक 09/10/2017 को नोटरी वसीयत श्रीमती नीता बेदी के पक्ष में निष्पादित की गई, जिनका देहांत हो गया 7 तत्पश्चात, एचएसआईआईडीसी द्वारा उक्त संपत्ति श्रीमती नीता बेदी के पक्ष में पुन: आवंटित की गई। तत्पश्चात, श्रीमती नीता बेदी ने उक्त संपत्ति आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के पास बंधक रखी तथा ऋण की अदायगी करने में असमर्थ रहीं। तत्पश्चात, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड द्वारा अपने अधिकृत अधिकारी श्री राजीव रंजन के माध्यम से दिनांक 08/05/2023 को विक्रय प्रमाण-पत्र श्रीमती गीतिका जैन एवं श्रीमती रीता जैन के पक्ष में निष्पादित किया गया (दस्तावेज संख्या 572)। तत्पश्चात, श्रीमती गीतिका जैन एवं श्रीमती रीता जैन द्वारा उक्त संपत्ति के संबंध में श्री सनी खुल्लर के पक्ष में नोटरी इकरारनामा किया गया। अंतत: दिनांक 02/09/2024 को श्रीमती गीतिका जैन एवं श्रीमती रीता जैन द्वारा उक्त संपत्ति का विक्रय विलेख श्री सनी खुल्लर के पक्ष में निष्पादित किया गया (दस्तावेज संख्या 2856)। जो अपनी वास्तविक आवश्यकताओं हेतु उक्त अचल संपत्ति को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के पक्ष में बंधक रखना चाहते हैं। यदि किसी व्यक्ति को उक्त बंधक या उक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति, दावा, अधिकार या हित हो तो वह इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करे, अन्यथा यह माना जाएगा कि किसी को भी उक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति या दावा नहीं है।

नई दिल्ली
दिनांक: 04/02/2026

प्रज्ञाभूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय:एन-204, निचला भूतल,
जी.के.-I, नई दिल्ली
9968006418

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विजय उर्फ मयंक पुत्र** श्री बृह्म सिंह **निवासः** म.नं. 1413, तुलसी निकेतन, डिफेन्स कॉलोनी, गुर्जर चौक, थाना-टिल्ला मोड़, जिला-गाज़ियाबाद, यू.पी. ने **FIR No. 000639/2021 U/s 379/411/34 IPC. थानाः प्रसाद नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **विजय उर्फ मयंक** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **विजय उर्फ मयंक** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 000639/2021 U/s 379/411/34 IPC. थानाः प्रसाद नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **विजय उर्फ मयंक** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **11.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
करणबीर सिंह
जेएमएफसी-02, कमरा नं. 26
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/1303/CD/2026
(Court Notice)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **भूरा पुत्र श्री नानिशर निवासी मकान नंबर 1000, टोली मोहल्ला-3, थाना लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 236/2017 U/S 411 IPC, अन्तर्गत थाना प्रसाद नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **भूरा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **भूरा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये खुद को छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 236/2017 U/S 411 IPC, अन्तर्गत थाना प्रसाद नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **भूरा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.04.2026** को **सुबह 10:00 बजे** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री करणबीर सिंह
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-02
केंद्रीय, कमरा नंबर 26
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/1306/CD/2026(Court Matter)

NAME CHANGE
I hitherto known as ABHIMNYU S/o JUGL KISHOR, R/o H.No. 15/14, Sector-44, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, have changed my name and shall hereafter be known as MANU SINGH, for all future purposes.

NAME CHANGE
I PALAK D/O SAVEEN SETIA R/O 8/53 GEETA COLONY , NEAR MAHAVIR MANDIR ,DELHI 110031 HAVE CHANGED MY NAME TO PALAK SETIA

NAME CHANGE
I, Yogesh S/O Suresh 1262 Nangla enclave 2 Sector 22. Hryana Faridabad 121005 have changed my name to Yogesh Kasana

NAME CHANGE
I MOHAMMAD ARSHAD S/O MEHBOOB AHMAD R/O H NO-360 GALI NO-14 NEAR ASHARFIYA MASJID KARDAM PURI DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD ARSHAD

NAME CHANGE
I, Rizwan S/o Alimuddin R/o House No.D-57, Yamuna Vihar Road, Delhi-110053 have changed my name to Rizwan Khan.

NAME CHANGE
I, Anshika Jha W/o Ajay Kumar R/o H-192, H-Block, Old Seemapuri, Delhi-110095 have changed my name to Anshika Acharya.

NAME CHANGE
I, Mohammad Abrar S/O. Abdul Rehman R/O. H.N-900, Gali No-9, Near Jama Masjid Old Mustafabad Delhi-110094 have changed my name to Mohd Abrar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, LUBNA KHAN W/o Mohd Irshad R/o A-1/196, Gali No.4, Nehru Vihar, Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to LUBNA permanently

NAME CHANGE
I,NAFIS S/o Laik Ahmed R/o A-1/196, Gali No.4, Nehru Vihar, Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to NAFEES AHAMD permanently

NAME CHANGE
I, VAIBHAV SHARMA R/o WZ-244 (G-137) Third Floor, G Block, Janak Puri, Hari Nagar, Janak Puri,Delhi-110058, have changed my minor son's name from ZORAVAR to ZORAVAR SHARMA permanently

NAME CHANGE
I, NISHA RANI W/o Kapil R/o 9937, 1-A, New Rohtak Road, Sarai Rohilla, Delhi-110005, have changed my name to NISHA permanently

PUBLIC NOTICE
P.S: AMAN VIHAR
LR No: 64972/2026, I,RAM CHANDER TANEJA,S/O KHEM CHAND TANEJA R/O H.NO.81 PKT-9 SEC-22, ROHINI, DELHI, 110086, shokeenmukul 739 @ gmail.com , ALL PROPERTY DOCUMENTS CERTIFICATE NO -INDL 28185522978504X , I have LOST MY ALL PROPERTY DOCUMENTS DEMAND LETTER, BANK CHALLAN, HANDLING POSSESION LETTER, POSSESION SLIP, LEASE DDA, BUILDING PLAN, FREE HOLD, ETC. Finder mail me.

NAME CHANGE
I, MEHTAB S/O ABDUL QADIR residing at A22/36-B, GALI NO-16, CHAUHAN BANGER, SEELAMPUR, DELHI-110053 have changed my changed my name to MEHTAB ALAM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, RUQAYYA W/O MEHTAB ALAM residing at A22/36-B, GALI NO-16, CHAUHAN BANGER, SEELAMPUR, DELHI-110053 have changed my changed my name to RUKAIYA BEGUM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MEGHA RAUTELA W/o RAMESH BISHT R/O 322,SANSKRITI APARTMENTS, SECTOR -19B, DWARKA, DELHI-110075, HAVE CHANGED MY NAME TO MEGHA RAUTELA BISHT PERMANENTLY WHICH IS TO BE USED FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I NEHA RAJPUT D/O DUKHAN SINGH R/O N-100 NARAYAN NAGAR GURUDWARA ROAD NEAR LALITA PARK LAXMI NAGAR DELHI 110092 HAVE CHANGED MY NAME TO NEHA SRIVASTAVA

NAME CHANGE
I SHABANA KHAN W/O ABDUL ADIL R/O T13 A KALI MASJID, NIZAMUDDIN WEST, NEW DELHI, 110001, HAVE CHANGE MY NAME TO SHABANA FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
It is for general information that I, RAJKUMAR TANWAR S/o RAKESH KUMAR TANWAR, R/o WZ-113, Nariana Village, Distt. West Delhi, Delhi-110028, declare that name of mine and my father have been wrongly written as RAJKUMAR and RAKESH in my 10th class Educational Documents. The actual name of mine and my father are RAJKUMAR TANWAR and RAKESH KUMAR TANWAR respectively, which may be amended accordingly.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

न्याय को मजबूत कर रहे कम्युनिटी मेडिएशन सेंटरः वर्षा शर्मा

एजेंसी

पानीपत। पानीपत की मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण वर्षा शर्मा ने कार्यालय में प्रेस प्रतिनिधियों, ग्राम पंचायत सरपंच और सचिवों को जानकारी देते हुए कहा कि हरियाणा कम्युनिटी मेडिएशन प्रोग्राम को जिला पानीपत में प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। इसके तहत गांव सिवाह में स्थापित कम्युनिटी मेडिएशन सेंटर एक सफल पायलट प्रोजेक्ट के रूप में काम कर रहा है। यह योजना ग्रामीण जनता को सस्ता, सुलभ और वैकल्पिक न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। छोटे विवादों को कोर्ट तक पहुँचने से पहले ही आपसी सहमति से सुलझाकर न केवल समाज में सौहार्द बढ़ाया जा रहा है, बल्कि न्यायालयों पर बढ़ते मुकदमों के बोझ को भी कम किया जा रहा है। सीजेएम ने निर्देश दिए कि सरपंच गांव-गांव मुनादी करवाकर ग्रामीणों को कम्युनिटी मेडिएशन योजना, बाल विवाह मुक्त पानीपत अभियान तथा बच्चों द्वारा फैलाई जा रही फेक न्यूज पर रोक को लेकर जागरूक करें। साथ ही लोगों को बताया जाए कि भ्रामक सूचनाएं फैलाना कानूनन अपराध है। इस अवसर पर बीडीपीओ शक्ति सिंह, शीतल, उप अधीक्षक सुरेश लाठर, सरपंच चिरंजीत,सरपंच मोनू उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं संग बनाई निगम चुनाव की रणनीति

सोनीपत। सोनीपत में आगामी नगर निगम चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने तैयारियों को तेज कर दिया है। भाजपा कार्यालय सोनीपत में नगर निगम मेयर व पार्षद चुनावों की रणनीति को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने की। बैठक में जिले के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और संगठन से जुड़े प्रमुख लोग शामिल हुए। बैठक के दौरान वार्ड स्तर से लेकर मेयर चुनाव तक की तैयारियों, संभावित प्रत्याशियों और चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कार्यकर्ताओं से रायशुमारी करते हुए कहा कि पार्टी हर स्तर पर फीडबैक ले रही है। इच्छुक उम्मीदवारों से बातचीत की जा रही है ताकि जमीन से जुड़े और जिताऊ प्रत्याशियों को ही मैदान में उतारा जा सके। बैठक के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्री ने बताया कि नगर पालिका, नगर परिषद और नगर निगम चुनावों के लिए उन्हें प्रभारी व संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार तय करने से पहले आम जनता और कार्यकर्ताओं से संवाद किया जाएगा। टिकट का निर्णय पूरी तरह सर्वे और फीडबैक के आधार पर होगा। मंत्री ने दावा किया कि सोनीपत नगर निगम मेयर और पार्षद चुनाव में भाजपा की जीत तय है।

हरियाणा में 06 आईएएस अधिकारियों के तबादले

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने तत्काल प्रभाव से 06 आईएएस अधिकारियों के स्थानांतरण एवं नियुक्ति आदेश जारी किए हैं। जारी किए आदेशों के अनुसार, हिसार के मंडल आयुक्त रवि प्रकाश गुप्ता को शहरी संपदा विभाग का प्रधान सचिव और मंडल आयुक्त, हिसार लगाया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के महानिदेशक एवं सचिव अंशज सिंह को नरहरि सिंह बांगड़ के स्थान पर नागरिक उड्डयन सलाहकार तथा सचिव का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक विक्रम को हरियाणा मिनरल्स लिमिटेड, नई दिल्ली में प्रबंध निदेशक तथा दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। जिला नगर आयुक्त, अंबाला तथा नगर निगम, अंबाला के आयुक्त वीरेंद्र लाठर को शिकायत निवारण विभाग में विशेष सचिव के साथ-साथ जिला नगर आयुक्त, अंबाला तथा नगर निगम, अंबाला का आयुक्त लगाया गया है। रोहतक के उपायुक्त सचिन गुप्ता को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग में अतिरिक्त सचिव तथा एचएसएमआईटीसी का प्रबंध निदेशक लगाया गया है। वे रोहतक के उपायुक्त भी रहेंगे। कैथल की उपायुक्त अपराजिता को सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग का अतिरिक्त सचिव तथा निदेशक लगाया गया है। वे कैथल की उपायुक्त भी रहेंगी। नरहरि सिंह बांगड़ के नियुक्ति आदेश बाद में जारी किए जाएंगे। नागरिक उड्डयन सलाहकार तथा सचिव के कार्यभार से मुक्त होने के बाद वे अपनी ज्वाइनिंग रिपोर्ट मुख्य सचिव कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे।

लुवास के जतिन खुरमा को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बेस्ट पोस्टर अवॉर्ड

हिसार। लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के पैरावेटरनरी साइंसेज संस्थान में कार्यरत वेटरनरी सर्जन डॉ. जतिन खुरमा को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित ओपन, डिस्टेंस, डिजिटल एवं ब्लेंडेड लर्निंग में उभरते रुझानों एवं चुनौतियों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बेस्ट पोस्टर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मेलन दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग अंतर्गत डिस्टेंस एवं सतत शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें देश-विदेश से लगभग 250 शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं एवं शिक्षा विशेषज्ञों ने भाग लिया। डॉ. जतिन खुरमा को यह सम्मान उनके शोध पोस्टर 'वेटरनरी एजुकेशन में प्रैक्टिकल और थ्योरिटिकल लर्निंग पर स्मार्ट क्लासरूम इंटीग्रेशन का असर' के लिए प्रदान किया गया। यह शोध सम्मेलन के मुख्य थीम एरिया 'ब्लेंडेड लर्निंग मॉडल्सः बेस्ट प्रैक्टिसेज एंड केस स्टडीज' के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया था। इस अध्ययन में वेटरनरी शिक्षा में स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल बोर्ड एवं ब्लेंडेड लर्निंग अप्रोच की प्रभावी भूमिका को रेखांकित किया गया है।

एमडीयू में स्पेशल ओलंपिक्स भारत का ऐतिहासिक शुभारंभ, मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

● मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बोले- यह आयोजन खेल नहीं, मानव गरिमा और संकल्प का उत्सव

एजेंसी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के खेल परिसर में स्पेशल ओलंपिक्स भारत का भव्य शुभारंभ मंगलवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया। देश के 27 राज्यों से आए लगभग 500 दिव्यांग खिलाड़ियों की उपस्थिति में यह आयोजन सामाजिक समावेशन, आत्मसम्मान और सशक्तिकरण का मजबूत संदेश बनकर सामने आया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि ऐतिहासिक एमडीयू में स्पेशल ओलंपिक्स भारत का आयोजन होना पूरे प्रदेश और देश के लिए गौरव की बात है। यह

प्रतियोगिता केवल पदक जीतने का मंच नहीं, बल्कि मानव आत्मा की शक्ति, आत्मविश्वास और असीम संभावनाओं का उत्सव है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा किसी शारीरिक या बौद्धिक सीमा की मोहताज नहीं होती और स्पेशल ओलंपिक्स समाज को संवेदनशील व समावेशी बनाने का कार्य करता है। मुख्यमंत्री ने स्पेशल ओलंपिक्स भारत की अध्यक्ष डॉ. मल्लिका नड्डा के योगदान की सराहना करते हुए बताया कि हाल ही में इटली में आयोजित स्पेशल ओलंपिक्स में भारतीय खिलाड़ियों ने 33 पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने घोषणा की कि इस प्रतियोगिता के लिए मुख्यमंत्री की ओर से 31 लाख रुपये तथा खेल मंत्री की ओर से 21 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि बीते नौ वर्षों में हरियाणा सरकार ने खेलों के बुनियादी ढांचे व खिलाड़ियों के प्रोत्साहन पर 979 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। स्पेशल ओलंपिक्स भारत की अध्यक्ष डॉ. मल्लिका नड्डा ने कहा कि हरियाणा खिलाड़ियों और खेल संस्कृति की भूमि है। उन्होंने दिव्यांगजनों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त विशेष स्टेडियम की मांग रखी। एमडीयू के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने स्वागत भाषण में कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में खेलों को अभूतपूर्व प्रोत्साहन मिल रहा है। कार्यक्रम में अनेक जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद, खिलाड़ी, स्वयंसेवक व छात्र उपस्थित रहे।

हिसार के खेदड़ में लगेगी बिजली की नई यूनिट, कोल आबंटन की मिली मंजूरी : अनिल विज

एजेंसी

हिसार। राज्य के बिजली मंत्री अनिल विज ने कहा है कि हिसार जिले के खेदड़ में बिजली की नई यूनिट लगाई जाएगी। इसके लिए हमें कोल आबंटन की मंजूरी मिल चुकी है। इसके अलावा बरसात के समय जिन सब स्टेशनों में पानी भर जाता है, उनको उंचा उठाया जाएगा। अनिल विज शहर में वरिष्ठ होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. योगेश बिदानी के आवास पर बातचीत कररहे थे। वे यहां डॉ. योगेश बिदानी के पौत्र के जन्मदिन के अवसर पर उन्हें आशीर्वाद देने आए थे। बातचीत में मंत्री अनिल विज ने कहा कि खेदड़ में बिजली की नई यूनिट लगाई जाएगी, इसके लिए हमें कोल आबंटन की मंजूरी मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि कोई भी थर्मल लगाना है तो उसके लिए कोल की मंजूरी जरूरी होती है और यह हमें मिल चुकी है। ऐसे में अब ये प्रक्रिया आगे बढ़ पाएगी। उन्होंने कहा कि बरसात के दिनों में कई जगह ये सामने आया कि कई सब स्टेशनों में पानी भर गया और पूरे इलाके की बिजली काटनी पड़ी। यह तो ठीक नहीं है कि पूरे इलाके को अंधेरे में रहना पड़े। ऐसे में हमने निर्देश दिए हैं कि ऐसे सभी सब स्टेशनों को उंचा उठाया जाए ताकि भविष्य में उनमें पानी भरने व बिजली काटने की नौबत न आए। एक सवाल के जवाब में अनिल विज ने कहा कि अभी प्रदेश में बिजली के रेट बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि मंत्री अनिल विज यहां डॉ. योगेश बिदानी के पौत्र के जन्मदिन पर उसे आशीर्वाद देने पहुंचे थे। उन्होंने डॉ. योगेश बिदानी व उनके परिजनों से कुशलक्षेम पूछी और बातचीत भी की। इस अवसर जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़, मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा, पार्टी नेता रामचन्द्र गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी थे।

एक अप्रैल से शुरू होंगे नौवीं और 11वीं में दाखिले

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा स्कूल शिक्षा विभाग ने नौंवी और 11वीं कक्षा में दाखिलों के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन, भिवानी से संबद्ध सभी सरकारी व प्राइवेट स्कूलों में इसी हिसाब से दाखिला प्रक्रिया चलेगी। नौवीं कक्षा में सामान्य दाखिले पहली अप्रैल से शुरू होंगे और 30 अप्रैल तक एडमिशन हो सकेंगे। वहीं, पहली मई से 16 मई तक स्कूल मुखिया की परमिशन के बाद बिना लेट फीस के साथ दाखिल हो सकेंगे।इसके बाद भी अगर नौवीं कक्षा में दाखिल होते हैं तो इसके लिए स्कूल मुखिया को संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी से अनुमति लेनी होगी। खंड शिक्षा अधिकारी की परमिशन मिलने के बाद 17 से 31 मई तक भी बिना शुल्क नौंवीं कक्षा में दाखिले हो सकेंगे। 11वीं कक्षा में दाखिलों के लिए भी नये शैक्षणिक सत्र की शुरूआत पहली अप्रैल से होगी। ये प्रोविजनल एडमिशन होंगे। 10वीं के बोर्ड नतीजों की घोषणा के बाद पास होने वाले विद्यार्थियों को सामान्य दाखिले दिए जाएंगे। 11वीं कक्षा में संस्था के मुखिया की अनुमति से बिना विलंब शुल्क के अगले 10 विद्यालय दिवसों तक एडमिशन की अनुमति रहेगी। हालांकि इससे आगे भी और 10 दिन तक एडमिशन होंगे तो इसके लिए स्कूल मुखिया को संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी से अनुमति लेनी होगी। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा भिवानी बोर्ड के सचिव को लिखे पत्र में यह भी स्पष्ट कर दिया है कि इस अवधि के बाद भी अगर दाखिले होते हैं तो उसके लिए सेकेंडरी शिक्षा के महानिदेशक से अनुमति अनिवार्य होगी।

राष्ट्र के विकास का नया मार्ग प्रशस्त करेगा देश का आम बजट : डॉ. कमल गुप्ता

एजेंसी

हिसार। राज्य के पूर्व मंत्री एवं बजट टोली के प्रदेश संयोजक डॉ. कमल गुप्ता ने कहा है कि हाल ही में केन्द्र सरकार द्वारा पेश आम बजट केवल आर्थिक आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक मजबूत आधार प्रस्तुत करता है। विशेष रूप से हरियाणा के लिए यह बजट विकास का नया मार्ग प्रशस्त करेगा।

डॉ. कमल गुप्ता जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा के राखीगढ़ी को आइकॉनिक साइट का दर्जा देकर उसे पर्यटन हब के रूप में विकसित करना हमारी प्राचीन सभ्यता को आधुनिक प्रगति से जोड़ने का सराहनीय प्रयास है। यह कदम 'विकसित भारत 2047' के विजन

को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा। डॉ. गुप्ता ने कैंसर सहित 17 गंभीर बीमारियों की दवाओं को टैक्स मुक्त किए जाने को गरीब और मध्यम वर्ग के लिए बड़ी राहत बताया। इसके साथ ही 'विकसित भारत ग्राम योजना' के अंतर्गत 1.51 लाख करोड़ रुपये के प्रावधान को ग्रामीण विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत छोटे और मध्यम उद्योगों को सशक्त करने से देश की विदेशी निर्भरता कम होगी। किसानों की आय बढ़ाने, पशु चिकित्सा सेवाओं के विस्तार और हर जिलेमें गर्ल्स हॉस्टल की योजना से समाज के हर वर्ग को लाभ मिलेगा। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि इस अवसर पर विशेष रूप से जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड, जिला बजट संयोजक अशोक मित्तल, जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र सपड़ा, मीडिया प्रभारी सुरेश गोयल धूप वाला, विधानसभा संयोजक रामचंद्र गुप्ता, सोशल मीडिया संयोजक महेन्द्र सिंह पानू, कार्यालय सचिव सुरेन्द्र सैनी व पार्टी नेता धर्मवीर पानू सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

गुरुग्राम में साइबर पुलिस थाना समेत बनेंगे छह नए पुलिस थाने

एजेंसी

गुरुग्राम। बढ़ते अपराध व साइबर अपराध को देखते हुए अब जिला में पुलिस थानों की संख्या बढ़ाई जाएगी। यहां दो नए साइबर पुलिस थानों सहित कुल छह नए पुलिस थाने स्थापित होंगें। यहां पूर्व व पश्चिम जोन में एक-एक अतिरिक्त साइबर थाना बनेगा। इसके अलावा सेक्टर-93, सेक्टर-46, गवाल पहाड़ी और हेलीमंडी में नए थाने स्थापित करने के लिए पुलिस कमिश्नर की ओर से प्रस्ताव भेजे गए हैं।गुरुग्राम के पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने सोमवार देर शाम सी-लेवल कमेटी की बैठक में सुरक्षा ढांचे और पुलिस कल्याण के कार्यों पर चर्चा करते हुए यह जानकारी दी। बैठक में चर्चा की गई कि बढ़ते शहरीकरण के साथ यहां अपराध की प्रकृति भी बदली है। ऐसे में यहां पर पुलिस थानों में इजाफा होना चाहिए। इसलिए यहां दो नए साइबर थानों समेत कुछ छह थाने स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए

उच्च अधिकारियों और संबंधित विभागों के साथ पत्राचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि अतिशीघ्र इन थानों के लिए भूमि और अन्य संसाधन आवंटित कराए जा सकें। बैठक में सुरक्षा ढांचे और पुलिस कल्याण के कार्यों पर चर्चा करते हुए निर्णय लिया गया कि पुलिसकर्मियों को तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करने के लिए पुलिस लाइन में योगेश्वर वाटिका स्थापित की गई है। जिला की तीनों पुलिस लाइन (गुरुग्राम, मानेसर व भोंडसी में ये वाटिकाएं बुजुर्गों के समय यापन के लिए तैयार की गई हैं। विशेष स्थान शारीरिक प्रैक्टिस के लिए क्रिकेट नेट तथा बैडमिंटन के सिंथेटिक ग्राउंड भी बनाए गए हैं। बैठक में गुरुग्राम पुलिस के सभी पुलिस जोन के पुलिस उपायुक्त, डीसीपी सहित संबधिंत पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। बताया गया कि पुलिस लाइन गुरुग्राम में रहने वाले बुजुर्गों की सुविधा के लिए पुलिस लाइन में एक हवादार हॉल तैयार किया गया है। इसमें कोटा स्टोन का फर्श, टिन शेड और स्टोर रूम की सुविधा दी गई है। हॉल में पर्याप्त बिजली, पंखे, ट्यूबलाइट और सुरक्षा हेतु लोहे की जाली व पाइप लगाए गए हैं। सौंदर्यीकरण के लिए अशोक के पौधे भी लगाए गए हैं। इस विश्राम-गृह का कार्य अंतिम चरण में है। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने बैठक में मौजूद सभी पुलिस अधिकारियों को समय सीमा के भीतर कार्यों को पूरा करने और रिपोर्ट भेजने के कड़े निर्देश दिए।

डीसी से वार्ता के बाद वकीलों का धरना खत्म

एजेंसी

हांसी।। नारनौंद कोर्ट परिसर में टेंपरेरी शैड बनाने के मामले में एसडीएम और वकीलों का विवाद उपायुक्त राहुल नरवाल से बातचीत के बाद खत्म हो गया। वकीलों ने धरनास्थल पर पहुंचकर बातचीत कर सबकी सहमति के नारनौंद बार एसोसिएशन के प्रधान ज्ञान प्रकाश लोहान ने धरने को समाप्त करने की घोषणा की। इस अवसर पर हिसार बार एसोसिएशन से विकास पूनिया, हांसी बार एसोसिएशन के प्रधान पवन रापड़िया भी मौजूद थे। इससे पहले हिसार व हांसी जिले में वर्क सस्पेंड रहा। नारनौंद कोर्ट परिसर में बड़ी संख्या में वकीलों ने प्रशासन द्वारा बनाए गए शैड से खफा होकर दूसरी जगह पर बैठने के लिए टेंपरेरी शैड बना दिए थे। एसडीएम ने उनके शैडो के बाहर नोटिस चिपका दिए थे कि इनको यहां से हटाया जाए। इसी पर वकीलों में रोष पैदा हो गया और रविवार को धरना शुरू कर दिया था। भी हिसार ओर हांसी जिले में वकीलों का वर्क सस्पेंड रहा। नारनौंद बार एसोसिएशन सहित हांसी और हिसार बार एसोसिएशन के सदस्य हांसी में उपायुक्त राहुल नरवाल से बातचीत करने के लिए बुलाए गए। काफी देर तक बातचीत चली। वकीलों ने मांग रखी कि उनको बैठने के लिए टेंपरेरी सीट दी जाए, एसडीएम द्वारा सभी वकीलों को दिए हुए नोटिस वापिस लिए जाएं, जो शिकायत पुलिस में दी गई उसको भी वापस लिया जाए। इस दौरान सभी बातों पर सहमति बन गई और सभी वकील नारनौंद में धरनास्थल पर पहुंचकर वहां पर बैठे वकीलों को बैठक में हुए फैसलों के बारे में अवगत कराया। कुछ वकीलों ने एक दो बातों का विरोध दर्ज कराया लेकिन कुछ ही देर बाद बातचीत से सभी सर्वसम्मति से निर्णय लेकर घरना खत्म करने की घोषणा कर दी।

आपात स्थिति से निपटने को पुलिस ने की मॉक ड्रिल

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के पुलिस लाइन में पुलिस जवानों को आपातकालीन स्थिति एवं विषम परिस्थितियों से निपटने एवं जिला में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मॉक ड्रिल का अभ्यास करवाया गया। एसपी दीपक सहारण ने पुलिस जवानों को संबोधित करते हुए सिरसा जिला में कानून व्यवस्था बनाए रखने लिए निर्देश देते हुए कहा कि आमजन के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार कर उनका सहोयग लें अथवा कानून से खिलवाड़ करने वाले आपराधिक किस्म के लोगों से सख्ती से निपटा जाए।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सिरसा पुलिस हर प्रकार की विषम परिस्थितियों से निपटने के लिए पूर्ण रूप से सक्षम है। उन्होंने बताया कि आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए पुलिस जवानों को समय-समय पर इस प्रकार की ड्रिल करवाई जाती है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी समय-समय पर इस प्रकार के अभ्यास जारी रहेंगे। कानून व्यवस्था एवं शांतिपूर्ण माहौल को खराब करने वाले उपद्रवियों के खिलाफ तुरंत नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

ड्रिल अभ्यास के साथ-साथ जवानों को आपदा प्रबंधन के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। एसपी ने पुलिस जवानों को बताया कि यदि किसी भी प्रकार की विषम परिस्थिति उत्पन्न हो जाती है तो उससे निपटने के लिए पुलिस जवानों को क्या करना चाहिए तथा किस प्रकार से स्थिति पर नियंत्रण में करना चाहिए आदि के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए अभ्यास भी कराया। उन्होंने प्रशिक्षकों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी पुलिस जवानों को दंगा निरोधक उपकरण जैसे लाठी, डंडा, केन-शील्ड, आंसू गैस तथा वाटर कैनन आदि का बारीकी से अभ्यास करवाएं एवं दंगा निरोधक उपकरणों के रखरखाव के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दें। इस अवसर पर आधुनिक दंगा निरोधक उपकरणों एवं साजोसामान से सुसज्जित जवानों ने पुलिस लाइन में अभ्यास किया।

सांसदों,विधायकों के लंबित केसों पर हाईकोर्ट ने सेशन कोर्ट से मांगी रिपोर्ट

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व तथा मौजूदा सांसदों, विधायकों के विरूद्ध लंबित मामलों की सुनवाई में हो रही देरी पर हाईकोर्ट सख्त हो गया है। हाईकोर्ट ने स्वतःसंज्ञान की सुनवाई के दौरान करनाल और नूंह (मेवात) के जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को 15 दिन के भीतर सभी लंबित मामलों की विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश जारी किए हैं। मुख्य न्यायाधीश शील नागू की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने रजिस्ट्रार जनरल को आदेश दिया कि वह तत्काल दोनों न्यायाधीशों से रिपोर्ट तलब करें और तय समय सीमा में उसे रिकार्ड पर लाएं। अदालत ने स्पष्ट किया कि इससे पहले भी 10 नवंबर 2025 और फिर 16 दिसंबर 2025 को ऐसे ही निर्देश जारी किए जा चुके हैं, लेकिन लगभग दो महीने बीत जाने के बावजूद संबंधित जिलों से कोई रिपोर्ट दाखिल नहीं हुई, जिसे कोर्ट ने न्यायिक आदेशों की गंभीर अवहेलना की श्रेणी में माना। सुनवाई के दौरान पीठ को बताया गया कि आदेशों के बाद भी कोई ठोस प्रगति सामने नहीं आई, जिससे उच्च न्यायालय की निगरानी प्रक्रिया बाधित हो रही है।हाईकोर्ट के रिकॉर्ड और वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार इस समय पूर्व और वर्तमान सांसदों एवं विधायकों से जुड़े कम से कम 183 आपराधिक मामले हाईकोर्ट में लंबित हैं, जबकि 159 दीवानी मामले भी ऐसे ही नेताओं से संबंधित हैं, जिनका निस्तारण वर्षों से अधर में लटका हुआ है। अदालत ने दो टूक कहा कि जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों को फास्ट ट्रैक पर लाना न्यायिक प्राथमिकता है, क्योंकि इनका सीधा संबंध सार्वजनिक जीवन की शुचिता और कानून के राज से जुड़ा है।

हर जिले में महिला हॉस्टल, शी-मार्ट से सशक्तिकरण को बढ़ावाः डा. अर्चना गुप्ता

एजेंसी

सोनीपत। केंद्र सरकार के नवीन बजट में महिलाओं के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को विशेष प्राथमिकता दी गई है। इसी कड़ी में गोहाना क्षेत्र में आयोजित महिला सम्मेलन में भाजपा प्रदेश महामंत्री डा अर्चना गुप्ता ने बजट की प्रमुख विशेषताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। भाजपा प्रदेश महामंत्री डा अर्चना गुप्ता ने गोहाना के बड़ोता गांव में आयोजित महिला सम्मेलन में कहा कि केंद्र सरकार ने बजट के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से मजबूत किया है। केंद्रीय बजट में प्रत्येक जिले में महिला हॉस्टल खोलने की घोषणा की गई है, जिससे कामकाजी, छात्र और जरूरतमंद महिलाओं को सुरक्षितआवास की सुविधा मिलेगी।डा अर्चना गुप्ता ने कहा कि बजट में शी-मार्ट की घोषणा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शी-मार्ट का संचालन पूरी तरह महिलाओं के हाथ में होगा, जहांमहिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों को सीधे बाजार मिलेगा। इससे ग्रामीण

और शहरी महिलाओं को अपने उत्पाद बेचने का सशक्त मंच प्राप्त होगा और वे उद्यमिता की ओर अग्रसर होंगी। यह बजट 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में मजबूत आधारतैयार करता है। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि रक्षा बजट में बढ़ोतरी से सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ होगी और शिक्षा क्षेत्र में रोजगार से जुड़ी व्यवस्थाएं लागू होंगी, जिससे कुशल युवा तैयार होंगे।उन्होंने कहा कि गरीब, किसान और मजदूरों के हित में वीबी-जीरामजी योजना के तहत अब 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी जाएगी।

NAME CHANGE

I hitherto known as NIKESH RANJAN S/o SUDHIR SINGH, R/o Siddharthpuri Colony, Road No.-1, Near Sudha Takij, Gaya, Buniyad Ganj, Bihar-823003, have changed my name and shall hereafter be known as AMAN RAJ, for all future purposes.

स्कूल बस व कार की भिड़ंत में दो युवकों की मौत, कई बच्चे चोटिल

एजेंसी

रेवाड़ी। जिले के गांव मोहनपुर के पास दोपहर बाद एक प्राइवेट स्कूल बस व कार की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बस में सवार कुछ स्कूली बच्चों को भी हल्की चोटें आई हैं। मृतकों की पहचान जैतड़ावास निवासी जितेंद्र और सचिन के रूप में हुई है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर बावल के अस्पताल में रखवा दिया है। जानकारी के अनुसार गांव मोहनपुर के ज्ञानदीप स्कूल की बस छुट्टी होने के बाद बच्चों को घर छोड़ने जा रही थी। बस में करीब

30 बच्चे सवार थे। सांजरपुर गांव से टांकड़ी की ओर जाते समय सामने से आ रही एक कार के साथ स्कूल बस से जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार दोनों युवाओं की मौके पर ही मौत हो गई। कार से टकराने के बाद बस पेड़ से टकरा गई जिससे बस चालक भी घायल हो गया। हादसे के बाद बच्चों में चीख पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने किसी तरह बच्चों को बाहर निकाला और घायलों को रेवाड़ी के मात्रिका अस्पताल में भर्ती कराया। बस में सवार बच्चों को मामूली चोटें आई हैं, हालांकि सभी को सुरक्षित बताया जा रहा है। सूचना के बाद पुलिस व बच्चों के स्वजन भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बावल के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के शवगृह में रखवा दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का कारण माना जा रहा है। पुलिस दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर हादसे के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

ट्रेड डील से टेक्सटाइल शेयरों में बंपर तेजी कई स्टॉक्स में लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक्सटाइल कंपनियों के शेयर मंगलवार को बाजार खुलते ही रॉकेट बन गए हैं। भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील होने से गारमेंट एंड अपैरल कंपनियों के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। अमेरिका ने भारत से होने वाले एक्सपोर्ट पर टैरिफ को घटाकर 18 पर्सेंट कर दिया है। टैरिफ घटने के बाद गोकलदास एक्सपोर्ट्स, किटेक्स गारमेंट्स, वेलस्पन लिविंग, इंडो काउंट इंडस्ट्रीज, पर्ल ग्लोबल इंडस्ट्रीज, अरविंद लिमिटेड और केपीआर मिल के शेयरों में 20 पर्सेंट तक की तेजी देखने को मिली है।

20 प्रतिशत के अपर सर्किट पर इन कंपनियों के शेयर- गोकलदास एक्सपोर्ट्स लिमिटेड, किटेक्स गारमेंट्स और इंडो काउंट इंडस्ट्रीज के शेयर मंगलवार को 20 पर्सेंट के अपर सर्किट पर पहुंच गए हैं। गोकलदास एक्सपोर्ट्स के शेयर 20 पर्सेंट की तेजी के साथ 696.10 रुपये पर जा पहुंचे हैं। वहीं, किटेक्स गारमेंट्स के शेयरों में भी 20 पर्सेंट का अपर सर्किट लगा है और कंपनी के शेयर 196.30 रुपये पर पहुंच गए हैं। इंडो काउंट इंडस्ट्रीज के शेयर 20 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 286.90 रुपये पर पहुंच गए हैं।

इन कंपनियों के शेयरों में भी अच्छी तेजी- वेलस्पन लिविंग, पर्ल ग्लोबल इंडस्ट्रीज, अरविंद लिमिटेड और केपीआर मिल के शेयरों में भी तूफानी तेजी देखने को मिली है। भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील होने के बाद मंगलवार को वेलस्पन लिविंग के शेयर 18 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 144.80 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। केपीआर मिल लिमिटेड के शेयर भी 15 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 989.50 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं।

अब वियतनाम और बांग्लादेश से भी कम टैरिफ

भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील होने के बाद इंडियन एक्सपोर्ट पर 18 पर्सेंट का टैरिफ लगेगा, जो कि वियतनाम और बांग्लादेश जैसे दूसरे बड़े गारमेंट एक्सपोर्ट हब से कम होगा। वियतनाम और बांग्लादेश से होने वाले एक्सपोर्ट पर 20 पर्सेंट का टैरिफ लग रहा है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यूएस रेडीमेड गारमेंट इंपोर्ट्स में बांग्लादेश की बाजार हिस्सेदारी 9 पर्सेंट थी, जबकि वियतनाम का मार्केट शेयर 19 पर्सेंट है। भारत की बाजार हिस्सेदारी 6 पर्सेंट है। टैरिफ घटने के बाद भारत की बाजार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। यह बात सीएनबीसी-टीवी 18 की एक रिपोर्ट में कही गई है।

ट्रंप के टैरिफ कटौती का असर, एक्सपर्ट बोले 25500 के पार जाएगा निफ्टी 50

आखिरकार लम्बे इंतजार के बाद भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील हो गई है। सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसका ऐलान किया है। ट्रंप ने कहा कि भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत का रेसिप्रोकल टैरिफ हटा लिया गया है। वहीं, टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है। बता दें, मौजूदा समय में अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। यानी अमेरिका ने भारत पर 32 प्रतिशत टैरिफ घटाया है। ट्रंप प्रशासन ने रूस से तेल खरीदने की वजह से भारत पर अधिक टैरिफ लगा दिया था।शेयर बाजार के लिए बजट 2026 के बाद एक और बड़ी खबर है। इस पॉजिटिव असर मार्केट पर आज साफ देखने को मिल सकता है। स्टॉक मार्केट से जुड़े एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी खबर है। उनका कहना है कि मार्केट नेशनल इकनॉमी को ही दर्शाता है। ऐसे में निफ्टी की गैप-अप ओपनिंग हो सकती है। लेकिन जल्द ही यह 25500 को क्रॉस कर सकता है। एक्सपर्ट्स फार्मा, आईटी, ऑटो, टेक्सटाइल, गेम्स और ज्वेलरी आदि कंपनियों के शेयरों में हलचल देखने को मिल सकती है। स्ब्ष्ट ग्लोबल सिक्योरिटीज की सीनियर रिसर्च एक्सपर्ट सीमा श्रीवास्तव कहती हैं, एक बार दोनों सरकारों की तरफ से पूरी जानकारी सामने आ जाए।

तेल की कीमतों में 5 प्रतिशत की गिरावट

क्या अमेरिका और ईरान के बीच बन गई बात? भारत पर क्या असर

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतें 5 फीसदी गिर गई हैं। इसकी मुख्य वजह अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने के संकेत हैं। बाजारों में यह प्रतिक्रिया तब आई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान वाशिंगटन के साथ बातचीत कर रहा है। इन बयानों से एक ओपीइसी सदस्य से जुड़े संघर्ष

की चिंताएं कम हो गईं। यह गिरावट ऐसे समय में आई जब कमोडिटी बाजारों में भी नरमी देखी गई। ब्रेंट क्रूड और यूएस क्रूड दोनों ही भू-राजनीतिक चिंताओं के कारण कई महीनों की ऊंचाई से नीचे आ गए।

पिछले कुछ दिनों में अमेरिकी डॉलर भी मजबूत हुआ है। मजबूत डॉलर ने अमेरिका के बाहर के खरीदारों के लिए डॉलर-मूल्य वाले तेल को महंगा बना दिया। ओपीइसी ने भी उत्पादन अपरिवर्तित रखने का फैसला किया, जिससे तेल बाजार में पर्याप्त आपूर्ति की चिंताएं बढ़ गईं। तेल की कीमत में 5 फीसदी की गिरावट के बाद ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 0528 एमटी पर 65.94 डॉलर प्रति बैरल पर था। वहीं यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 61.88 डॉलर प्रति बैरल पर था।

2025 को समाप्त अवधि के दौरान दर्ज किया 31,326 करोड़ का नया बिज़नेस प्रीमियम

मुंबई, एजेंसी। देश की प्रमुख जीवन बीमा कंपनियों में से एक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त अवधि के दौरान 31,326 करोड़ का नया बिज़नेस प्रीमियम दर्ज किया, जो 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त इसी अवधि में 26,256 करोड़ था। नियमित प्रीमियम में 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त अवधि की तुलना में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। गौरतलब है कि एसबीआई लाइफ का सुरक्षा संबंधी नया बिज़नेस प्रीमियम 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त अवधि के दौरान 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 3,411 करोड़ रहा। सुरक्षा संबंधी व्यक्तिगत नया बिज़नेस प्रीमियम 31 दिसंबर 2025 को समाप्त अवधि के दौरान 651 करोड़ रहा। व्यक्तिगत नया बिज़नेस प्रीमियम 22,545 करोड़ रहा, जिसमें 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त इसी अवधि के मुकाबले 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। एसबीआई लाइफ का कर पश्चात मुनाफा, 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त अवधि के दौरान 1,666 करोड़ रहा, जिसमें 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त अवधि के मुकाबले 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। कंपनी का सॉल्वेंसी अनुपात 31 दिसंबर, 2025 तक 1.91 पर मज़बूत बना हुआ है, जबकि नियामकीय अनिवार्यता 1.50 है। एसबीआई लाइफ का एयूएम भी 16 प्रतिशत बढ़कर 31 दिसंबर, 2025 को 5,11,708 करोड़ हो गया, जो 31 दिसंबर, 2024 को 4,41,678 करोड़ था, जिसमें डेट-इक्विटी मिश्रण 59 :41 है। डेट इन्वेस्टमेंट (ऋण निवेश) का 94.97 प्रतिशत एएए और सॉवरेन इंस्ट्रूमेंट में है। कंपनी के पास 3,53,506 प्रशिक्षित बीमा पेशेवरों का विविधीकृत नेटवर्क है और देश भर में 1,176 कार्यालयों के साथ इसकी व्यापक उपस्थिति है। इसमें मज़बूत बैंकएश्योरेंस चैनल, एजेंसी चैनल और अन्य शामिल हैं, जिनमें कॉर्पोरेट एजेंट, ब्रोकर, पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) व्यक्ति, बीमा विपणन फर्म, वेब एग्रीगेटर और डायरेक्ट बिज़नेस शामिल हैं।

सुर्खियों में आई ह्यूंडई और आईसीसी की साझेदारी

गुरुग्राम, एजेंसी। आईसीसीमेन्स टी20 वर्ल्ड 2026 के लिए उत्साह लगातार बढ़ रहा है। इसी क्रम में ह्यूंडई मोटर कंपनी की आईसीसी के साथ मल्टी-ईयर प्रीमियर पार्टनरशिप के तहत ह्यूंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एच एम आई एल) ने दीवाने इंडिया का दीवाना हमसफर ब्रांड कैंपेन लॉन्च किया है। यह एक व्यापक, हाई-इम्पैक्ट राष्ट्रव्यापी ब्रांड कैंपेन है। भारत में क्रिकेट के प्रति गहरे जुनून का जश्न मनाने और साथ ही फैंस एवं ग्राहकों के साथ ह्यूंडई के भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करने के लिए डिजाइन किया गया यह इंटीग्रेटेड कैंपेन ऑन-ग्राउंड अनुभवों, यादगार पलों, डीलरशिप एक्टिवेशन और मास-मीडिया आउटरीच तक फैला है। इसमें खेल, मोबिलिटी और फैनडम को अभूतपूर्व तरीके से साथ लाया गया है। एच एम आई एलके ब्रांड एंबेसडर शाहरुख खान के नेतृत्व में यह कैंपेनआईसीसी के साथ ह्यूंडई के जुड़ाव को और मजबूत करता है, साथ ही क्रिकेट के लिए भारत के कभी न खत्म होने वाले प्यार और जुनून के साथ ब्रांड के गहरे कनेक्शन को भी दिखाता है। कैंपेन के बारे में बात करते हुए और आईसीसीमेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया को सफलता की शुभकामनाएं देते हुएह्यूंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसश्री तरुण गर्ग ने कहा, भारत में क्रिकेट निरंतरता, विश्वास और आकांक्षा का प्रतिनिधित्व करता है। ये ऐसे मूल्य हैं जो ह्यूंडई में हमारे साथ गहराई से जुड़े हैं। आईसीसीके प्रीमियर पार्टनर के तौर पर एच एम आई एल को टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले 'दीवाने इंडिया का दीवाना हमसफर' ब्रांड कैंपेन लॉन्च करते हुए गर्व हो रहा है। यह कैंपेन एक ऐसी सच्चाई से प्रेरित है जिसे नकारा नहीं जा सकता।

ब्रांडमैन रिटेल लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

कुल इश्यू आकार - 10 अंकित मूल्य के अधिकतम 48,91,200 इक्विटी शेयर

मुंबई, एजेंसी। ब्रांडमैन रिटेल लिमिटेड, भारत में प्रीमियम अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के लिए एक तेज़ी से उभरता रिटेल एवं डिस्ट्रीब्यूशन प्लेटफॉर्म, बुधवार, 4 फ़रवरी, 2026 को अपना इनिशिअल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) खोलने जा रहा है। कंपनी का लक्ष्य ऊपरी प्राइस बैंड पर 86.09 करोड़ जुटाने का है। इसके शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे।

इस इश्यू का आकार 10 अंकित मूल्य वाले 48,91,200 इक्विटी शेयरों का है, जिनका प्राइस बैंड 167 से 176 प्रति शेयर निर्धारित किया गया है।

आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग 15 एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट्स और मल्टी-ब्रांड आउटलेट्स शुरू कर नए रिटेल नेटवर्क के विस्तार हेतु पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण, नए ईबीओएस और एमबीएस की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं, मौजूदा ईबीओएस और एमबीएस की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं तथा सामान्य कॉर्पोरेट खर्चों के लिए किया जाएगा। एंकर बिडिंग मंगलवार, 03 फ़रवरी, 2026 को होगी। इश्यू बुधवार, 04 फ़रवरी, 2026 को खुलेगा और शुक्रवार, 06 फ़रवरी, 2026 को बंद होगा। इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर ग्रीटेक्स कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड हैं तथा रजिस्ट्रार टू द इश्यू बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड हैं। ब्रांडमैन रिटेल लिमिटेड के प्रमोटर, प्रबंध निदेशक एवं चेयरमैन श्री अरुण मल्होत्रा ने कहा, हमारे इनिशिअल पब्लिक ऑफरिंग का शुभारंभ ब्रांडमैन रिटेल लिमिटेड की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वर्षों के दौरान कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय फुटवियर और परिधान ब्रांड्स के विविध पोर्टफोलियो तथा मल्टी-चैनल ऑपरेटिंग मॉडल के माध्यम से संगठित रिटेल क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति स्थापित की है। फ्रेश इश्यू से प्राप्त धनराशि का उपयोग रिटेल नेटवर्क के विस्तार, मौजूदा आउटलेट्स के नवीनीकरण तथा कार्यशील पूंजी को सुदृढ़ करने में किया जाएगा, जिससे परिचालन दक्षता बढ़े और सभी चैनलों में बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। ग्रीटेक्स कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड होल टाइम डायरेक्टर श्री सुमीत हरलालका ने कहा, मजबूत बुनियादी आधार, विविध बिक्री चैनल मिश्रण और संगठित फुटवियर एवं परिधान क्षेत्र में स्थापित उपस्थिति के साथ यह एक रिटेल-केंद्रित कंपनी है। अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के साथ मजबूत संबंधों और प्रमुख बाजारों में बढ़ते रिटेल नेटवर्क के बल पर कंपनी ने परिचालन में निरंतर वृद्धि प्रदर्शित की है।

एशियन पेंट्स व्हेयर द हार्ट इज़' कर रहा है वापसी सीज़न 9 में पांच ख़ास सेलिब्रिटी होम टूर के साथ

साथ ही, 'एशियन पेंट्स व्हेयर द हार्ट इज़ लुकबुक' भी जारी की है, जो कस्टमर्स को अपने घरों के लिए कलर और डेकॉर आइडिया समझाने में मदद करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अग्रणी पेंट और डेकॉर कंपनी एशियन पेंट्स अपने लोकप्रिय होम डेकॉर और स्टोरीटेलिंग सीरीज़, एशियन पेंट्स व्हेयर द हार्ट इज़ के 9वें सीज़न के साथ वापसी कर रही है। इस सीज़न में भारत की मशहूर हस्तियों के पांच घरों को दिखाया जाएगा, जिसमें सोनाक्षी सिन्हा-ज़हीर इकबाल, गौतम गंभीर, कीर्ति सुरेश-एंटनी थट्टिल, अर्चना पूरन सिंह-परमीत सेठी, और अमन व प्रिया गुप्ता शामिल हैं। हालांकि हर घर स्टाइल, बनावट और पर्सनैलिटी में अलग होता है, लेकिन हर घर में प्यार, सच्चाई और भावनात्मक लगाव ज़रूर देखने को मिलता है। दर्शक ऐसी जगहों में प्रवेश करते हैं जो ऊर्जा और अपनेपन से भरपूर है, जहां उनमें रहने वाले लोगों के जीवन की झलक मिलती है। अर्चना और परमीत दर्शकों को मढ़ में स्थित अपने एंग्लो-स्पेनिश स्टाइल से इंस्पायर्ड घर में आमंत्रित करते हैं। यह घर समय के साथ-साथ परिवार के अपनेपन, भावनाओं और यादों के साथ धीरे-धीरे विकसित हुआ है। कीर्ति और एंटनी का ऊर्जा से भरपूर कोच्चि अपार्टमेंट रंगों और भावनाओं के साथ उनके नैचुरल लगाव को दर्शाता है। सोनाक्षी और ज़हीर अपने पेंटहाउस सादा के दरवाज़े जब खोलते हैं, तो एक ऐसा घर सामने होता है, जो कई तरह के भावों को समेटे हुए है। यहां जोशभरी बातें भी

होती हैं और शांत, यादों से भरे कोने भी हैं। एशियन पेंट्स के एमडी और सीईओ अमित सिंगल ने कहा, एशियन पेंट्स व्हेयर द हार्ट इज के नौवें सीज़न के साथ, हमें उस यात्रा को जारी रखने पर गर्व है जिसके लिए एशियन पेंट्स दशकों से प्रतिबद्ध है। इससे लोगों को अलग नज़रिए से देखने में मदद मिलेगी। लोग समझ पाएंगे कि हम भारतीयों को अपने घरों को सिर्फ़ रहने की एक जगह के रूप में नहीं, बल्कि हमारे व्यक्तित्व की छवि के रूप में देखना चाहिए। 1 बिलियन से अधिक व्यूज़, जो लगातार बढ़ रहे हैं, के साथ एशियन पेंट्स व्हेयर द हार्ट इज भारत का सबसे पसंदीदा और देखा जाने वाला होम डेकोर शो बना हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में, यह सीरीज़ एक ऐसा मंच बन चुकी है, जो कस्टमर्स को रंग, डेकॉर और डिज़ाइन के बारे में गाइड करती है। इससे कस्टमर्स को न सिर्फ़ आसान चॉइस और ट्रेंड्स की जानकारी मिलेगी, बल्कि यह भी समझ आएगा कि सोच-समझकर लिए गए डिज़ाइन डिसीज़न कैसे रोज़मर्रा की ज़िंदगी को बेहतर बना सकते हैं। एक ऐसे ब्रांड के रूप में जो लंबे समय से रंग और डिज़ाइन के क्षेत्र में अग्रणी रहा है, हम हर काम पूरी ज़िम्मेदारी से करते हैं। गौतम का शांत, रोशनी से भरपूर घर उनकी सार्वजनिक पर्सनैलिटी से बिल्कुल अलग है। ऐसा लगता है मानो उनका घर शांति और सुकून भरे पलों के लिए बनाया गया है।

सोना-चांदी की लगी है सेल...

नई दिल्ली, एजेंसी। सोना और चांदी में पिछले तीन दिनों में भारी गिरावट आई है। सोना जहां प्रति 10 ग्राम डेढ़ लाख रुपये से नीचे आ गया है तो वहीं चांदी भी ढाई लाख रुपये से नीचे आ गई। इसी बीच रिच डैड पुअर डैड किताब के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने सोमवार को सोने और चांदी की कीमत में गिरावट को लेकर एक पोस्ट की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के जरिए उन्होंने अमीर और गरीब के बीच में अंतर समझाया है। कियोसाकी की यह पोस्ट सोना और चांदी में आई गिरावट में खरीदारी को लेकर है। उन्होंने लिखा है, अमीर और गरीब लोगों में फर्क देखिए। जब

वॉलमार्ट में सेल लगती है, तो गरीब लोग दौड़कर सब कुछ खरीद लेते हैं। लेकिन जब शेयर बाजार या किसी भी वित्तीय बाजार में गिरावट आती है, जिसे क्रैश कहते हैं, तो गरीब लोग घबराकर बेच देते हैं। वहीं अमीर लोग इसी मौके का फायदा उठाते हैं और खूब खरीदते हैं।

कियोसाकी ने अपनी पोस्ट में बताया है कि सोना, चांदी और बिटकॉइन में गिरावट किसी सेल से कम नहीं है। उन्होंने लोगों से कहा है कि ऐसे में इन चीजों को खरीदारी करनी चाहिए। पोस्ट में उन्होंने लिखा है, अभी सोना, चांदी और बिटकॉइन के बाजार में गिरावट आई है, यानी एक तरह की सेल लगी है। मैं भी पैसे लेकर तैयार हूं, ताकि जब ये चीजें सेल पर हों, तो और खरीद सकूं। आप क्या करेंगे?

पटेल रिटेल लिमिटेड का क्यू3 एफवाय26 राजस्व 36 प्रतिशत बढ़ा, मुनाफ़ा 96 प्रतिशत उछला

मुंबई, एजेंसी। पटेल रिटेल लिमिटेड एक विविधीकृत रिटेल एवं फूड प्रोसेसिंग कंपनी, ने क्यू3 एवं 9एम एफवाय26 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय रिपोर्ट्स की घोषणा की।

पटेल रिटेल लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्री धनजी पटेल ने कहा, क्यू3 एफवाय26 और नौ माह की अवधि के दौरान मिले मज़बूत और निरंतर प्रदर्शन से हम उत्साहित हैं, जो हमारी परिचालन रणनीति की प्रभावशीलता और निष्पादन पर हमारे फोकस को दर्शाता है। बेहतर लाभप्रदता, मार्जिन में विस्तार और स्थिर नकदी सृजन हमारे एकीकृत रिटेल एवं फूड प्रोसेसिंग मॉडल की मजबूती को रेखांकित करते हैं। घरेलू रिटेल और निर्यात-दोनों ही सेगमेंट्स में मांग की गति स्वस्थ बनी रही, जिसे कुशल सोर्सिंग, सुव्यवस्थित संचालन और अनुशासित लागत प्रबंधन का समर्थन मिला।

तिमाही के दौरान, हमने कई भौगोलिक क्षेत्रों में नए निर्यात अनुबंधों के ज़रिए अपनी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति को और मज़बूत किया, जिससे हमारे उत्पादों की गुणवत्ता और डिलीवरी क्षमताओं पर वैश्विक भरोसा और सुदृढ़ हुआ। इसके साथ ही, हमने टिटवाला में एक नया स्टोर जोड़कर अपने भौतिक रिटेल नेटवर्क का विस्तार किया, जिससे तेज़ी से बढ़ते उपनगरीय बाज़ार में ग्राहकों तक हमारी पहुँच बढ़ी।

भारतीय स्टेट बैंक उभरते क्षेत्रों को ज़िम्मेदार और विस्तारयोग्य वित्तपोषण प्रदान करने के लिए है प्रतिबद्ध

मुंबई, एजेंसी। देश में सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने 'चक्र' उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सलेंस ड्ड सीओई) लॉन्च करने की घोषणा की, जो भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण उभरते क्षेत्रों को वित्तपोषण प्रदान करेगा। यह केंद्र बैंक की विकसित भारत 2047 के प्रति रणनीतिक प्रतिबद्धता को दृढ़ता प्रदान करते हुए, नए दौर के प्रौद्योगिकी आधारित और वहनीयता केंद्रित उभरते क्षेत्रों के लिए वित्तपोषण सक्षम बनाने के लिहाज़ से ज्ञान-आधारित मंच के रूप में काम करेगा।

एसबीआई ज़िम्मेदारी से पूंजी प्रवाह प्रदान कर, जोखिम मूल्यांकन क्षमताओं को मज़बूत कर और नए दौर के व्यावसायिक मॉडल तथा नीतिगत प्राथमिकताओं के अनुरूप नवोन्मेषी वित्तपोषण ढांचे विकसित कर इन विशाल पूंजी-आधारित क्षेत्रों को सक्षम बनाना चाहता है।

इस केंद्र का उद्घाटन वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू ने एसबीआई के अध्यक्ष, चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी की उपस्थिति में किया। इस लॉन्च कार्यक्रम में

एसबीआई के प्रबंध निदेशक के साथ-साथ अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों तथा वैश्विक बैंकों, प्रमुख समूहों, वित्तीय संस्थानों, उद्योग निकायों के प्रतिनिधि और इस परितंत्र से जुड़े अन्य प्रमुख प्रतिभागी भी मौजूद रहे।

केंद्रीय वित्तीय सेवा विभाग के सचिव, श्री एम. नागराजू ने कहा, चक्र उत्कृष्टता केंद्र, भारतीय स्टेट बैंक की बेहद सराहनीय पहल है। ज्ञान-साझाकरण, परियोजना मूल्यांकन, क्षमता निर्माण और साक्ष्य-आधारित नीतिगत जुड़ाव के उद्देश्य से एक समन्वित केंद्र बनाने का दृष्टिकोण विकसित भारत 2047 की दिशा में भारत की प्रगति को सार्थक गति प्रदान करेगा।

यह केंद्र आठ उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जैसे नवीकरणीय ऊर्जा, उन्नत सेल केमिस्ट्री एवं बैटरी भंडारण, इलेक्ट्रिक वाहन, ग्रीन हाइड्रोजन, सेमीकंडक्टर, डीकार्बनाइज़ेशन, स्मार्ट बुनियादी ढांचा और डेटा सेंटर बुनियादी ढांचा, जो भारत के आर्थिक भविष्य के प्रमुख तत्व के रूप में उभर रहे हैं। उम्मीद है कि 2030 तक, इन आठ उभरे क्षेत्रों में 100 लाख करोड़ रुपये से अधिक का पूंजी निवेश होगा। यह केंद्र इस विशाल निवेश को सक्षम बनाने में मदद करेगा।

इन्विक्टा डायग्नोस्टिक का दादर सेंटर शुरू

मुंबई, एजेंसी। इनविक्टा डायग्नोस्टिक लिमिटेड जो महाराष्ट्र के हेल्थकेयर सेवा क्षेत्र में अग्रणी डायग्नोस्टिक सेवा प्रदाताओं में से एक है, ने घोषणा की है कि उसके दादर केंद्र में 30 जनवरी, 2026 से वाणिज्यिक परिचालन प्रारंभ हो गया है। यह केंद्र कंपनी की डायग्नोस्टिक सेवा क्षमताओं के विस्तार और महाराष्ट्र में अपनी उपस्थिति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस केंद्र पर पीईटी-सीटी स्कैन, सीटी स्कैन, सोनोग्राफी , पैथोलॉजी और एक्स-रे सहित उन्नत एवं नियमित जांच सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

दादर केंद्र, टाटा मेमोरियल अस्पताल के निकट, लगभग 500 मीटर की दूरी पर स्थित है, जिससे यह उच्च मांग वाले ऑन्कोलॉजी डायग्नोस्टिक्स क्षेत्र में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित है। इस निकटता के कारण उन मरीजों को तेज़ी से सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी, जिन्हें बड़े तृतीयक देखभाल संस्थानों में पीईटी-सीटी जांच के लिए कई दिनों तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है।

इस परियोजना की कुल लागत लगभग 550 लाख है, जिसमें उपकरणों की लागत, स्थापना एवं अन्य संबंधित खर्च शामिल हैं। दादर केंद्र में सेवाओं की शुरुआत से मरीजों को समय पर डायग्नोस्टिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, चिकित्सकों को तेज़ रिपोर्टिंग में सहायता मिलेगी, और उच्च आवश्यकता वाले हेल्थकेयर क्लस्टर्स में क्षमता निर्माण की कंपनी की रणनीति को और मजबूती मिलेगी।इनविक्टा डायग्नोस्टिक लिमिटेड के चेयरमैन एवं नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री संकेत विनोद जैन ने कहा,दादर केंद्र में वाणिज्यिक परिचालन की शुरुआत हमारी उस रणनीति के अनुरूप है, जिसके तहत हम प्रमुख शहरी हेल्थकेयर बाज़ारों में डायग्नोस्टिक क्षमता का विस्तार और उन्नत इमेजिंग सुविधाओं को जोड़ रहे हैं। यह केंद्र पीईटी-सीटी और सीटी जैसी उन्नत सेवाओं के साथ-साथ नियमित डायग्नोस्टिक सेवाओं को भी मज़बूत करता है और गुणवत्तापूर्ण डायग्नोस्टिक सेवाओं तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने पर हमारे फोकस को समर्थन देता है।

दादर केंद्र का स्थान हमें बड़ी संख्या में डायग्नोस्टिक मांग, विशेष रूप से समय-संवेदनशील इमेजिंग आवश्यकताओं, को पूरा करने में सक्षम बनाता है। हमें उम्मीद है कि यह केंद्र निरंतर उपयोग, परिचालन दक्षता और चिकित्सकों एवं मरीजों के साथ गहरे जुड़ाव को बढ़ावा देगा, क्योंकि हम महाराष्ट्र में अपनी उपस्थिति को लगातार मजबूत कर रहे हैं।

भारत वसुधैव कुटुम्बकम के भाव के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न कर रहा है

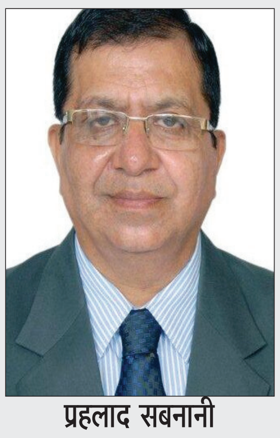

प्रहलाद सबनानी

उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है। यह केवल एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं बल्कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों एवं भारत के बीच साझा समृद्धि का एक ब्लूप्रिंट है।

दिनांक 27 जनवरी 2026 को यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ भारत ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है। अब, इस समझौते की शर्तों को इन देशों की संसद द्वारा पारित किया जाएगा, इसके बाद यह मुक्त व्यापार समझौता यूरोपीय यूनियन एवं भारत के बीच होने वाले विदेशी व्यापार पर लागू हो जाएगा। इस मुक्त व्यापार समझौते को 'मदर आफ ऑल डील्स' कहा जा रहा है। क्योंकि, यह मुक्त व्यापार समझौता विश्व के 28 देशों के उस भूभाग पर लागू होने जा रहा है, जहां विश्व की 30 प्रतिशत आबादी निवास करती है। पृथ्वी के इस भूभाग पर 200 करोड़ से अधिक नागरिकों का निवास है। इन 28 देशों की संयुक्त रूप से विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी (संयुक्त रूप से) अर्थव्यवस्था (यूरोपीय यूनियन - 22 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) एवं चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (भारत - 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) के बीच यह मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न होने जा रहा है। वैश्विक स्तर पर होने वाले विदेशी व्यापार में इन समस्त देशों की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत है। पूरी दुनिया में 33 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार होता है, इसमें से 11 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार उक्त 28 देशों द्वारा किया जाता है।

उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है। यह केवल एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं बल्कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों एवं भारत के बीच साझा समृद्धि का एक ब्लूप्रिंट है। इस समझौते में पूरी दुनिया की आर्थिक दशा एवं दिशा बदलने की क्षमता है। उक्त व्यापार समझौता को सम्पन्न करने के प्रयास पिछले 18 वर्षों से हो रहे थे। परंतु, कुछ विपरीत परिस्थितियों के चलते इस समझौते को सम्पन्न होने में इतना लम्बा समय लग गया है, अतः यह अब भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 देशों के बीच एक नए युग की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात वर्ष 2032 तक यूरोपीयन यूनियन के सदस्य देशों एवं भारत के बीच विदेशी व्यापार के दुगना होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसके पूर्व भारत एवं यूनाइटेड किंगडम के बीच भी मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न किया जा चुका है। अब कनाडा के प्रधानमंत्री भी संभवतः मार्च माह में भारत के दौरे पर आने वाले है और भारत एवं कनाडा के बीच भी कुछ क्षेत्रों में व्यापार समझौता सम्पन्न होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अमेरिका मुक्त व्यापार समझौतों को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, जबकि भारत मानवतावादी दृष्टिकोण को अपनाते हुए विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है ताकि भारत एवं अन्य समस्त देशों में निवासरत नागरिकों को इन समझौतों से लाभ मिले। यह भारतीय संस्कृति के वसुधैव कुटुम्बकम के भाव को दशार्ता है। भारत की इस नीति के चलते ही विश्व के कई देश अब भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते शीघ्र ही सम्पन्न करना चाह रहे हैं। वैश्विक स्तर पर हाल ही के समय में आर्थिक क्षेत्र में भारी उथल पुथल दिखाई दे रही है। भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते से इस उथल पुथल में कुछ सुधार आता हुआ दिखाई देगा।

भारत में कृषि एवं डेयरी क्षेत्र अतिसंवेदनशील है। क्योंकि, भारत की कुल आबादी का लगभग 60 प्रतिशत भाग आज भी ग्रामीण इलाकों में उक्त क्षेत्रों पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर है। अतः उक्त दोनों क्षेत्रों को मुक्त व्यापार समझौते से बाहर रखा गया है। हां, भारत के समुद्री उत्पाद उद्योग, वस्त्र एवं परिधान उद्योग, जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग, चमड़ा उद्योग, खिलौना उद्योग जो श्रम आधारित उद्योग हैं, को उक्त मुक्त व्यापार समझौते से अधिकतम लाभ होगा क्योंकि यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों द्वारा भारत से उक्त उत्पादों के आयात पर आयात ड्यूटी को शून्य किया जा रहा है। वर्तमान में भारत से समुद्रीय उत्पादों के निर्यात पर 26 प्रतिशत का आयात कर लगाया जाता है, जिसे मुक्त व्यापार समझौता के लागू होने के पश्चात शून्य कर दिया जाएगा। इसी प्रकार, वस्त्र एवं परिधान के आयात पर वर्तमान में लागू 12 प्रतिशत के आयात कर को शून्य किया जा रहा है, खिलौना पर लागू 4.7 प्रतिशत के आयात कर को शून्य, जेम्स एवं ज्वेलरी के आयात पर 4 प्रतिशत से शून्य, केमिकल उत्पादों के आयात पर 12.8 प्रतिशत से शून्य, चमड़ा से निर्मित उत्पादों के आयात पर 17 प्रतिशत से शून्य, फर्नीचर उत्पादों के आयात पर 10.7 प्रतिशत से शून्य आयत कर किया जा रहा है।

यूरोपीय यूनियन के 27 देश, जो विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं, में जन्म दर पिछले कई वर्षों से लगातार गिर रही है एवं कुछ देशों में तो यह शून्य के स्तर पर पहुंच गई है जिससे इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले नागरिकों का इन देशों में नितांत अभाव दिखाई देता है। अतः इन देशों में श्रमबल की भारी कमी है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात भारतीय नागरिकों को यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों में तकनीकी क्षेत्र, चिकित्सा क्षेत्र, निर्माण क्षेत्र, सेवा क्षेत्र, आदि में रोजगार के भारी मात्रा में अवसर प्राप्त होंगे। इन समस्त देशों द्वारा भारतीय नागरिकों को वीजा प्रदान करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। युनाईटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रान्स आदि जैसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं जैसे देशों में भारतीय इंजिनीयरों एवं डाक्टरों की भारी मांग है। उक्त देशों द्वारा भारतीयों के परिवार के सदस्यों को रोजगार प्रदान करने के अवसर भी प्रदान करने सम्बंधी प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। भारतीय विद्यार्थियों द्वारा यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों के विश्वविद्यालयों में अपनी शिक्षा समाप्त करने के उपरांत 9 माह से 12 माह तक का समय रोजगार तलाशने के लिए प्रदान किया जाएगा। इस समयावधि तक भारतीय युवाओं को इन देशों में प्रवास की अनुमति प्रदान की जाएगी। भारतीय कारीगरों के लिए अब वैश्विक बाजार खुल रहा है। साथ ही, भारत अब विनिर्माण इकाईयों का वैश्विक केंद्र बन सकता है। क्योंकि, यूरोपीयन यूनियन के समस्त देश विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं एवं वे अपनी सम्पत्ति/पूंजी का निवेश भारत में विनिर्माण इकाईयों में कर सकते हैं एवं कुछ लाभप्रद क्षेत्रों में वे अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना भी कर सकते हैं। अधिक उत्पादन इकाईयों की स्थापना से भारत में रोजगार के अधिक अवसर भी निर्मित होंगे। इससे भारत में बेरोजगारी की समस्या का हल भी निकलता हुआ दिखाई दे रहा है।

भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को इस दृष्टि के साथ सम्पन्न किया जा रहा है ताकि इससे भारत के किसान, मजदूर, कारीगर, पेशेवर नागरिकों एवं सूक्ष्म, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को विशेष लाभ हो। यूरोपीयन यूनियन के समस्त 27 देशों में वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र का आकार 26,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है, इससे भारत से वस्त्र एवं परिधान का निर्यात वर्तमान में 64,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसी प्रकार, चमड़ा उत्पादों का बाजार 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है एवं जेम्स एवं ज्वेलरी का बाजार 7,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। 27 देशों में इस विशाल क्षेत्र में भारतीय वस्त्र एवं परिधान उद्योग एवं अन्य उत्पादों को प्रवेश मिलने से भारत में श्रम आधारित कई सूक्ष्म, छोटी एवं मध्यम इकाईयों को लाभ होने जा रहा है। लगभग इसी प्रकार का लाभ अन्य क्षेत्रों यथा, समुद्री उत्पाद, चमड़ा उत्पाद, खिलोना उत्पाद, जेम्स एवं ज्वेलरी उत्पाद, केमिकल उत्पाद, फर्नीचर उत्पाद आदि, में कार्यरत इकाईयों की भी होने जा रहा है। इन क्षेत्रों में कार्यरत विनिर्माण इकाईयों के व्यापार में वृद्धि का आश्य सीधे सीधे अधिक श्रमबल की आवश्यकता होना भी है, जिसकी पूर्ति आज विश्व में केवल भारत ही कर सकता है।

रक्षा के क्षेत्र में भारत बहुत तेज गति से विकास कर रहा है। इस क्षेत्र में भारत का अंतिम लक्ष्य आत्मनिर्भरता हासिल करने का है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन द्वारा यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों को सुरक्षा के सम्बंध में अमेरिका पर निर्भर नहीं रहते हुए अपने पैरों पर खड़े होने की सलाह दी है। अतः यूरोपीय देश अपने सुरक्षा बजट में अत्यधिक वृद्धि करने का विचार कर रहे हैं। भारत के लिए ऐसे समय पर उक्त मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जाना एक सुनहरे अवसर के रूप में सामने आया है। इससे सुरक्षा के क्षेत्र में उत्पादन कर रही भारतीय कम्पनियों को यूरोपीय यूनियन का अति विशाल बाजार मिलने जा रहा है। इसी के साथ ही यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों से सुरक्षा के क्षेत्र में उच्च तकनीकी का हस्तांतरण भारतीय कम्पनियों को सम्भव हो सकेगा। कुल मिलाकर यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों के साथ सम्पन्न किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौते से भारत के लिए अतिलाभप्रद स्थिति बनने जा रही है।

संपादकीय

संसद में अनछपी किताब

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होनी थी। परंपरा रही है कि राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में सरकार की जिन नीतियों, कार्यक्रमों और प्राथमिकताओं का उल्लेख किया है, सांसद उन पर चर्चा करते हैं। आलोचना भी करते हैं। विपक्ष का एजेंडा कुछ अलग भी हो सकता है। याद करें, जब केंद्र में कांग्रेस की पीवी नरसिम्हा राव सरकार थी और अटल बिहारी वाजपेयी नेता प्रतिपक्ष थे। तब अटल जी ने राष्ट्रपति अभिभाषण के संदर्भ में ही, बहस के दौरान, चीन का मुद्दा आक्रामक अंदाज में उठाया था और सरकार की भत्र्सना तक की थी। जब प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस और यूपीए सरकार थी, तब लालकृष्ण आडवाणी नेता प्रतिपक्ष थे। उन्होंने भी चीन के साथ सीमा-विवाद, सुरक्षा-विवाद और सैन्य तनावों का जिक्र करते हुए मनमोहन सरकार की तीखी आलोचना की थी। भारत-चीन संबंधों, टकरावों और विवादों पर संसद में बोलना 'वर्जित' नहीं है। यह सांसदों की संवैधानिक आजादी है कि वे कौनसा मुद्दा उठाते हैं। हालांकि संसद के दोनों सदन-लोकसभा और राज्यसभा-निश्चित नियमों में बंधे हैं। लोकसभा के नियम 349 (1) के तहत सांसद किसी भी किताब, पत्रिका, अखबार को उद्धृत नहीं कर सकते, जब तक वे उद्धरणों को सत्यापित नहीं करते। नियम 353 के तहत, यदि सांसद को इसी आधार पर अपनी बात कहनी है, तो वह स्पीकर और संबद्ध मंत्री को पहले नोटिस देगा। स्पीकर ओम बिरला ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के उद्धरणों के संदर्भ में इन नियमों का बार-बार हवाला दिया।

स्पीकर ने नियमानुसार अपनी व्यवस्था भी दे दी, लेकिन नेता प्रतिपक्ष जिद पर अड़े रहे। सवाल करते रहे कि आखिर सरकार डरी हुई क्यों है? सरकार उनके वक्तव्य से असहज क्यों है? दरअसल नेता प्रतिपक्ष पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे द्वारा लिखित, लेकिन अभी तक अप्रकाशित किताब के कुछ अंश संसद में पढकर प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह को बेनकाब करना चाहते थे। राहुल गांधी जो वाक्य बोल पाए, उनमें डोकलाम टकराव का जिक्र सुनाई दिया, जबकि चीनी सेना के साथ तनाव, टकराव और युद्ध जैसे हालात पूर्वी लद्दाख में पैदा हुए थे। जून, 2020 को जो 'गलवान संघर्ष' हुआ और हमारे 20 जांबाज सैनिक 'शहीद' हुए, वह भी लद्दाख में हुआ था। जनरल नरवणे तब सेना प्रमुख थे और वह अप्रैल, 2022 तक इस पद पर रहे। गौरतलब है कि जनरल नरवणे की कथित आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' अभी तक प्रकाशित नहीं हुई है, लेकिन उसका हार्डकवर अप्रैल, 2024 से ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स पर उपलब्ध है। किताब के प्रकाशन की अनुमति देना सरकार का विशेषाधिकार है, क्योंकि पूर्व सेना प्रमुख की किताब राष्ट्रीय सुरक्षा और हमारी युद्ध रणनीति से भी जुड़ी है। हमारा दुश्मन देश उन जानकारियों का नाजायज फायदा उठा सकता है। लिहाजा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की संसद में आपत्ति और हस्तक्षेप तार्किक था। उन्होंने स्पीकर से आग्रह किया कि नेता प्रतिपक्ष को इस विषय पर न बोलने दिया जाए, क्योंकि वह देश को गुमराह कर रहे हैं। राहुल गांधी के हाथ में दिल्ली प्रेस की पत्रिका 'कारवां' की फोटोप्रति थी, जिसमें कुछ अंश छपे हैं। इससे पहले करीब दो साल पहले कुछ अंश 'द प्रिंट' पत्रिका में छप चुके हैं।

समाचार एजेंसी 'पीटीआई' ने कुछ अंश दिसंबर, 2023 में प्रकाशित किए थे। जाहिर है कि जनरल नरवणे की किताब के कई अंश तो सार्वजनिक हो चुके हैं। सदन में रक्षा मंत्री, गृहमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री की जबरदस्त आपत्तियां इसलिए थीं, ताकि राहुल गांधी के जरिए कुछ विवादास्पद जानकारियां लोकसभा के रिकॉर्ड में दर्ज न हो सकें और इस तरह विकृत इतिहास न बन सके। दरअसल चीन का मुद्दा जनरल नरवणे के खुलासों तक ही सीमित नहीं है। मौजूदा संदर्भ ने सेना के पूर्व जनरलों और कर्नल सरीखे विशेषज्ञों के विरोधाभास भी बेपर्दा कर दिए। कुछ पूर्व जनरल उन भारत-चीन समझौतों पर ही सवाल उठा रहे हैं, जो 1993, 1997, 2005 से लेकर 2013 तक किए गए थे। गलवान इसीलिए संभव हो सका, क्योंकि हमारे सैनिक हथियार नहीं उठा सकते थे, गोली नहीं चला सकते थे, क्योंकि दोनों देशों के बीच समझौते हुए थे। संसद की कार्यवाही सोमवार को भी नहीं हो सकी, अब भी हंगामा जारी रहेगा, क्योंकि चीन का मुद्दा बेहद संवेदनशील है।

ज्ञान, स्क्रीन और संवेदना का संकट

डॉ. सत्यवान सौरभ

'ज्ञान बढ़ा पर भाव क्या, अब भी मन लाचार'– यह पंक्ति केवल एक दोहा नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी के मनुष्य की सामूहिक आत्मस्वीकृति है। हमने जितना ज्ञान अर्जित किया है, उतना शायद मानव इतिहास के किसी भी कालखंड में नहीं किया गया। सूचनाएँ उँगलियों पर नाच रही हैं, दुनिया एक छोटे से स्क्रीन में सिमट आई है और विज्ञान ने जीवन को सुविधाओं की पराकाष्ठा तक पहुँचा दिया है। इसके बावजूद–या शायद इसी कारण–मनुष्य भीतर से पहले से अधिक असहाय, असंतुलित और बेचैन दिखाई देता है। आज का संकट ज्ञान के अभाव का नहीं, बल्कि विवेक, संवेदना और ठहराव के लुप्त होने का संकट है। स्क्रीन की चकाचौंध ने केवल हमारी आँखों को नहीं, हमारी चेतना को भी प्रभावित किया है। मोबाइल, लैपटॉप और डिजिटल माध्यमों ने सूचना को लोकतांत्रिक तो बनाया, पर सोच को गहराई नहीं दी। हम पहले से कहीं अधिक पढ़ते हैं, पर पहले से कहीं कम समझते हैं। हम देखते बहुत हैं, पर महसूस कम करते हैं। हर पल अपडेट रहना आज सचेत होने की पहचान बन गया है, लेकिन इसी निरंतर अपडेट ने मनुष्य को भीतर से थका और खाली कर दिया है। सोशल मीडिया पर विचार नहीं, प्रतिक्रियाएँ जन्म लेती हैं। वहाँ ठहराव नहीं, केवल तात्कालिक उत्तेजना है। सच और झूठ, गंभीरता और सतहीपन, संवेदना और सनसनी–सब एक ही मंच पर समान महत्व के साथ परोसे जा रहे हैं। ऐसे वातावरण में सत?विचार, जो समय, मौन और आत्मसंवाद से उपजते हैं, धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रहे हैं।

आज का मनुष्य ऐसे समय में जी रहा है जहाँ संवाद लगातार हो रहा है, पर संवादहीनता भी उतनी ही गहरी है। मोबाइल के कक्ष में आवाजें चिल्ला रही हैं–कॉल, मैसेज, वीडियो, मीटिंग्स, रील्स–हर ओर शोर है। लेकिन इसी शोर के बीच मनुष्य अपने ही भीतर की आवाज सुनने की क्षमता खो बैठा है। बाहर की बातचीत बढ़ी है, भीतर का संवाद घटा है। जब भीतर की खामोशी को सुना नहीं जाता, तो वह धीरे-धीरे कुंठा, आक्रोश और असंतुलन में बदल जाती है। आज रिश्तों में बढ़ता तनाव, समाज में बढ़ती असहिष्णुता, ऑनलाइन अपमान और वास्तविक जीवन में बढ़ती असंवेदनशीलता–ये सब उसी अनसुनी खामोशी के लक्षण हैं।

हम बोलना जानते हैं, पर सुनना भूल चुके हैं। न दूसरों की पीड़ा सुन पाते हैं, न अपने मन की बेचैनी को समझ पाते हैं। संवाद की यह विफलता केवल व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक भी है। जब समाज सुनना छोड़ देता है, तो असहमति शत्रुता में बदल जाती है और विचार विमर्श के स्थान पर टकराव जन्म लेता है।

विज्ञान ने निस्संदेह मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएँ दी हैं। रोगों पर नियंत्रण, संचार की गति, यात्रा की सरलता और उत्पादन की क्षमता–इन सब क्षेत्रों में विज्ञान ने क्रांति की है। लेकिन इसी विज्ञान से यह अपेक्षा भी जुड़ी थी कि वह मनुष्य को अधिक संतुलित, अधिक संवेदनशील और अधिक जिम्मेदार बनाएगा। दुर्भाग्यवश, ऐसा नहीं हुआ। विज्ञान ने हमें शक्ति दी, पर संयम नहीं सिखाया। गति दी, पर विराम नहीं। साधन दिए, पर मयार्दा नहीं।

आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि हम क्या कर सकते हैं, बल्कि यह है कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। तकनीक हमें आगे बढ़ने के असंख्य रास्ते दिखाती है, पर यह नहीं बताती कि कब रुकना है। यह निर्णय विवेक करता है, और विवेक का विकास मशीनों से नहीं, मानवीय मूल्यों से होता है।

हमने ज्ञान को केवल संग्रहण तक सीमित कर दिया है। डिग्रियाँ बढ़ीं, पर दृष्टि संकुचित होती गई। विशेषज्ञता बढ़ी, पर समग्र समझ घटती चली गई। आज का शिक्षित व्यक्ति भीड़ में शामिल होने में तेज है, पर अकेले खड़े होकर सच बोलने में हिचकता है। यह शिक्षा का नहीं, सूचना के बोझ का परिणाम है। ज्ञान जब संवेदना से कट जाता है, तो वह अहंकार बन जाता है। तकनीक जब विवेक से कट जाती है, तो वह नियंत्रण के बजाय वर्चस्व का साधन बन जाती है।

इस स्थिति का समाधान तकनीक को नकारने में नहीं, बल्कि उसे मानवीय मूल्यों के अधीन रखने में है। स्क्रीन से भागना संभव नहीं, पर उसके सामने नतमस्तक होना भी अनिवार्य नहीं। हमें फिर से मौन का महत्व समझना होगा। हमें संवाद को केवल बोलने की प्रक्रिया नहीं, सुनने की कला बनाना होगा। ज्ञान को आत्मचिंतन से जोड़ना होगा और विज्ञान को नैतिकता के साथ संतुलित करना होगा।

परिवार, शिक्षा और समाज–तीनों स्तरों पर यह पुनर्संरचना आवश्यक है। बच्चों को केवल स्मार्ट नहीं, संवेदनशील बनाना होगा। शिक्षा को केवल प्रतिस्पर्धा का मैदान नहीं, बल्कि मानवीय विकास का माध्यम बनाना होगा। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि गति के साथ ठहराव भी उतना ही आवश्यक है।

आज आवश्यकता किसी नए आविष्कार की नहीं, बल्कि पुरानी मानवीय समझ की पुनर्स्थापना की है। तकनीक हमारे जीवन का साधन बने, लक्ष्य नहीं। संवाद शोर नहीं, सेतु बने। और ज्ञान केवल बढ़े नहीं, मनुष्य को बेहतर बनाए। यदि हम यह संतुलन नहीं बना पाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ शायद अत्यंत उन्नत होंगी–पर भीतर से और भी अधिक लाचार।

राष्ट्रीय सुरक्षा और राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता

ललित गर्ग

नीति-निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय-तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया। परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप बन गया।

यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है। किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय-तीनों लोकतांत्रिक मयार्दाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतूका राजनीतिक तर्क है; परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो।

संसद के भीतर अप्रकाशित ह्यसंस्मरणह्ण के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धृत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मयार्दा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है।

राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी। गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं? राहुल गांधी का आरोप कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया, बेबुनिया एवं भ्रमित करने वाला आरोप है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं। वे मोदी सरकार को कमजोर दिखाने के लिए यह भी कहते रहे हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। वे यहां तक कह चुके हैं कि चीनी सेना ने भारतीय सैनिकों की पिटाई की थी। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट की फटकार भी सुननी पड़ी थी। इसके बाद भी वे यह समझने के लिए तैयार नहीं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सतही आरोपों के आधार पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। जबकि सच्चाई यह है और सब जानते हैं कि गलवन में चीनी सेना को करारा जवाब मिला था और इसी कारण वह वार्ता की मेज पर आया और लद्दाख में कई इलाकों में यथास्थिति कायम हो पाई। कांग्रेस की भूमिका पर भी गंभीर आत्ममंथन आवश्यक है। एक समय देश को नेतृत्व देने वाली पार्टी आज बार-बार ऐसे प्रसंगों में उलझती दिखती है, जहां बयानबाजी मुद्दों पर भारी पड़ जाती है। राहुल गांधी एक प्रभावशाली वक्ता हैं, जनभावनाओं को छूने की क्षमता रखते हैं और युवाओं में संवाद स्थापित कर सकते हैं। किंतु यही कारण है कि उनसे अधिक जिम्मेदारी की अपेक्षा भी की जाती है। बार-बार ऐसे मुद्दे उठाना जिन्हें सत्ता पक्ष राष्ट्रीय एकता के लिए घातक बताता हो, कांग्रेस की छवि को गैर-जिम्मेदार विपक्ष के रूप में मजबूत करता है। यह धारणा चाहे पूरी तरह सही न हो, लेकिन राजनीति में धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है जितना तथ्य। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो परिपक्व लोकतंत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहस के लिए अलग-अलग संसदीय समितियां, बंद सत्र और संस्थागत प्रक्रियाएं होती हैं। सार्वजनिक मंचों पर बयान देते समय नेता प्रायः संकेतों और नीतिगत प्रश्नों तक सीमित रहते हैं, विस्तृत सैन्य विवरणों से परहेज करते हैं। भारत में भी ऐसी परंपरा विकसित होनी चाहिए, जहां विपक्ष सरकार से जवाबदेही मांगे, परंतु सेना और सुरक्षा संस्थानों की साख को राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा न बनाया जाए। यही संतुलन लोकतंत्र को मजबूत करता है। लेकिन राहुल गांधी पूर्व में भी सैन्य बयानों से न केवल सुरक्षा के लिये खतरा बनते रहे हैं बल्कि हमारे जवानों के मनोबल को भी आहत करते रहे हैं। यह भी सच है कि सरकार को पारदर्शिता से घबराना नहीं चाहिए। यदि विपक्ष किसी पुस्तक, रिपोर्ट या बयान का हवाला देता है, तो उसका संस्थागत और तथ्यपरक उत्तर दिया जाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

दुबई की एमिरेट्स एयरलाइन ने इजराइल के लिए फ्लाइट शुरू करने से इनकार किया, 2 साल पहले उड़ाने रोकी थी

दुबई, एजेंसी। दुबई की प्रमुख एयरलाइन एमिरेट्स ने सोमवार को उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि वह इजराइल के लिए उड़ानें फिर से शुरू करने की तैयारी कर रही है। एयरलाइन ने साफ किया कि फिलहाल इजराइल के लिए उड़ानें निलंबित हैं और इन्हें बहाल करने की कोई ठोस योजना नहीं है। यह बयान ब्लूमबर्ग की उस रिपोर्ट के बाद आया, जिसमें दावा किया गया था कि दुबई की यह फ्लैगशिप एयरलाइन आने वाले महीनों में इजराइल के लिए उड़ानें दोबारा शुरू करने पर काम कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया था कि अगर क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ता है, तो इस योजना में देरी हो सकती है या इसे टाल भी दिया जा सकता है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि इजराइल ने संयुक्त अरब अमीरात को भरोसा दिलाया है कि इजराइल के बेन गुरियन एयरपोर्ट पर एमिरेट्स के लैंडिंग और टेक-ऑफ स्लॉट सुरक्षित रखे गए हैं। हालांकि, एमिरेट्स ने इस दावे को भी स्वीकार नहीं किया। यह रिपोर्ट इजराइल की परिवहन मंत्री मिरी रेगेव के दुबई दौरे के बाद सामने आई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, एमिरेट्स अधिकारियों ने 2026 की पहली तिमाही में यूएई और इजराइल के बीच उड़ानें बहाल करने की इच्छा जताई थी। हालांकि, एमिरेट्स ने दोहराया कि फिलहाल ऐसा कोई फैसला नहीं लिया गया है। एयरलाइन ने यह भी बताया कि दुबई और इजराइल के बीच यात्रा करने वाले यात्री उसकी कोडशेयर पार्टनर फ्लाई दुबई के जरिए सफर कर सकते हैं, जो इजराइल के लिए सीधी उड़ानें जारी रखे हुए है। दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन मानी जाने वाली एमिरेट्स ने अक्टूबर 2023 में मिडिल ईस्ट में संघर्षों के चलते इजराइल के लिए सभी उड़ानें रोक दी थीं।

आईपीओ से पहले एलन मस्क का मास्टर स्ट्रोक, स्पेसएक्स और एक्स एआई का किया विलय

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क ने टेक्नोलॉजी और अंतरिक्ष की दुनिया में एलन मस्क ने बड़ा दांव खेला है। मस्क ने अपनी स्पेस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी कंपनियों को एक साथ जोड़ने का फैसला किया है। उनकी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने सोमवार को घोषणा की कि उसने एक्स एआई कंपनी को खरीद लिया है। स्पेस एक्स ने इस बात पर भी जोर दिया कि यह कदम मस्क की तकनीकी ताकत को और मजबूत करने के लिए उठाया गया है। इस विलय के साथ अब इस नए बड़े कंपनी में अब कई चीजें एक साथ काम करेंगी। जैसे कि मक्स का उनका एआई चैटबॉट ग्रोक, उपग्रह संचार कंपनी स्टारलिंक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स। मस्क ने बार-बार कहा है कि उनका सपना है कि भविष्य में डेटा सेंटर यानी बड़े कंप्यूटर और सर्वर, अंतरिक्ष में चल सकें। बता दें कि टेक की दुनिया में मस्क के इस मास्टर स्टॉक से तकनीक तेजी से विकसित होगी और दुनिया भर में इंटरनेट और एआई की पहुंच आसान होगी। कुल मिलाकर विशेष बात यह है कि यह कदम मस्क की बड़ी योजना के हिस्से के रूप में लिया गया है, जिसमें वह इस नई सुपर टेक कंपनी को साल के अंत तक शेयर मार्केट में लाने का सोच रहे हैं। यानी, कंपनी का आईपीओ किया जाएगा, जिससे आम लोग भी इसमें निवेश कर सकेंगे। संक्षेप में कहा जाए तो, एलन मस्क एक ऐसी कंपनी बना रहे हैं जो अंतरिक्ष, एआई और इंटरनेट के क्षेत्र में उनकी पूरी ताकत को जोड़ देगी।

क्यूबा ने कहा- अमेरिका के साथ बातचीत के लिए तैयार

हवाना, एजेंसी। क्यूबा के एक वरिष्ठ नेता ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनकी सरकार की अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं हो रही है, लेकिन अगर कुछ शर्तें पूरी होती हैं तो वे इसके लिए तैयार हैं। यह बयान ऐसे समय आया है, जब दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। क्यूबा के उप विदेश मंत्री कार्लोस फर्नांडीज डी कोसियो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस धमकी के बाद यह बात कही है, जिसमें ट्रंप ने क्यूबा को तेल देने वाले देश पर टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। उन्होंने कहा, 'हम बातचीत के लिए तैयार हैं। अगर हम बातचीत कर सकते हैं, तो शायद इससे बातचीत की शुरुआत हो सकती है।' कोसियो ने कहा कि क्यूबा अमेरिका के साथ इस मकसद से कि हमारे दोनों देशों के बीच मतभेदों के बावजूद हम एक सम्मानजनक, गंभीर सह-अस्तित्व बनाए रख सकें, अनौपचारिक बातचीत के लिए तैयार है।' लेकिन कोसियो ने इस बात पर ज़ोर दिया कि क्यूबा के लिए कुछ चीजें बातचीत से बाहर हैं, जिसमें देश का संविधान, अर्थव्यवस्था और सरकार की प्रणाली शामिल है, जो समाजवादी है। क्यूबा एक गंभीर आर्थिक संकट, लगातार बिजली कटौती, वेनेजुएला से तेल शिपमेंट में रुकावट और अमेरिकी प्रतिबंधों से जूझ रहा है, जिसके बारे में क्यूबा के अधिकारियों का कहना है कि मार्च 2024 और फरवरी 2025 के बीच देश को 7.5 अरब अमेरिकी डॉलर से ज़्यादा का नुकसान हुआ है।

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव कम करने के लिए जल्द बैठक होगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए शुक्रवार को तुर्किये में महत्वपूर्ण बैठक होने की उम्मीद है। कई क्षेत्रीय अधिकारियों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूत स्टीव विटकॉफ, उनके दामाद और सलाहकार जेरेड कुशनेर और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची इस बैठक में शामिल होंगे। साथ ही तुर्किये, कतर और मिस्र के वरिष्ठ अधिकारियों के भी मौजूद रहने की संभावना है। कुछ सूत्रों के मुताबिक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान और पाकिस्तान जैसे अन्य देशों के प्रतिनिधि भी इसमें भाग ले सकते हैं। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका और ईरान के बीच संबंध बहुत खराब हो चुके हैं। ट्रम्प ने हाल ही में ईरान पर हमले की धमकी दी थी। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी जहाजों का एक बड़ा बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा है और अगर समझौता नहीं हुआ तो बुरे हालात हो सकते हैं। पिछले महीने ईरान में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए, जिसमें हजारों लोगों की मौत हुई थी। ट्रम्प ने तब भी हस्तक्षेप की धमकी दी थी। वे ईरान में शासन परिवर्तन की बात भी कर चुके हैं। ईरान के नेता धमकियों के बीच बातचीत से इनकार कर रहे थे, लेकिन अब वे बात करने के लिए तैयार

ट्रम्प ने अंजाम भुगतने की धमकी दी थी

दिख रहे हैं। ईरानी अधिकारी कह रहे हैं कि उनका परमाणु कार्यक्रम सिर्फ ऊर्जा के लिए है, हथियारों के लिए नहीं। वे अमेरिका की ओर से दिए गए प्रस्ताव पर विचार करने को तैयार हैं।

ईरान से चल रही बात : इस सबके बीच अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में अपने शक्तिशाली युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और कई मिसाइल नष्ट करने वाले जहाज तैनात कर दिए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कोई समझौता हो जाएगा, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि अगर बात नहीं बनी तो नतीजे बहुत बुरे हो सकते हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने फिलहाल ईरान में सत्ता बदलने की किसी भी योजना से इनकार किया है।

यूरोपीय संघ की ईरान पर कार्रवाई : इस बीच, यूरोपीय संघ (ईयू) ने ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी समूह घोषित कर दिया है। इसके विरोध में ईरान ने तेहरान में मौजूद यूरोपीय संघ के सभी राजदूतों को तलब किया। ईरानी विदेश मंत्रालय के बगाई ने पत्रकारों को बताया कि राजदूतों को रविवार से बुलाया जाना शुरू हो गया था और सोमवार तक यह जारी रहा। बगाई ने कहा, 'हमें लगता है कि आने वाले दिनों में जवाबी कार्रवाई के बारे में फैसला लिया जाएगा।' सोमवार को ब्रिटेन ने भी कार्रवाई करते हुए ईरान के गृह मंत्री और नौ अन्य अधिकारियों पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं।

रिवोल्यूशनरी गार्ड पर जनवरी के प्रदर्शनों को बेरहमी से कुचलने का आरोप है। मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, इन प्रदर्शनों में 6,848 से ज्यादा लोग मारे गए, जबकि ईरान सरकार ने 21 जनवरी तक यह संख्या 3,117 बताई है। हाल ही में ईरान के एक सरकारी टीवी शो में इन मौतों का मजाक उड़ाने पर चैनल प्रमुख, साथ ही कार्यक्रम के निर्माताओं और होस्ट के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

ईरान ने शुरू किया सैन्य अभ्यास : तनाव के बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में सैन्य अभ्यास भी शुरू कर दिया है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के तेल व्यापार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अमेरिका ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है कि वह व्यापारिक जहाजों या अमेरिकी युद्धपोतों के काम में बाधा न डाले। सैटेलाइट तस्वीरों में इस इलाके में ईरानी नौसेना की हलचल साफ देखी गई है।

सिंधु जल संधि पर भारत की कार्रवाई से PAK परेशान; गिड़गिड़ाते हुए शहबाज बोले- आजीविका के लिए खतरा

इस्लामाबाद, एजेंसी। सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को निलंबित करने के भारत के फैसले से पाकिस्तान की तिलमिलाहट खत्म नहीं हो रही है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के निर्णय पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जल सुरक्षा जिम्मेदार और कानूनी सीमा पार सहयोग पर निर्भर करती है।

आतंकवादी हमले के बाद भारत ने उठाया था सख्त कदम : पिछले साल 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ था। इसके एक दिन बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए थे। उनमें एक कदम 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित करना भी शामिल था। इस संधि को विश्व बैंक की मध्यस्थता में बनाया गया था। यह संधि 1960 से भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के पानी के वितरण और उपयोग को नियंत्रित करती है।

शहबाज शरीफ ने क्या कहा : विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर शहबाज शरीफ ने कहा, हमारे क्षेत्र में जल सुरक्षा जिम्मेदार और कानूनी सीमा पार सहयोग पर निर्भर करती है। पाकिस्तान 1960 की सिंधु जल संधि को प्रभावित करने

वाले भारत के एकतरफा कदमों को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा, संधि के तहत के तहत आंकड़ों को साझा करने और अन्य व्यवस्थाओं को रोकने से भरोसे और भविष्य की योजना पर असर पड़ता है, जबकि जलवायु संकट के समय अधिक सहयोग की जरूरत होती है।

लाखों लोगों की आजीविका को होगा खतरा: शहबाज शरीफ : शहबाज ने कहा, जल का कभी दबाव या युद्ध के हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। पानी के प्रवाह में बाधा आने से लाखों लोगों के जीवन, आजीविका और और खाद्य व्यवस्था के लिए खतरा हो सकता है, क्योंकि पाकिस्तान की आबादी सिंधु बेसिन पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि आर्द्रभूमि (वेटलैंड्स) किफायती जलवायु समाधान हैं। ये बाढ़ को अच्छी तरह से रोकते हैं, कार्बन को संग्रहित करते हैं, तटों की प्राकृतिक सुरक्षा करते हैं और महंगे आपदा सुधार की जरूरत को कम करते हैं।

कार्की ने माना- जेन-जी विद्रोह सरकारी विफलता

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की पीएम सुशीला कार्की ने पिछले साल 8-9 सितंबर को हुए जेन-जी विद्रोह को सत्ता की विफलताओं का आईना बताया है। राष्ट्रीय सभा में बोलते हुए कार्की ने स्वीकारा, यह आंदोलन युवाओं की आकांक्षाओं की उपेक्षा, व्याप्त भ्रष्टाचार और सुशासन की कमी के विरुद्ध उभरा एक आक्रोश था। कार्की ने कहा, यह विद्रोह एक ऐसा दर्पण है, जिसमें हम अपनी शासकीय त्रुटियां और आचरणगत कमजोरियां देख रहे हैं। उन्होंने माना, कार्यपालिका, न्यायपालिका और व्यवस्थापिका द्वारा समय पर जिम्मेदारी न निभाने के कारण देश को बड़ी क्षति हुई। पीएम ने घोषणा की कि सरकार ने आंदोलन में मारे गए लोगों को शहीद घोषित कर उनके परिवारों को राहत दी है। साथ ही, आंदोलनकारियों के साथ मांगों को लेकर एक ऐतिहासिक समझौता भी किया गया है।

आंदोलन में लूटे गए ज्यादातर हथियार जब्त : आगामी चुनावों का जिक्र

करते हुए प्रधानमंत्री ने जानकारी दी कि 5 मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उन्होंने बताया कि आंदोलन के दौरान लूटे गए अधिकांश हथियार बरामद कर लिए गए हैं और एकीकृत सुरक्षा योजना लागू है। नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने इस चुनाव को केवल जनप्रतिनिधि चुनने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक नई राजनीतिक संस्कृति की शुरुआत बनाने का आह्वान किया। कार्की ने सभी दलों से स्वच्छ और भयमुक्त वातावरण में चुनाव संपन्न कराने की अपील की।

यौन अपराधी एपस्टीन से संबंधों को लेकर सफाई देंगे बिल क्लिंटन

43 साल में पहली बार गवाही देंगे अमेरिकी राष्ट्रपति

वाशिंगटन, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और उनकी पत्नी हिलेरी क्लिंटन ने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी संसदीय जांच में पेश होने के लिए सहमति जताई है। इससे पहले दंपती ने पेश होने से इनकार कर दिया था। इस वजह से उन्हें आपराधिक अवमानना (क्रिमिनल कंटेम्प्ट) में डालने के लिए वोट किया जाना था।

यह विवाद कई महीनों से चल रहा था, जिसमें क्लिंटन दंपती ने कमेटी के कानूनी आदेश को खारिज कर दिया था। कमेटी ने पिछले महीने बिपार्टिसन (विरोधी गुटों का एक साथ मिलकर काम करना) वोट से क्लिंटन को अवमानना में डालने का प्रस्ताव पास किया था, जिसे कुछ डेमोक्रेट्स का भी समर्थन मिला। क्लिंटन दंपति का कहना है कि उन्होंने कमेटी को पहले ही बयान दिए थे और एपस्टीन के बारे में अपनी जानकारी साझा की थी। पहले बिल क्लिंटन ने एपस्टीन के यौन अपराधों की जानकारी होने से इनकार किया था और कहा था कि उन्होंने दो दशक पहले उससे संपर्क तोड़ लिया था। एपस्टीन के निजी जेट के लॉग्स दिखाते हैं कि क्लिंटन ने 2002 और 2003 में चार अंतरराष्ट्रीय उड़ानें ली थीं। जस्टिस डिपार्टमेंट के जारी रिकॉर्ड्स में कुछ फोटोज भी हैं, जिनमें क्लिंटन एपस्टीन के एस्टेट में पूल में तैरते हुए और हॉट टब में लेटे हुए दिख रहे हैं। बिल क्लिंटन के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ एंजेल उरेना ने तब कहा था कि ये फोटोज दशकों पुरानी हैं और क्लिंटन ने एपस्टीन के अपराधों के सामने आने से पहले ही उससे संबंध तोड़ लिया था। क्लिंटन पर एपस्टीन के पीड़ितों ने कभी कोई आरोप नहीं लगाया है और वे किसी गलत काम से जुड़े नहीं पाए गए हैं। क्लिंटन दंपति ने पिछले महीने कमेटी के चेयरमैन जेम्स कोमर को पत्र लिखकर उनकी जांच की आलोचना की। 1983 में जेराल्ड फोर्ड की गवाही के बाद यह पहली बार होगा जब कोई पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति संसद पैनल के सामने गवाही देंगे।

दोनों ने शपथ के तहत बयान देने जताई सहमति : हाउस ओवरसाइट कमेटी के रिपब्लिकन अध्यक्ष जेम्स कॉमर ने बताया कि क्लिंटन दंपती के वकीलों ने ई-मेल भेजकर कहा है कि दोनों 'आपसी सहमति से तय तारीखों पर डिपॉजिशन (शपथ के तहत बयान)' देने को तैयार हैं। इसके साथ ही उन्होंने मांग की कि अवमानना की कार्रवाई रोकी जाए। हालांकि कॉमर ने कहा कि अभी कोई लिखित समझौता नहीं हुआ है, इसलिए वह फिलहाल अवमानना की प्रक्रिया वापस नहीं ले रहे।

क्लिंटन पक्ष ने क्या दिया था प्रस्ताव: दरअसल, कॉमर चाहते थे कि बिल और हिलेरी-दोनों-कमेटी के सामने शपथ के तहत डिपॉजिशन दें। इससे पहले क्लिंटन पक्ष ने प्रस्ताव दिया था कि बिल क्लिंटन 4 घंटे का लिखित (ट्रांसक्राइब्ड) इंटरव्यू दें और हिलेरी क्लिंटन शपथ पत्र जमा करें, लेकिन कॉमर ने इसे खारिज कर दिया। उनका कहना था, 'कानूनी समन की शर्तें क्लिंटन तय नहीं कर सकते। क्लिंटन पर किसी तरह की गलत हरकत का आरोप नहीं यह जांच दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन और उसके सहयोगियों से जुड़ी है। एपस्टीन 2019 में न्यूयॉर्क की जेल में आत्महत्या कर चुका है, जब उस पर यौन तस्करी के आरोप थे। बिल क्लिंटन के साथ एपस्टीन के पुराने संबंधों को लेकर सवाल उठते रहे हैं, हालांकि क्लिंटन पर किसी तरह की गलत हरकत का आरोप नहीं है।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को 10 साल की जेल; भ्रष्टाचार से जुड़े दो मामलों में मिली सजा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की एक अदालत ने देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भ्रष्टाचार से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में कुल 10 साल की जेल की सजा सुनाई है। ये मामले सरकार की एक आवासीय योजना में जमीन के आवंटन में गड़बड़ी से जुड़े हैं। ढाका की स्पेशल जज कोर्ट-चार के जज रबीउल आलम ने सोमवार को यह फैसला सुनाया। अदालत ने दोनों मामलों में शेख हसीना को पांच-पांच साल की सजा दी।

जमीन आवंटन में नियमों के उल्लंघन का आरोप : ये मामले राजधानी ढाका के पास पूर्बाचोल इलाके में चल रही राजुक न्यू टाउन परियोजना

से जुड़े हैं। आरोप है कि वहां दो 10-काठा के प्लॉट गलत तरीके से आवंटित किए गए। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपियों ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए नियमों को तोड़ा और जमीन आवंटन की प्रक्रिया में हेरफेर की। यह परियोजना राजधानी विकास प्राधिकरण (राजधनी उन्नयन कर्तृपक्खा) यानी राजुक के तहत आती है।

परिवार के सदस्यों को भी सजा : इन मामलों में शेख हसीना के साथ उनके परिवार के कई सदस्यों को भी दोषी ठहराया गया है। इसमें तुलिप सिद्दीकी को कुल चार साल की जेल, रदवान मुजीब सिद्दीकी और अजमीना सिद्दीकी को सात-सात साल की जेल की सजा मिली है। वहीं राजुक के सदस्य मोहम्मद खुर्शीद आलम, जिन्होंने अदालत में आत्मसमर्पण किया था, को दो साल की सजा मिली है। सभी दोषियों पर एक लाख टका जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना न देने पर उन्हें छह महीने की अतिरिक्त जेल काटनी होगी।

भारत में रह रही हैं शेख हसीना : शेख हसीना फिलहाल भारत में रह रही हैं। पिछले साल 5 अगस्त को बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद वे देश छोड़कर भारत आ गई थीं। इससे पहले अदालत उन्हें भगोड़ा भी घोषित कर चुकी है।

भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने दर्ज किए थे केस : ये दोनों मामले बांग्लादेश के भ्रष्टाचार विरोधी आयोग (एसीसी) ने दर्ज किए थे। आयोग का कहना है कि जमीन आवंटन में सत्ता का गलत इस्तेमाल किया गया और तय नियमों का उल्लंघन हुआ।

जोहरान ममदानी का न्यूयॉर्क में विरोध, एपस्टीन विवाद से जुड़ा है मां मीरा नायर का नाम

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी को ग्रेसी मैंशन के बाहर कुछ लोगों के विरोध और नारेबाजी का सामना करना पड़ा। यह घटना अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जेफ्री एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेज सार्वजनिक किए जाने के बाद सामने आई, जिनमें उनकी मां और मशहूर फिल्ममेकर मीरा नायर का नाम एक ईमेल में दर्ज है। मेयर के आधिकारिक आवास ग्रेस मैंशन के बाहर जुटे लोगों ने आरोप लगाया कि उन्होंने ममदानी का समर्थन किया था, लेकिन अब उन्हें धोखा महसूस हो रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हमने आपके लिए वोट किया, आपके लिए आवाज उठाई... लेकिन आपने हमसे झूठ बोला।

क्या है मामला : यह विवाद 21 अक्तूबर 2009 की एक ईमेल से जुड़ा है, जो अमेरिकी पब्लिसिस्ट पेगी सीगल द्वारा भेजी गई थी। ईमेल में दोषी यौन तस्कर घिसलेन मैक्सवेल के टाउनहाउस में आयोजित एक फिल्म स्क्रीनिंग के बाद हुए आफ्टर पार्टी का जिक्र है। ईमेल के मुताबिक, उस कार्यक्रम में बिल क्लिंटन, जेफ बेजोस, जीन पिगोजी और निर्देशक मीरा नायर सहित कई हाई-प्रोफाइल लोग मौजूद थे। ईमेल में फिल्म का नाम नहीं दिया गया, लेकिन संदर्भ 2009 में रिलीज मीरा नायर की फिल्म अमेलिया से जोड़ा जा रहा है, जिसमें हिलेरी स्वैंक और रिचर्ड गेरे ने अभिनय किया था।

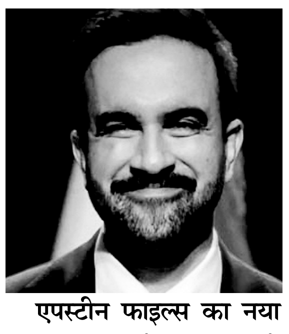

एपस्टीन फाइल्स का नया खुलासा : बीते शुक्रवार को अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से जुड़े रिकॉर्ड्स का एक बड़ा नया सेट सार्वजनिक किया। यह रिलीज एपस्टीन फाइल्स पारदर्शिता अधिनियम के तहत हुई, जिस पर 19 नवंबर 2025 को राष्ट्रपति ट्रंप ने हस्ताक्षर किए थे। नए दस्तावेजों में 30 लाख से अधिक पेज, 2,000 से ज्यादा वीडियो और करीब 1.8 लाख तस्वीरें शामिल हैं। ये रिकॉर्ड्स फ्लोरिडा और न्यूयॉर्क के मामलों, मैक्सवेल के खिलाफ केस, एपस्टीन की मौत की जांच, एफबीआई और इंस्पेक्टर जनरल की जांचों सहित कई स्रोतों से जुटाए गए हैं।

ममदानी का राजनीतिक सफर : 34 वर्षीय जोहरान ममदानी ने 1 जनवरी को न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का पद संभाला। उन्होंने चुनाव में पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा को हराया। वे शहर के सबसे युवा और पहले मुस्लिम मेयर हैं। ममदानी ने एरिक एडम्स का स्थान लिया, जिन्होंने सितंबर में पुनर्निर्वाचन की दौड़ से नाम वापस ले लिया था, हालांकि वे बैलेट पर बने रहे।

39 वर्षीय महिला फर्नांडीज राष्ट्रपति की दौड़ में आगे, मतगणना में मिली बढ़त

सैन जोस, एजेंसी। कोस्टा रिका के राष्ट्रपति चुनाव में दक्षिणपंथी कानून-व्यवस्था समर्थक उम्मीदवार लौरा फर्नांडीज ने शुरुआती दौर में मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, शुरुआत परिणामों के मुताबिक, प्रारंभिक मतगणना के आधार पर रविवार देर रात तक 31 प्रतिशत मतदान केंद्रों से प्राप्त मतों की गिनती से पता चला कि सत्तारूढ़ सॉवरेन पीपुल्स पार्टी (पीपीएसओ) की फर्नांडीज ने 53.01 प्रतिशत वोट हासिल किए हैं, जिससे वह शुरुआती दौड़ में आराम से आगे चल रही हैं।

पूर्व प्रथम महिला तीसरे नंबर पर : रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे स्थान पर मध्य-वामपंथी नेशनल लिबरेशन पार्टी के अल्वारो रामोस 30.05 प्रतिशत वोटों के साथ रहे। वहीं, पूर्व प्रथम महिला क्लाउडिया डोबल्स 3.9 प्रतिशत वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। इन आंकड़ों के साथ, फर्नांडीज को अब स्पष्ट जीत हासिल करने और 5 अप्रैल को होने वाले दूसरे दौर के चुनाव से बचने के लिए कम से कम 40 प्रतिशत वोटों की आवश्यकता है। उनकी लोकप्रियता में यह उछाल ऐसे समय आया है जब 39 वर्षीय राजनेता मौजूदा राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस के चुने हुए उत्तराधिकारी के रूप में चुनाव प्रचार कर रही हैं। उनके कड़े सुरक्षा एजेंडे को आगे बढ़ाने का वादा कर रही हैं।

हाल के वर्षों में परंपरागत रूप से शांतिपूर्ण रहे मध्य अमेरिकी देश में

अपराध में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा कई मतदाताओं के लिए एक निर्णायक मुद्दा बन गई है। अल जजीरा के अनुसार, जहां कुछ लोग हिंसा पर अंकुश लगाने में विफल रहने के लिए चावेज प्रशासन को दोषी ठहराते हैं। वहीं अन्य लोग उनके टकरावपूर्ण दृष्टिकोण को व्यवस्था बहाल करने का सबसे मजबूत विकल्प मानते हैं।

57 सीटों वाली राष्ट्रीय सभा के सदस्यों का भी चुनाव : फर्नांडीज ने खुद को चावेस के साथ घनिष्ठ रूप से जोड़ लिया है, क्योंकि उन्होंने पहले उनकी राष्ट्रीय योजना और आर्थिक नीति मंत्री के रूप में और बाद में राष्ट्रपति पद की मंत्री के रूप में कार्य किया है। राष्ट्रपति चुनाव के साथ-साथ, कोस्टा रिका के लोगों ने 57 सीटों वाली राष्ट्रीय सभा के सदस्यों का भी चुनाव किया। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, चावेज की पार्टी को बढ़त मिलने की उम्मीद है, हालांकि हो सकता है कि उसे चावेज और फर्नांडीज द्वारा अपेक्षित बहुमत न मिले, जिससे उनके गुट को अन्य शक्तियों के साथ-साथ सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति करने का अधिकार मिल जाएगा। अगर 20 उम्मीदवारों ने चुनाव में भाग लिया, लेकिन प्रारंभिक और आंशिक परिणामों से पता चला कि फर्नांडीज और रामोस के अलावा कोई भी उम्मीदवार 5 प्रतिशत का आंकड़ा पार नहीं कर सका।

थैलेसीमिया का आयुर्वेदिक इलाज

थैलेसीमिया एक जानलेवा रोग है, जो बच्चों को अपना शिकार बनाता है। थैलेसीमिया दो प्रकार का होता है- थैलेसीमिया माइनर और थैलेसीमिया मेजर।

थैलेसीमिया माइनर यह रोग मां-बाप में से किसी एक के द्वारा संतान में आता है। थैलेसीमिया माइनर से प्रभावित व्यक्ति तो इस रोग के संवाहक होते हैं। इसके कुछ रोगी ऐसे होते हैं, जो 25-30 वर्ष की उम्र तक तो सामान्य जीवन जीते हैं। मगर जब अचानक खून की कमी हो जाती है और खून की जांच करवाते हैं तब इसका पता चलता है।

थैलेसीमिया माइनर के रोगी का जिगर और तिल्ली बढ़ जाती है। थैलेसीमिया माइनर कभी भी थैलेसीमिया मेजर में परिवर्तित नहीं होता है। अनेक रोगी तो सामान्य रक्ताल्पता [एनीमीया] के उपचार से ही स्वस्थ महसूस करते हैं।

थैलेसीमिया मेजर

थैलेसीमिया मेजर से पीड़ित बच्चों में रोग के लक्षण 4 से 6 माह की उम्र में ही दिखाई देने लगते हैं। बच्चों की त्वचा एवं नाखुनों में पीलापन आने लगता है तथा बच्चे का विकास अवरूद्ध हो जाता है। इस रोग में अस्थिमज्जा में लाल रक्तकण [आरबीसी] बनने बंद हो जाते हैं या कम बनते हैं और यदि बनते भी हैं, तो वे अत्यंत ही विकृत तथा हीमोग्लोबीन रहित होते हैं।

थैलेसीमिया मेजर से पीड़ित बच्चों में जींस मां-बाप दोनों से ही आते हैं। यदि मां-बाप दोनों ही थैलेसीमिया माइनर से पीड़ित हैं, तो उनके बच्चे थैलेसीमिया मेजर से ग्रस्त हो सकते हैं। इस रोग में आरबीसी की दीवारें सख्त हो जाती हैं , इस कारण से रक्त संचरण के समय अथवा अस्थिमज्जा में रहते समय वे नष्ट होने लगती हैं। इससे ग्रस्त बच्चे जन्म के समय तो पूरी तरह स्वस्थ नजर आते हैं, लेकिन बाद में इसके लक्षण दिखाई देने लगते हैं।

खून की कमी के कारण शरीर का पीला पड़ जाना, अन्य गंभीर रोगों का संक्रमण, चेहरा पीला और निस्तेज, सांस फूलना, पेट फूला-फूला, भूख नहीं लगना, खाने के प्रति अरूचि और खा लेने से उल्टियां हो जाना, निरंतर ज्वर रहना या शरीर का तापमान कम हो जाना, नाड़ी और ह्रदय की गति अधिक, सिर बड़ा और शरीर की आकृति छोटी, सिर के मध्य करोटीं में दबा हुआ [खड्डा] सा दिखाई देना, सिर की मोटी भौहों के बीच में नाक का भाग पिचका हुआ होना ये इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं।

चिकित्सा- आधुनिक चिकित्सा में रोगी का जीवन चलता रहे इसके लिए रोगी को प्रतिमाह या हर सप्ताह खून चढ़ाया जाता है। मगर यह काम कितना महंगा, मुश्किल एवं दर्द भरा है यह भुक्तभोगी ही जानते हैं। विकसित देशों में अस्थिमज्जा प्रत्यारोपण [बोन मेरो ट्रांसप्लांटेशन] द्वारा इसका उपचार किया जाने लगा है, लेकिन यह भी अत्यंत महंगा है।

समय-समय पर हीमोग्लोबीन की मात्रा की जांच करवानी पड़ती है अथवा कुछ ऐसे लक्षण उत्पन्न हो जाते हैं जिनसे पता चलता है कि अब खून की मात्रा कम हो गई है। बड़े-बड़े शहरों में तो थैलेसीमिया रोगियों की सहायतार्थ सोसायटियां बनी हुई हैं जो थैलेसीमिया रोग के शिकार बच्चों के लिए खून की व्यवस्था करती है।

खून चढ़ाने का उपाय एक तरफ तो लाभप्रद है, किंतु तकलीफों से भरा भी है। रोगी के परिवार को अत्यंत महंगे उपचार का भार उठाना पड़ता है। बार-बार खून चढ़ाने की प्रक्रिया रोगी के जीवित रहने तक चलती रहती है। बार-बार खून चढ़वाने के कारण शरीर के प्रमुख अंगों- लीवर, प्लीहा, ह्रदय इत्यादि में आवश्यकता से ज्यादा लौह तत्त्व एकत्रित हो जाते हैं। प्लीहा लाल रक्त कणों के अवखंडन का स्थान है और थैलेसीमिया में लाल रक्त कण ही जल्दी-जल्दी अवखंडित होते हैं, अत: ये कोशिकाएं अत्यधिक संख्या में प्लीहा के साइनोसाइड्स में एकत्र होती रहती है, जिससे प्लीहा का आकार बढ़ जाता है। अत्यधिक मात्रा में एकत्र हुआ लौह तत्त्व ह्रदय में विषमता पैदा करता है, जिससे ह्रदय काम करना बंद कर देता है। आवश्यकता से अधिक लौह तत्त्वों को शरीर से बाहर निकालने के लिए प्रतिदिन इंजेक्शन लगाना आवश्यक है किंतु फिर भी रोगी को बचाना संभव नहीं है।

आयुर्वेद में थैलेसीमिया रोग की फायदेमंद चिकित्सा है। चिकित्सा में यकृत, प्लीहा की चिकित्सा लंबे समय तक की जाती है। गंभीर रक्ताल्पता, रक्तपित्त, यकृद्दाल्युदर, प्लीहोदर तथा रक्त का अतिमात्रा में शरीर से बाहर प्रवृत्ति आदि की मिली जुली चिकित्सा भी लंबे समय तक की जाए, तो इस रोग में लाभ होने की पूरी आशा की जा सकती है।

थैलेसीमिया रोग से पीड़ित रोगी की यदि आधुनिक एलोपैथी चिकित्सा के साथ ही अनुभवी चिकित्सक की देखरेख में आयुर्वेद चिकित्सा की जाए और रोग निर्मूल होने तक परहेज किया जाए तो थैलेसीमिया जैसे गंभीर रोग से असमय मरने से रोगी को बचाया जा सकता है।

दृष्टि कमजोर तो नहीं हो रही

हाल ही में अपनी आंखों की पूरी जांच कराने पर भी आपको साफ नहीं दिखाई दे रहा या फोकस करने में परेशानी हो रही है तो यह आंखों के रोग ग्लॉकोमा का लक्षण हो सकता है। ऐसी स्थिति में आई प्रेशर धीरे-धीरे बढने लगता है और इससे ऑप्टिक नर्व डैमेज होने लगती है। यदि लगातार अनदेखा किया जाए तो पांच साल में यह इतना नुकसान पहुंचा देता है कि स्थिति गंभीर हो जाती है। यदि आपको ऐसा कुछ भी अंदेशा हो रहा हो तो अपने नेत्र विशेषज्ञ से नियमित जांच कराएं। समय रहते मर्ज का पता लगने पर दवाओं से इस पर काबू पाया जा सकता है।

आंखों के स्वास्थ्य के लिए विटमिन ए पर्याप्त मात्रा में लें। तेज व चमकीली रोशनी में सीधे न देखें। टीवी सेट से कम से कम 3 मीटर की दूरी रखें। कंप्यूटर पर काम करने के लिए एंटी ग्लेयर चश्मा पहनें। ठंडे पानी से आंखें धोएं। बाल शैंपू करने से पहले भौंहों और पलकों पर कोल्ड क्रीम लगाएं जिससे साबुन भीतर न जाए। एक्सरसाइज करें।

हेल्थ प्लस

गर्भवती महिलाएं और कैल्शियम

गर्भवती महिलाओं को रोजाना कम से कम एक ग्राम कैल्शियम की जरूरत होती है और यह न मिले तो उनकी हड्डियों में कैल्शियम की कमी हो जाती है। गर्भवती महिला के होने वाले बच्चे की हड्डियां और दांत बनने के लिए कैल्शियम की बहुत जरूरत होती है और यह जरूरत बच्चा अपनी मां से पूरी करता है। कैल्शियम की कमी से होने वाले बच्चे का शरीरिक व मानसिक विकास कम हो जाता है और बच्चा मंदबुद्धि पैदा हो सकता है। अगर किन्हीं कारणों से खानपान के जरिए कैल्शियम की पूर्ति नहीं हो पा रही हो तो डॉक्टर की सलाह से दिन में तीन बार 500 मिग्रा। कैल्शियम की गोलियां ली जा सकती हैं। इस तरह शरीर में कैल्शियम आसानी से जज्ब हो जाता है।

किशमिश दांतों की रक्षक

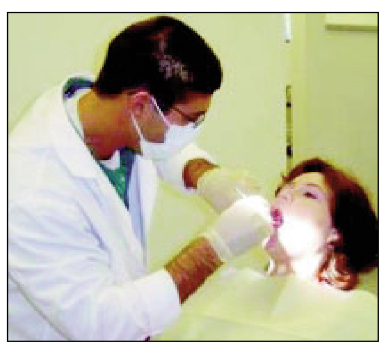

खाने की जो भी चीज दांतों में चिपकती है आम तौर पर उसे दांतों का दुश्मन समझा जाता है। लेकिन यही चिपकने वाली किशमिश दांतों पर चिपक कर बैक्टीरिया को दांतों से दूर रखने में सहायक होती है यह आम आदमी नहीं जानता। यह शोध शिकागो कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्री द्वारा किया गया। शक्कर जैसी मीठी व चिपचिपी होने पर भी किशमिश में फाइटोकेमिकल्स का भंडार है। वैज्ञानिकों ने किशमिश में 5 ऐसे फाइटोकेमिकल्स पाए, जो मुंह के स्वास्थ्य सुधार के लिए लाभकारी थे। वास्तव में फाइटोकेमिकल्स पौधों में मौजूद ऐसे नैचरल एंटीऑक्सीडेंट तत्व होते हैं जो दांतों और मसूडों की सडन से बचाने में मदद करते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि वास्तव में मीठा खाने से दांत खराब नहीं होते, बल्कि उसमें मिलाई गई शक्कर दांतों के लिए नुकसानदायक होती है।

स्वास्थ्यरक्षक मीठा नीम

मीठे नीम की पत्तियां खुशबूदार होती हैं। इनको कढ़ी, चटनी इत्यादि में डालने से इन आहार-द्रव्यों में भीनी-भीनी महक आने लगती है। दक्षिण भारत में भोजन में सुवास के लिए करी पत्ता बेहद लोकप्रिय है। बहुत से क्षेत्रों में इसे मीठा नीम भी कहते हैं।

पोषक तत्व

प्रोटीन 6.1 प्रतिशत, वसा 1 प्रतिशत, कार्बोहाइडेट 16 प्रतिशत, रेशे 6.4 प्रतिशत, खनिज तत्त्व 4.2 प्रतिशत, कैल्शियम 810 मिलीग्राम, लौह 600 मिलीग्राम, फॉसफोरस 3.1 मिलीग्राम, कैरोटीन 126000 अंतरराष्ट्रीय यूनिट, निकोटिनिक एसिड 2.3 मिलीग्राम, विटामिन सी 4 मिलीग्राम प्रति सौ ग्राम।

औषधीय गुण

- नियमित रूप से खाद्य पदार्थो के साथ करी पत्ते का सेवन करते रहने से यह श्रेष्ठ टॉनिक का कार्य करता है।
- यह ठंडा, स्वाद में चरपरा, फीका तथा पचने में हलका होता है।
- यह शरीर के किसी भी हिस्से में हो रही जलन को शांत कर देता है।
- पेट के कीड़ों से मुक्ति दिलाता है।
- सूजन को दूर करता है।
- विविध प्रकार के रक्त संबंधी विकारों जैसे शरीर में फोड़े-फुंसियां होना, नकसीर, मुंह में छाले होना, चेहरे पर झांइयां होना, शरीर पर तिल अधिक पैदा होना, दाद होना, सफेद दाग अर्थात् ल्यूकोडर्मा, खारिश-खुजली, त्वचा पर लाल-लाल चकत्ते पैदा होना इत्यादि रोगों के उपचार में भी यह लाभप्रद औषधि है।
- विविध प्रकार के विष प्रकोप में भी यह लाभप्रद औषधि है।

कुछ खास प्रयोग

कष्टार्तव अर्थात् कठिनाई और दर्द के साथ मासिक धर्म का होना करी पत्ते का नियमित रूप में सेवन करने से इस शिकायत से आश्चर्यजनक ढंग से मुक्ति मिल जाती है।

सेवन विधि

इसके लिए करी पत्तों को सुखाकर इनका बारीक चूर्ण तैयार कर लें। यह चूर्ण एक चाय चम्मच भर मात्रा में हलके गरम पानी के साथ सेवन करें। सवेरे और शाम दिन में दो बार यह प्रयोग सेवनीय है। कढ़ी, दाल, पुलाव इत्यादि आहार द्रव्यों के साथ करी पत्ते का नियमित सेवन बेहद फायदेमंद है।

पेचिश होने पर इससे पीड़ित व्यक्ति को रक्त और कफ मिले हुए तेज दस्त आने लगते हैं। ताजा, कोमल, हरे करी पत्ते चबाकर खाना बहुत ही लाभप्रद है।

अपच अर्थात इंडाइजेशन मूंग की दाल में करी पत्ते का तड़का लगाकर सेवन करें। इससे अपान वायु खारिज होगी। भूख खुलकर लगेगी। भोजन शीघ्र पचेगा।

कीट दंश मधुमक्खी, ततैया इत्यादि विषाक्त जीवों द्वारा काट लेने पर करी पत्तों को पीसकर दंश स्थान पर लेप कर दें। तत्काल आराम मिलेगा।

वमन उल्टी की शिकायत होने पर दस-बीस करी पत्तों को दो सौ मिलीलीटर पानी में उबालें। आधा पानी शेष रहने पर इसे छान लें। इस पानी को दो-दो चम्मच की मात्रा में प्रति पंद्रह मिनट बाद पिएं। लाभ होने तक यह प्रयोग करें। बहुत ही लाभप्रद प्रयोग है।

किडनी पेन अर्थात वृक्क शूल मीठे नीम की जड़ का ताजा रस दस मिलीलीटर की मात्रा में पीने से आराम मिलता है।

भोजन के पोषक तत्वों को बचाएं

बेशक आप अत्यन्त स्वादिष्ट भोजन बनाती होंगी जिन्हें परिजन चटखारे लेकर खाते भी होंगे, लेकिन क्या वह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ उतना पोषक भी है? कहीं अनजाने में ही आप उसके पोषक तत्वों को नष्ट तो नहीं कर रहीं? भोजन को तैयार होने तक कुछ निश्चित प्रक्रियाओं से गुजरना होता है। हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी स्तर पर उसके पोषक तत्व नष्ट न हों। इसके लिए आपको निम्नांकित बातें ध्यान में रखनी होंगी।

- आटा थोड़ा मोटा पिसवाएं।
- आटे को चोकोर सहित काम में लें।
- चावल बनाने हेतु उतना ही पानी लें, जितना उसे पकने के लिए जरूरी हो।
- जिन मोटे अनाजों को पानी में भिगोकर रखा जाता है, उन्हें उसी पानी में पकाएं।
- सब्जियाँ पकाने में उतना ही पानी लें, जितना आवश्यक हो।
- सब्जियों को काटने या छीलने के पूर्व धोएं, बाद में नहीं।
- सब्जियों के गट्टे बड़े रखें, छोटे नहीं।
- सब्जियों के पतले छिलके उतारें, मोटे नहीं।
- सब्जियाँ कम चौड़े बर्तन में ढककर पकाएं।
- सब्जियों को सदैव धीमी आँच पर पकाएं।
- बेहतर होगा दाल, सब्जी, प्रेशर कुकर में पकाएं।
- सब्जियाँ बार-बार गर्म न करें।
- सब्जियाँ पकाने में मीठा सोडा आदि न डालें।
- गाजर, मूली, टमाटर, खीरा, पत्तागोभी आदि को सलाद के रूप में इस्तेमाल करें।
- गाजर का ऊपरी भाग, प्याज का पीला भाग, बंदगोभी के बाहरी पत्ते, मूली के पत्ते आदि को फेंके नहीं।
- मूंग, मोठ, मटर, चने आदि को अंकुरित कर इस्तेमाल करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 1978

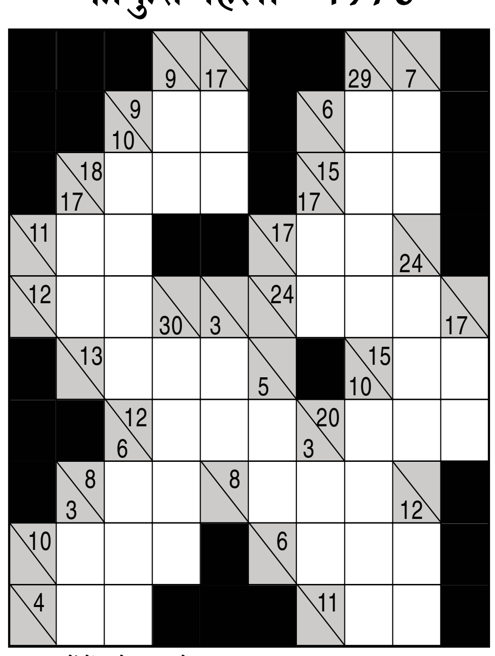

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

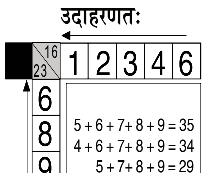

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 1977 का हल

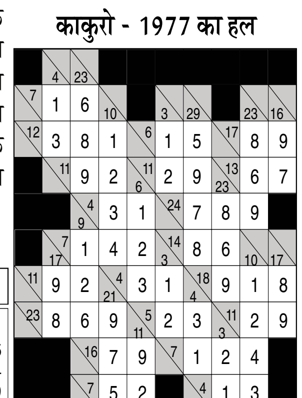

हंसी के फूव्वारें

अपराधी का पहला अपराध होने के कारण न्यायाधीश ने उसे क्षमा करते हुए कहा-'हमें पूरा विश्वास है तुम कभी यहां दिखाई नहीं दोगे.'

हां हजूर, मेरी कोशिश होगी कि पुलिस मुझे न पकड़ सके और फिर कभी मैं यहां न दिखाई दूं.

□ □ □

'अरे यह क्या ? आप कहां से आ रहे हैं ? कपड़े फटे हुए हैं. खून निकल रहा है, सिर पर चोट लगी है. चलो आपको घर पहुंचा दूं.' मित्र ने संवेदनाभरे स्वर में कहा.

नहीं, नहीं मैं घर नहीं जाऊंगा, घर से ही आ रहा हूँ, घायल ने शीघ्रतापूर्वक कहा.

□ □ □

एक यात्री ने बड़े तेज स्वर में रेलवे के स्टेशन मास्टर से शिकायत कि-चालीस मिनट हो गये, ट्रेन अभी तक नहीं पहुँची.

स्टेशन मास्टर ने कहा-घबराइये नहीं, यह टिकट चौबीस घण्टे तक चल सकता है.

□ □ □

क्या आप जानते हैं कि नाव को स्त्रीलिंग क्यों माना जाता है ?

'क्योंकि नाव हवा के साथ-साथ अपना रुख बदलती रहती है.'

□ □ □

शिक्षक: पानी पर मच्छर क्यों बैठते हैं ?

राजीव: इसलिए कि पानी उड़ न जाये.

फिल्म वर्ग पहेली- 1978

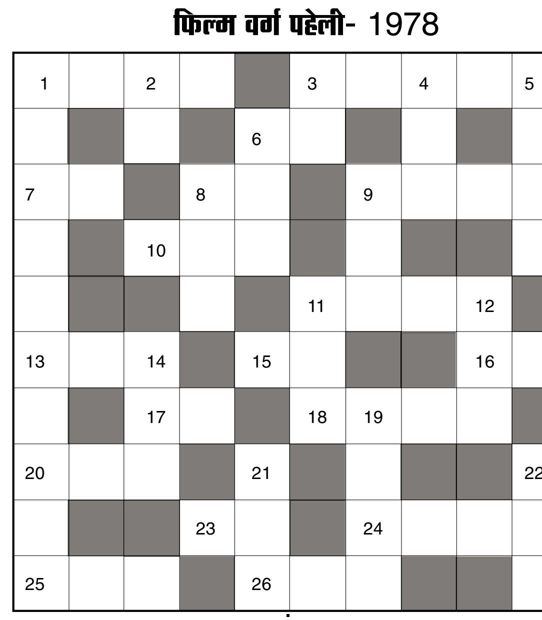

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी ?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथिया पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1977

सूडोकु -1978

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1977 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 1978

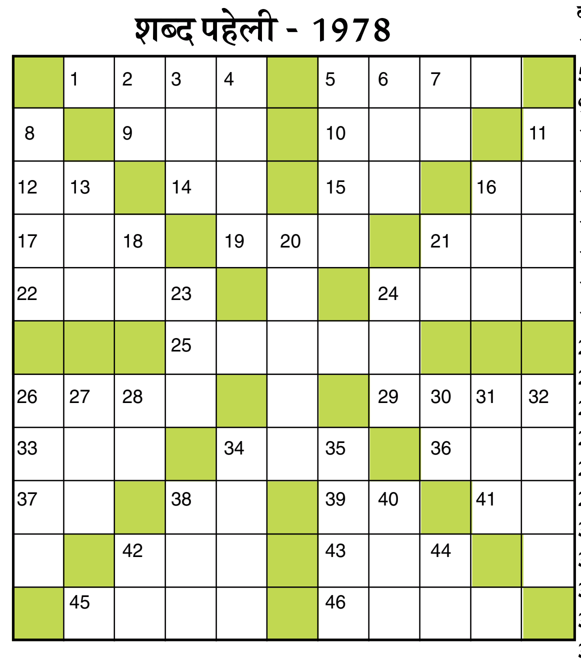

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली - 1977 का हल

अत्यधिक नमक सेवन से बढ़ रहा हाइपरटेंशन का खतरा, सरकार चला रही है जागरूकता अभियानः नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में अत्यधिक नमक का सेवन हाइपरटेंशन और हृदय संबंधी बीमारियों के बढ़ते मामलों का प्रमुख कारण बन रहा है। यह जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे. पी. नड्डा ने राज्यसभा में दी। उन्होंने बताया कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार यह स्थिति एक 'साइलेंट पैनडेमिक' का रूप ले रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने यह जानकारी कांग्रेस सांसद मुकुल बालकृष्ण वासनिक द्वारा पूछे गए प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। प्रश्न में यह पूछा गया था कि अत्यधिक नमक सेवन क्या देश में हाइपरटेंशन और हृदय रोगों के लिए जिम्मेदार एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बन गया है और इस दिशा में सरकार क्या कदम उठा रही है। नड्डा ने बताया कि सरकार इस चुनौती से निपटने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चला रही है। खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के माध्यम से ईट राइट इंडिया मूवमेंट लागू किया गया है, जिसका उद्देश्य स्वस्थ खान-पान को बढ़ावा देना और नमक, चीनी तथा वसा के अत्यधिक सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि इस पहल के तहत 'आज से थोड़ा कम' जैसे जनसंचार और सोशल मीडिया अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि लोग अपने दैनिक आहार में नमक, चीनी और वसा की मात्रा धीरे-धीरे कम करें।

उत्तराखंड में पर्यटन ने बनाया नया कीर्तिमान, पर्यटकों की संख्या पहुंची छह करोड़ के पार

देहरादून। उत्तराखंड में पर्यटन ने वर्ष 2025 में नया इतिहास रच दिया है। राज्य गठन के बाद पहली बार प्रदेश में रिकॉर्ड 6 करोड़ से अधिक पर्यटक और तीर्थयात्री पहुंचे हैं, जिससे न केवल पर्यटन क्षेत्र को मजबूती मिली है बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था और रोजगार अवसरों को भी नया संबल मिला है। पर्यटन विभाग के अनुसार, इस वर्ष प्रदेश में कुल 6 करोड़ 03 लाख 21 हजार 194 पर्यटक और तीर्थयात्री पहुंचे, जो राज्य गठन के बाद अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। इनमें 1 लाख 92 हजार 533 विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटक सुविधाओं के विस्तार और उनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के लिए संकल्पित है। यही प्रयास हैं जिनका परिणाम यह लगातार बढ़ती पर्यटक संख्या है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार ने पर्यटन विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं। पर्यटन एवं तीर्थ स्थलों पर बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ पर्यटकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। राज्य सरकार के इन प्रयासों का सकारात्मक असर पर्यटन आंकड़ों में स्पष्ट रूप से दिख रहा है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, हरिद्वार जिले में 3 करोड़ 42 लाख 49 हजार 380, देहरादून में 67 लाख 35 हजार 71 और टिहरी में 53 लाख 29 हजार 759 पर्यटक और तीर्थयात्री पहुंचे। पिछले वर्षों की तुलना देखें, तो 2021 में 2,00,18,115, 2022 में 5,39,81,338, 2023 में 5,96,36,601 और 2024 में 5,95,50,277 पर्यटक राज्य में आए थे।

सीबीआई ने आयकर विभाग के स्टेनोग्राफर को रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने चेन्नई में आयकर विभाग में तैनात एक स्टेनोग्राफर को 1.50 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। उस पर 19 लाख रुपये के बकाया आयकर को समाप्त कराने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है। सीबीआई के अनुसार स्टेनोग्राफर अभिनंदन सिंह ने आकलन वर्ष 2020-21 के तहत लंबित 19 लाख रुपये के आयकर बकाये को शून्य कराने के लिए कुल राशि का 10 प्रतिशत रिश्वत के रूप में मांगा था। इस संबंध में 02 फरवरी को शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने मामला दर्ज किया। एजेंसी ने जाल बिछाकर शिकायतकर्ता से 1.50 लाख रुपये की अवैध राशि स्वीकार करते हुए पकड़ लिया।कार्रवाई के दौरान रिश्वत की पूरी रकम स्टेनोग्राफर के कब्जे से बरामद की गई। सीबीआई ने उसके आवासीय परिसर की तलाशी भी ली, जहां से आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं। अभिनंदन सिंह को आज चेन्नई की सक्षम अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एजेंसी ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

मनरेगा बहाली की मांग पर कर्नाटक विधानसभा में प्रस्ताव पारित, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केंद्र की नीति का किया विरोध

बेंगलुरु। केंद्र सरकार की ओर से लागू किए गए 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (वीबी-जीरामजी)' के खिलाफ कर्नाटक विधानसभा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को पुनः उसके मूल स्वरूप में लागू करने की मांग वाला प्रस्ताव पारित कर दिया गया। यह प्रस्ताव मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने विशेष सत्र के दौरान प्रस्तुत किया, जिसे विपक्ष के कड़े विरोध और हंगामे के बावजूद सदन ने इसे बहुमत से मंजूरी दे दी। इससे पहले प्रस्ताव पेश करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि ग्रामीण गरीबों की आजीविका का मजबूत आधार रहे मनरेगा कानून को समाप्त करना संविधान की आत्मा के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की यह नीति पंचायती राज व्यवस्था, अधिकारों के विकेंद्रीकरण और राज्यों के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करती है।

कानून के राज में ट्रस्ट, ट्रांसफॉर्मेशन और टाइमली डिलीवरी बनी यूपी की पहचान : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होटल ताज में आयोजित वैश्विक निवेशकों एवं उद्यमियों के महासंगम 'उत्तर प्रदेश फार्मा कॉन्क्लेव 1.0' का शुभारंभ करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश आज केवल एक राज्य नहीं, बल्कि निवेशकों के लिए भरोसे की गारंटी बन चुका है। प्रदेश सरकार हर निवेशक को ट्रिपल-एस यानी सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड की पूर्ण गारंटी देती है और उत्तर प्रदेश आज ट्रस्ट, ट्रांसफॉर्मेशन और टाइमली डिलीवरी का रोल मॉडल बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में रूल ऑफ लॉ पूरी मजबूती से लागू है। कानून से खिलवाड़ करने की छूट किसी को नहीं है। यदि कोई कानून को आंख दिखाने की कोशिश करता है, तो कानून अपने दायरे में लाकर उसे उसकी ही भाषा में जवाब देता है। यह नया उत्तर प्रदेश है, जहां व्यवस्था कमजोर नहीं, बल्कि

निर्णायक है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में 2017 से पहले की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में उत्तर प्रदेश असुरक्षा, अराजकता और अविश्वास का पर्याय बन चुका था। वर्ष 2012 से 2017 के बीच प्रदेश में 900 से अधिक दंगे हुए। शायद ही कोई शहर रहा हो, जहां कर्फ्यू न लगा हो। उद्योग, व्यापार और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों को गुंडा टैक्स देना पड़ता था। सुरक्षा के अभाव में पहले से स्थापित उद्योग भी प्रदेश छोड़ने पर मजबूर थे, युवा वर्ग पलायन कर रहा था। जिस धरती पर बचपन बीता हो, उसे छोड़ना किसी के लिए भी पीड़ादायक होता है, लेकिन असुरक्षा के चलते मजबूरी थी। यह केवल किसी एक उद्यमी की पीड़ा नहीं थी, बल्कि हर व्यापारी, हर निवेशक और हर नागरिक की व्यथा थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें यह दायित्व सौंपा, तो सबसे बड़ी चुनौती कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करना और नागरिकों के मन में विश्वास पैदा करना था। सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई। हमने स्पष्ट कहा कि कानून सभी पर समान रूप से लागू होगा, चाहे कोई कितना ही प्रभावशाली क्यों न हो। आज इसका परिणाम सबके सामने है। बड़े पर्व-त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो रहे हैं। कहीं दंगे नहीं, कहीं फिरौती नहीं, कहीं गुंडा टैक्स नहीं। उत्तर प्रदेश में शांति, सुरक्षा और स्थिरता का वातावरण है और यही निवेश की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज डी-रेगुलेशन रैंकिंग में देश में नंबर वन है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में टॉप अचीवर बन चुका है। डी-क्रिमिनलाइजेशन के तहत 13 राज्य अधिनियमों में मौजूद आपराधिक प्रावधानों को समाप्त किया गया, ताकि उद्योग बिना भय और बाधा के कार्य कर सकें।

भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर मायावती ने दी प्रतिक्रिया

एजेंसी

लखनऊ। अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर लगाए गये पारस्परिक टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इसको लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। बसपा प्रमुख ने सोशल मीडिया के अधिकारी अकाउंट एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा कि भारत और अमेरिका के बीच अनेक शर्तों के साथ आपसी समझौते के बाद अमेरिका ने 18 प्रतिशत टैरिफ लगाये जाने की खबर कितनी देश व जनहित में है। इसके सम्बन्ध में समुचित जानकारी के अभाव में तत्काल कोई आकलन करना जल्दबाजी होगी। क्योंकि इस पर जमीनी अमल होने के बाद ही यह सही से मालूम हो पायेगा कि इससे देश के खासकर बहुजनों, गरीबों, मजदूरों, किसानों व महिलाओं आदि

का क्या भला होगा। वैसे तो यह बेहतर होता कि इसके सम्बन्ध में सरकार द्वारा संसद के सत्र के दौरान ही विस्तार से बताया जाता, ताकि लोगों को सही-सही जानकारी मिल पाती।

प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित अन्य मंत्रियों ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की सराहना करते हुए इसे वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि का एक नया आधार स्तंभ करार दिया।प्रधानमंत्री मोदी एक्स पर कहा, 'आज अपने प्रिय मित्र राष्ट्रपति ट्रम्प से बात करके बहुत अच्छा लगा। यह जानकर बेहद खुशी हुई कि अब भारत में निर्मित उत्पादों पर टैरिफ घटकर 18 प्रतिशत हो जाएगा। जब दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र एक साथ मिलकर काम करते हैं, तो इससे हमारे लोगों को लाभ होता है और पारस्परिक लाभकारी सहयोग के अपार अवसर खुलते हैं। वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए राष्ट्रपति ट्रम्प का नेतृत्व अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत शांति के लिए उनके प्रयासों का पूर्ण समर्थन करता है। मैं उनके साथ मिलकर काम करने और हमारी साझेदारी को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए तत्पर हूं।' अमित शाह ने कहा कि इससे मजबूत व्यापारिक संबंधों और आपसी विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इस ऐतिहासिक समझौते के लिए, जो हमारी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगा। दोनों देशों और उनकी जनता को व्यापक लाभ पहुंचाएगा, भारत-अमेरिका के बीच व्यापार और भी फलेगा-फूलेगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वित्त मंत्री ने इसे मेड इन इंडिया उत्पादों के लिए बड़ी खुशखबरी बताते हुए कहा कि इससे दोनों बड़े लोकतांत्रिक देशों के लोगों को सीधा लाभ होगा।केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि उन्होंने वस्त्र उद्योग पर इसके सकारात्मक प्रभाव पर जोर दिया और कहा कि इससे दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार, रोजगार और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (सीआईटीआई) की महासचिव चंद्रिमा चटर्जी ने कहा कि भारत अमेरिका में अपने कुल बाजार का लगभग 28-30 प्रतिशत हिस्सा खो रहा था, जिसे अब पुनः प्राप्त किया जा सकेगा। भारत की 18 प्रतिशत की दर बांग्लादेश (20 प्रतिशत) और वियतनाम (19-20 प्रतिशत) जैसे प्रतिस्पर्धियों से कम है, जो भारतीय परिधानों को अमेरिकी बाजार में ज्यादा सस्ता और आकर्षक बनाएगी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि ऐतिहासिक भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत भारतीय उत्पादकों को वैश्विक बाजार में महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा। लगभग 18 प्रतिशत की कम टैरिफ दरों से युवाओं, किसानों और लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए नए अवसर पैदा होंगे। एक मजबूत भारत-अमेरिका साझेदारी निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन को गति देगी। पहले यूरोपीय देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता और अब भारत-अमेरिका व्यापार समझौता, यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक बड़ी उपलब्धि है।

बंगाल के कई शहरों में ईडी की ताबड़तोड़ छापेमारी, लाखों की नकदी बरामद

एजेंसी

कोलकाता। कोयला और बालू तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में एक साथ बड़ी कार्रवाई शुरू की। कोलकाता, दुर्गापुर और आसनसोल सहित विभिन्न जगहों पर चल रही इस छापेमारी के दौरान व्यवसायी राजेश बंसल के आवास से कथित तौर पर कई लाख नकद बरामद किए गए हैं। ईडी सूत्रों के मुताबिक, बरामद रकम के स्रोत को लेकर व्यवसायी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए।

जांच के दौरान दोपहर में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के अधिकारी भी बस्तों के साथ मौके पर पहुंचे। इससे पहले सुबह करीब साढ़े छह बजे ईडी की तीन गाड़ियां कोलकाता से पश्चिम बर्दवान के जामुड़िया पहुंचीं और जामुड़िया बाजार से सटे पंजाबी मोड़ इलाके में व्यवसायी रमेश के घर पर तलाशी शुरू की गई।ईडी की कार्रवाई यहीं तक सीमित नहीं रही। व्यवसायी राजेश बंसल के दोनों पुत्र सुमित बंसल और अमित बंसल के आवासों पर भी तलाशी ली गई। हालांकि वहां से कौन-कौन से दस्तावेज या सबूत मिले हैं,

इस बारे में फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

वहीं, जामुड़िया के पंजाबी मोड़ क्षेत्र में एक हार्डवेयर की दुकान और एक गोदाम पर भी ईडी ने छापा मारा। इसके साथ ही जामुड़िया हाटतला इलाका स्थित 'बंसल हार्डवेयर' नामक दुकान में भी तलाशी अभियान जारी है। इसी क्रम में, बुदबुद थाने के ओसी मनोरंजन मंडल के दुर्गापुर सिटी सेंटर स्थित आवास पर भी जांच एजेंसी ने छापा मारा और उनसे पूछताछ की जा रही है।

ईडी ने पांडवेश्वर के नवग्राम और दुर्गापुर के एक अन्य पते पर भी तलाशी अभियान चलाया है। एजेंसी का कहना है कि जांच अभी जारी है और आने वाले समय में इस मामले में और खुलासे हो सकते हैं।

केंद्रीय बजट देश में घटती बेरोजगारी और केंद्र-राज्य की साझा विकास दृष्टि है : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 देश में घटती बेरोजगारी और केंद्र-राज्य की साझा विकास दृष्टि है। प्रदेश में बेरोजगारी की दर घटकर मात्र 1.5 प्रतिशत रह गई है। यह आंकड़ा प्रदेश की आर्थिक सेहत को दर्शाता है।

प्रदेश की राजधानी भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में केंद्रीय बजट पर आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी की दर का प्रतिशत यह भी संकेत देता है कि राज्य में रोजगार सृजन की दिशा में तेजी से सुधार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह उपलब्धि केंद्र और राज्य सरकार की समन्वित नीतियों, निवेश-अनुकूल वातावरण

और उद्योगों के विस्तार का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार का बजट 'एक आत्मा, एक लक्ष्य' के सिद्धांत पर आधारित है। ये बजट राज्य और केंद्र के पूरक है और देश व प्रदेश को दीर्घकालिक विकास की दिशा में ले जाने का कार्य कर रहे हैं। उनके अनुसार, केंद्रीय बजट कागजी दस्तावेज न होकर भविष्य का ठोस रोडमैप है, जोकि निवेशकों का विश्वास बढ़ाने और आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने में सक्षम है। मुख्यमंत्री ने वैश्विक परिप्रेक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्रीय बजट के पहले और बाद में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं, वे इसके प्रभाव को दर्शाती हैं। उन्होंने पाकिस्तान का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां की आर्थिक स्थिति ऐसी है कि उसे अमेरिका जैसे देशों से कर्ज लेने के लिए उनकी शर्तों को मानना पड़ता है, जबकि भारत आज अपनी नीतियों और संसाधनों के बल पर आगे बढ़ रहा है। यह अंतर भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत और वैश्विक विश्वास का प्रमाण है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रस्तुत बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री पहले ही कह चुके हैं कि इस बजट में गरीबों, युवाओं, अन्नदाताओं और महिलाओं पर विशेष फोकस किया गया है। बजट में 5 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के विकास के लिए अगले 5 वर्षों में 5000 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रावधान किया गया है।

अकाली नेता बिक्रमजीत मजीठिया सात माह बाद नाभा जेल से रिहा

एजेंसी

चंडीगढ़। आय से अधिक संपत्ति के मामले में पटियाला की जेल में बंद अकाली नेता बिक्रमजीत सिंह मजीठिया करीब सात माह बाद नाभा जेल से बाहर आ गए। सुप्रीम कोर्ट से सोमवार को जमानत मिलने के बाद मजीठिया के वकील आज जेल पहुंचे और इसके बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पंजाब की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। आम आदमी पार्टी मजीठिया को जेल में बंद करने को अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानती रही है। पंजाब से लेकर गुजरात तक पार्टी मंचों से कहती रही कि जिनका नाम लेने से भी लोग डरते थे, उन्हें हमने जेल भेज दिया। इस बीच नाभा जेल से बाहर आते ही मजीठिया ने समर्थकों का हाथ जोड़कर अभिवादन किया। इसके बाद उन्होंने अपने पुराने अंदाज में मूंछों को ताव दिया। उनके साथ उनकी पत्नी गनीव कौर भी मौजूद थी।मजीठिया ने कहा

कि धन-धन श्री गुरु ग्रंथ साहिब, गुरु गोबिंद सिंह महाराज का। गुरु साहिब की अपार कृपा। जितना सरकार ने दबाया, उतनी ताकत मिली। दिल्ली हुक्मरानों के साथ ईंट से ईंट टकरानी है। मुझे इस बात की प्रेरणा मिली है। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने बिक्रमजीत सिंह मजीठिया को पिछले साल 25 जून को आय से अधिक संपत्ति के मामले में गिरफ्तार किया था। तब से लेकर अब तक वह जेल में ही थे।

'परीक्षा पे चर्चा' का नौवां संस्करण 6 फरवरी को, प्रधानमंत्री ने एपिसोड देखने का किया आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से 6 फरवरी को प्रसारित होने वाले 'परीक्षा पे चर्चा' (पीपीसी) के विशेष एपिसोड को देखने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं की ऊर्जा, उत्साह और सामूहिक भावना को दर्शाने वाला एक प्रेरणादायक मंच है। 'परीक्षा पे चर्चा' का नौवां संस्करण 6 फरवरी को सुबह 10 बजे आयोजित होगा, जिसमें प्रधानमंत्री सीधे छात्रों से संवाद करेंगे। इस वर्ष कार्यक्रम के तहत देश के विभिन्न हिस्सों के विद्यार्थियों के साथ बातचीत की गई है। देवमोगरा, कोयंबटूर, रायपुर और गुवाहाटी के छात्र पहले ही संवाद में शामिल हो चुके हैं, जबकि नई दिल्ली स्थित 7, लोक कल्याण मार्ग पर भी छात्रों से विशेष चर्चा की गई। परीक्षा के मौसम से पहले आयोजित इस संवाद में प्रधानमंत्री ने एग्जाम वॉरियर्स के साथ बातचीत करते हुए तनावमुक्त परीक्षा, समय प्रबंधन, आत्मविश्वास और संतुलन बनाए रखने जैसे विषयों पर व्यावहारिक सुझाव साझा किए। उन्होंने छात्रों के उत्साह और खुलेपन की सराहना करते हुए इन अनुभवों को ताजगी भरा और प्रेरक बताया।सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा

कि जैसे-जैसे परीक्षाएं नजदीक आ रही हैं, वैसे-वैसे 'परीक्षा पे चर्चा' भी लौट आई है और सभी को यह विशेष एपिसोड अवश्य देखना चाहिए। शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री छात्रों से जुड़कर परीक्षा से जुड़े तनाव, तैयारी और अन्य चिंताओं पर चर्चा करते हैं। इस वर्ष पहली बार अलग-अलग क्षेत्रों के छात्रों को एक साथ जोड़ा गया है। इससे पहले यह कार्यक्रम केवल नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित होता था। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी नेशनल, डीडी न्यूज, डीडी इंडिया, ऑल इंडिया रेडियो और निजी चैनलों पर किया जाएगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री कार्यालय, शिक्षा मंत्रालय, दूरदर्शन, मायगव, यूट्यूब, फेसबुक लाइव और स्वयंप्रभा चैनलों पर भी इसे देखा जा सकेगा। साल 2018 में शुरू हुए 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में अब तक करोड़ों छात्र, शिक्षक और अभिभावक भाग ले चुके हैं। पीपीसी 2026 के लिए अब तक 4.19 करोड़ से अधिक छात्रों, 24.84 लाख शिक्षकों और 6.15 लाख अभिभावकों ने पंजीकरण कराया है। यह कार्यक्रम सरकार के 'एग्जाम वॉरियर्स' अभियान का हिस्सा है।

मेलबर्न में गांधीजी की मूर्ति चुराए जाने की भारत ने कड़ी निंदा की

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने मेलबर्न के रोविल में ऑस्ट्रेलियन इंडियन कम्युनिटी सेंटर में महात्मा गांधी की नई मूर्ति के चोरी होने की घटना की कड़ी निंदा की है और ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों से तुरंत मूर्ति बरामद कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ऑस्ट्रेलिया में महात्मा गांधी की प्रतिमा के संबंध में मीडिया के सवालों के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम मेलबर्न के रोविल स्थित ऑस्ट्रेलियाई भारतीय सामुदायिक केंद्र में अज्ञात लोगों द्वारा महात्मा गांधी की प्रतिमा को तोड़फोड़ कर हटाए जाने की कड़ी निंदा करते हैं। हमने इस मामले को ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के समक्ष उठाया है। उनसे लापता प्रतिमा को बरामद करने और दोषियों को सजा दिलाने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। उल्लेखनीय है कि मेलबर्न के रोविल स्थित ऑस्ट्रेलियाई भारतीय सामुदायिक केंद्र के बाहर से महात्मा गांधी की कांस्य प्रतिमा चोरी हो गई है।

ज्योतिरादित्य ने मप्र के अशोक नगर जिले को दी करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात

एजेंसी

अशोक नगर। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री और क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मध्य प्रदेश के चार दिवसीय प्रवास के तीसरे दिन अशोकनगर जिले को करोड़ों रुपये लागत की परियोजनाओं की सौगात दी। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने आज चंदेरी विधानसभा क्षेत्र में ऊर्जा और ईसागढ़ नगर में सड़क, स्वच्छता और रोजगार से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन किया, जिनकी कुल लागत 12.68 करोड़ से अधिक है। उन्होंने चंदेरी में उन्होंने 7 करोड़ की लागत के तीन विद्युत उपकेन्द्रों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। इसके अलावा ईसागढ़ को उन्होंने 5.68 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी। इस अवसर पर सिंधिया ने कहा कि ये परियोजनाएँ केवल निर्माण कार्य नहीं, बल्कि क्षेत्र के नागरिकों के जीवन को सरल, सुरक्षित और समृद्ध बनाने की दिशा में ठोस कदम हैं। उन्होंने ईसागढ़ गौरव दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि विकास तब सार्थक होता है, जब उसका लाभ पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। चंदेरी विधानसभा क्षेत्र में केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने ऊर्जा अवसंरचना को

नया बल देते हुए कहा कि बिजली किसी भी क्षेत्र के विकास की 'जीवनरेखा' है। इन उपकेंद्रों के माध्यम से किसान निर्बाध सिंचाई कर सकेंगे, छात्र बेहतर वातावरण में अध्ययन कर पाएंगे और व्यापारिक गतिविधियाँ बिना रुकावट आगे बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि मैं जब भी आपके बीच आता हूँ, अंधेरे को दूर करने के लिए ज्योति का प्रकाश साथ लाता हूँ।' उन्होंने स्मरण कराया कि गत नवंबर में भी अशोकनगर को 5 उपकेंद्रों की सौगात दी गई थी, जिससे 42 गाँवों को लाभ मिला था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने देश के 17,000 से अधिक ऐसे गाँवों तक बिजली पहुँचाई है, जो आजादी के बाद से अब तक अंधकार में थे। इसके बाद उन्होंने ईसागढ़ नगर में 5.68 करोड़ की लागत से संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएँ केवल सीमेंट और पत्थर की संरचनाएँ नहीं, बल्कि ईसागढ़ के उज्ज्वल भविष्य की ठोस नींव हैं। शहर का सड़क नेटवर्क होगा शत-प्रतिशत पूर्ण सिंधिया ने बताया कि 'मुख्यमंत्री अर्बन एरिया इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम' के तहत दो करोड़ की लागत से वार्ड 1 से 15 तक बनने वाली सीसी सड़कों के साथ ईसागढ़ का सड़क नेटवर्क शत-प्रतिशत पूर्ण होगा, जिसके बाद शहर में कोई भी सड़क कच्ची नहीं रहेगी। इससे आवागमन सुगम होगा, दुर्घटनाओं का जोखिम घटेगा और दैनिक जीवन की गति बढ़ेगी। इसके साथ ही, उन्होंने कायाकल्प अभियान के अंतर्गत एक करोड़ की लागत से बस स्टैंड से गुना मार्ग तक 600 मीटर लंबी सीसी रोड का भूमिपूजन किया, जो एक प्रभावी वैकल्पिक बायपास के रूप में कार्य करेगी और शहर को जाम की समस्या से स्थायी राहत देगी। इसके अलावा उन्होंने नाग वैली में 1.18 करोड़ की लागत से 10 आधुनिक दुकानों वाले शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का भूमिपूजन किया, जो स्थानीय युवाओं के लिए स्वरोज़गार का केंद्र बनेगा।

आतंकी संबंधों को लेकर एनआईए-एटीएस ने बाराबंकी से युवक को किया गिरफ्तार

एजेंसी

बाराबंकी। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) की सयुंक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले से एक संदिग्ध व्यक्ति को उठाया है। युवक पर आतंकियों से संपर्क होने का शक है। घर में तलाशी के दौरान टीम को कोई सामग्री नहीं मिली है।

बाराबंकी के पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने पुष्टि करते हुए बताया कि नगर कोतवाली क्षेत्र के सफेदाबाद स्थित हिंद इंस्टीट्यूट में जांच टीम पहुंची थी। यहां से बदोसराय थाना क्षेत्र स्थित खोर एत्मादपुर गांव निवासी राम लखन को हिरासत में लिया है। वह दिल्ली में एक ऑटो स्पेयर पार्ट्स कंपनी में काम करता है और अपनी कैंसर पीड़ित मां के इलाज के लिए दो दिन पहले बाराबंकी आया था।

पुलिस की ओर से बताया गया कि राम लखन सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय है। उसका 'रामलखन पासी 3628' नाम से फेसबुक अकाउंट है, जिसके करीब 6.3 हजार फॉलोअर्स हैं। हाल ही में उसने एक पोस्ट साझा की थी, जिसमें दो फरवरी को सीतापुर स्थित महाराजा छीता पासी के किले पर जाने का जिक्र था। जांच एजेंसियां इस पहलू को भी खंगाल रही है। पकड़े गए संदिग्ध राम लखन के छोटे भाई शिवम ने बताया कि कैंसर पीड़ित मां का इलाज हिंद इंस्टीट्यूट में चल रहा है। पिता झम्मन और भाई राम लखन अस्पताल में मां के साथ मौजूद थे, तभी बाहर से आई टीम भाई को अपने साथ ले गई है। छह गाड़ियों में मौजूद टीम गांव पहुंचकर मशीनों की मदद से करीब आधे घंटे तक घर की तलाशी ली, लेकिन कोई आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, राम लखन के पिता झम्मन ने 16 बीघा में से 8 बीघा जमीन को गिरवीं रखकर अपनी पत्नी इलाज कर रहे हैं। परिवार आर्थिक तंगी से गुजर रहा है। बाराबंकी के एसपी ने हिरासत की पुष्टि करते हुए बताया कि बदोसराय के खोर एतमादपुर गांव और हिंद इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में छापेमारी की गई है। राम लखन पर आतंकियों से कनेक्शन होने का शक है। एटीएस और एनआईए की टीम उसे लखनऊ में ले जाकर पूछताछ कर है। स्थानीय स्तर पर भी पुलिस की जांच जारी है।

दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी में आज होगा डब्ल्यूपीएल फाइनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट के फाइनल में गुरुवार को दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला पूर्व चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। इस मैव में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। अब तक दोनो ही टीमों ने इस टूर्नामेंट में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। दिल्ली ने गुजरात जायंट्स को एलिमिनेटर मुकाबले में सात विकेट से हराकर चौथी बार फाइनल में जगह बनायी है। वहीं लीग की अंकतालिका मे शीर्ष प रहकर आरसीबी ने सीधे फाइनल में प्रवेश किया।

एलीमिनेटर मुकाबले में दिल्ली ने पहले गेंदबाजी करते हुए गुजरात जायंट्स को सात विकेट पर 168 रनों पर ही रोक दिया। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को 15.4 ओवर में ही तीन विकेट के नुकसान पर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। दिल्ली की ओर से लिजेल ली ने 24 गेंद में 43, शेफाली वर्मा ने 21 गेंद में 31, कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने 23 गेंद में 41 रन और लौरा वोल्वर्डट ने 24 गेंद में नाबाद 32 रन बनाये। वहीं जायंट्स के लिए जॉर्जिया वेयरहम ने दो विकेट लिए।

इस सत्र में आरसीबी ने दमदार खेल दिखाया है। लीग राउंड में आरसीबी ने लगातार 5 मैच जीतकर प्लेऑफ में जगह बनायी थी। सत्र सीजन के 15वें मैच में दिल्ली ने आरसीबी को 7 विकेट से हराया था। वह मुकाबला भी वडोदरा में ही खेला गया था। दोनों टीमों के बीच अभी तक 9 मुकाबले हुए हैं। इसमें दिल्ली ने 6 जीते हैं जबकि आरसीबी ने तीन मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- स्मृति मंधाना (कप्तान), ग्रेस हैरिस, जॉर्जिया वोल, गौतमी नाइक, ऋचा घोष (विकेटकीपर), नादिन डी क्लर्क, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, प्रेमा रावत, सयाली सतघरे, लॉरेन बेल, प्रथ्योषा कुमार, अरुंधति रेड्डी, दयालन हेमलता, पूजा वस्त्राकर, लिन्से स्मिथ।

दिल्ली कैपिटल्स- जेमिमाह रोड्रिग्स (कप्तान),शैफाली वर्मा, लिजेल ली (विकेटकीपर), लौरा वोल्वार्ड्ट, मारिज़ैन कप्प, निकी प्रसाद, स्नेह राणा, लुसी हैमिल्टन, श्री चरणी, नंदनी शर्मा, मिन्नू मणि, तानिया भाटिया, अलाना किंग, चिनेले हेनरी, प्रगति सिंह, एडडला स्त्रुजाना।

एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में भारत की ईशा ने जीते दो स्वर्ण, पुरुष वर्ग में सम्राट को मिला कांस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ईशा सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप (पिस्टल/राइफल) स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीते है। ईशा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा के साथ-साथ टीम इवेंट में भी स्वर्ण पदक हासिल किया ओलंपियन ईशा ने फाइनल में शुरुआत में पीछे होने के बाद भी शानदार वापसी करते हुए 239.8 अंक हासिल कर स्वर्ण पर निशाना लगाया। उन्होंने चीनी ताइपे की चेंग येन चिंग 235.4 और यू ऐ वेन 217.7 को पीछे छोड़ा। इसी के साथ ही ईशा ने सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में दूसरा स्वर्ण जीता है। वहीं भारत की ही सुरुचि सिंह फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं। वहीं ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर सातवें स्थान पर रहीं। क्वालीफाइंग राउंड में सुरुचि ने 576 अंक, जबकि ईशा और मनु ने 575-575 अंक हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में सुरुचि 576, मनु 575 और ईशा 575 की तिकड़ी ने कुल 1726 अंक जुटाकर भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। वियतनाम और चीनी ताइपे दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।वहीं पुरुष वर्ग की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भारत के विश्व चैंपियन सम्राट राणा से फाइनल में असफल रहे और 220.3 अंक के साथ कांस्य पदक ही हासिल कर पाये। उज्बेकिस्तान के व्लादिमीर स्वेचनिकोव ने स्वर्ण पदक जीता।पुरुष टीम स्पर्धा में सम्राट राणा 581, श्रवण कुमार 578 और वरुण तोमर 573 ने कुल 1732 अंक हासिल किये।

भारत, इंग्लैंड, सहित ये चार टीमें टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंचेंगी : वॉन

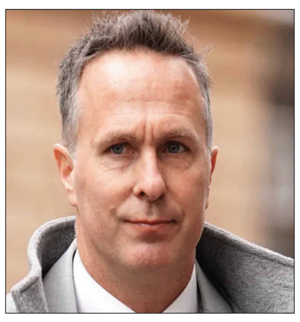

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से शुरु हो रहे टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार संभावित टीमों के नाम बताये हैं। वॉन के अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलियाई टीमें अंतिम चार में पहुंच सकती हैं। वॉन की इस सूची में पिछले साल की उपविजेता दक्षिा अफ्रीका का नाम नहीं है। वॉन के अनुसार इस बार दक्षिण अफ्रीकी टीम की संभावनएं काफी कम हैं।

वॉन ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल के प्रबल दावेदार हैं। इस बार टी20 विश्वकप का प्रारुप 2024 संस्करण जैसा ही रहेगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया की शीर्ष-10 20 रैंकिंग वाली टीमों में से 9 टीमें हिस्सा लेंगी। वॉन ने लिखा, टी20 विश्व कप 2026 में मेरे अनुसार मेजबान भारत के अलावा इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। इस बार कुल 20 टीमें खिताब के लिए उतरेंगी आएंगी। शीर्ष 10 रैंक वाली टीमों में से नौ टीमें खेलेंगी। इस बार बांग्लादेश ने इन टूर्नामेंट का बहिष्कार किया है। ऐसे में उसकी जगह पर स्कॉटलैंड की टीम उतरेगी।

ग्रुप चरण में पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप होंगे। हर ग्रुप से टॉप दो टीमें सुपर 8 चरण में जाएंगी। भारत ग्रुप ए में पाकिस्तान, नीदरलैंड्स, नामीबिया और अमेरिका के साथ है। इसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को अमेरिका के खिलाफ कारेग, उसके बाद 12 फरवरी को नामीबिया और 18 फरवरी को नीदरलैंड्स से खेलेगी। वहीं पाकिस्तान की टीम 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर रहेगी। ऐसे में इस मैच में भारतीय टीम को बिना खेले ही वॉकओवर की स्थिति में भारत को पूरे अंक मिलेंगे।

इंग्लैंड को ग्रुप सी में रखा गया है। इंग्लैंड की आठ फरवरी को नेपाल, 11 फरवरी को वेस्टइंडीज , 14 फरवरी को स्कॉटलैंड और 16 फरवरी को इटली से खेलना है। ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में है, जहां उसका सामना आयरलैंड से 11 फरवरी, जिम्बाब्वे से 13 फरवरी, श्रीलंका से 16 फरवरी और ओमान से 20 फरवरी को होगा। न्यूजीलैंड ग्रुप डी में है, जिसमें अफगानिस्तान, यूएई, दक्षिण अफ्रीका और कनाडा शामिल। न्यूजीलैंड टीम 8 फरवरी को अफागानिस्तान, 10 फरवरी को यूएई, 14 फरवरी को साउथ अफ्रीका और 17 फरवरी को कनाडा के विरुद्ध खेलेगी।

आईसीसी टी20आई रैंकिंग : ईशान किशन की बड़ी छलांग, टॉप-10 में ये तीन भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत का दबदबा साफ नजर आ रहा है। ताज़ा सूची में अभिषेक शर्मा नंबर-1 पर कायम हैं, जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव टॉप-10 में जगह बनाए हुए हैं और तिलक वर्मा भी बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर शीर्ष बल्लेबाजों में शामिल हैं। इसी बीच, विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार वापसी सीरीज के बाद 32 पायदान की छलांग लगाते हुए बल्लेबाजों की रैंकिंग में 32वें स्थान पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में बाएं हाथ के ईशान किशन ने महज तीन मैचों में 207 रन बनाए, जिसमें उनका पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक भी शामिल रहा। टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से ठीक पहले जारी हुई इस रैंकिंग ने किशन की मजबूत फॉर्म पर मुहर लगा दी है।

सूर्यकुमार यादव को फायदा, अभिषेक शर्मा कायम शीर्ष पर

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव भी रैंकिंग में आगे बढ़ते हुए पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

वहीं, युवा ओपनर अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर अपना दबदबा बनाए हुए हैं।

साइम अयूब बने नंबर-1 टी20ह्व ऑलराउंडर

पाकिस्तान के ओपनर साइम अयूब ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर टी20ह्व ऑलराउंडर्स रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। पाकिस्तान ने यह सीरीज 3-0 से जीती थी, जिसमें 23 वर्षीय अयूब ने 119 रन बनाने के साथ तीन विकेट भी झटके। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा को शीर्ष स्थान से हटाया।

पाकिस्तानी गेंदबाजों को भी फायदा

पाकिस्तान के मुख्य स्पिनर अब्रार अहमद ने भी बड़ी छलांग लगाते हुए गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल किया। वह शीर्ष पर काबिज वरुण चक्रवर्ती से अब सिर्फ 28 अंक पीछे हैं। ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज, जिन्होंने सीरीज में पांच विकेट लिए थे, गेंदबाजों की सूची में आठ स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए।

अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग में बदलाव

इंग्लैंड के लेग-स्पिनर आदिल राशिद दो पायदान चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर आठ स्थान की छलांग के साथ संयुक्त 23वें स्थान पर हैं। बल्लेबाजों की टॉप-10 सूची में भी बदलाव देखने को मिला–इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो बटलर तीसरे स्थान पर पहुंचे, श्रीलंका के पथुम निसांका पांचवें और न्यूजीलैंड के टिम सिफर्ट नौवें स्थान पर पहुंच गए।

दक्षिण अफ्रीका के ओपनर रयान रिकेल्टन ने 42 स्थान की छलांग लगाकर 40वां स्थान हासिल किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन 16 पायदान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गए। शानदार शतक जड़ने वाले क्विंटन डी कॉक को भी फायदा मिला और वह 15 स्थान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गए।

बार्सिलोना ने अल्बासेटे को 2–1 से हराकर कोपा सेमीफाइनल में

मैड्रिड। लामिन यामल और रोनाल्ड अरौजो ने प्रत्येक हाफ में एक–एक गोल किया, जिससे बार्सिलोना ने मंगलवार को दूसरी श्रेणी की टीम अल्बासेटे को 2–1 से हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई।अल्बासेटे ने राउंड ऑफ 16 में रियाल मैड्रिड को हराकर सबको चौंका दिया था। बार्सिलोना के सामने भी उसने अच्छी चुनौती पेश की। बार्सिलोना की सभी टूर्नामेंटों में खेले गए पिछले 17 मैचों में यह 16वीं जीत है। वह लगातार चौथी बार कोपा सेमीफाइनल में पहुंचा है। उसने पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड को हराकर खिताब जीता था। बार्सिलोना स्पेनिश लीग में शीर्ष पर है और रियाल मैड्रिड से एक अंक आगे है। कोपा का सेमीफाइनल दो चरणों में खेला जाएगा। फाइनल अप्रैल में सेविला में होगा।

टी20 विश्वकप में अश्विन का रिकार्ड तोड़ सकते हैं बुमराह और अर्शदीप

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम ने पिछले कुछ समय में जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है। उसको देखते हुए टीम को इस बार टूर्नोमेंट में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह पर भी इस टूर्नामेंट में सबकी नजरें रहेंगी। ये दोनो ही इस टूर्नोमेंट में सबसे अधिक विकेट लेने के नये रिकार्ड बना सकते हैं। बूमराह और अर्शदीप का प्रदर्शन पहले भी अच्छा रहा है और इस बार भी ये दोनो नये रिकार्ड बना सकते हैं। इन दोनों के पास इस बार दिग्गज स्पिनर आर अश्विन के सबसे अधिक 32 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का अवसर है।

जसप्रीत बुमराह- बुमराह ने अब तक 5 टी 20 विश्व कप खेले हैं और वह टी20 इतिहास में भारत के तीसरे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ हैं। बुमराह ने 2016 से 2024 तक टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 18 मैचों में 5.44 की शानदार इकॉनमी से 26 विकेट लिए हैं।

अर्शदीप सिंह- अर्शदीप ने अब तक टी20 विश्वकप के दो संस्कारणों में 27 विकेट लिए हैं। अर्शदीप सबसे अधिक विकेट लेने वालों की सूची में कुल मिलाकर 22वें स्थान पर हैं, जहां उनके साथ न्यूज़ीलैंड के ईश सोढ़ी और वेस्टइंडीज़ के ड्वेन ब्रावो भी शामिल हैं। हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था।

आर अश्विन-पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय और स्पिन गेंदबाज़ी के दिग्गज रविचंद्रन अश्विन के नाम आईसीसी टीम विश्वकप इतिहास में सबसे ज़्यादा विकेट लेने भारतीय गेंदबाज हैं। साल 2012 से 2022 तक टूर्नामेंट खेलने वाले अश्विन ने 24 मैचों में 6.49 की इकॉनमी से 32 विकेट लिए हैं। ओवरऑल रैंकिंग में वह मिचेल स्टार्क के साथ संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर हैं।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में भी श्रीलंका को हराकर 3-0 से सीरीज जीती

कोलंबे (एजेंसी)। इंग्लैंड ने यहां तीसरे टी20 क्रिकेट मैच में भी मेजबान श्रीलंकाई टीम को करीबी मुकाबले में 12 रनों से हराकर 3-0 से सीरीज जीत ली है। पहले दोनों मुकाबले भी श्रीलंकाई टीम हारी थी। टी20 विश्वकप के ठीक पहले मिली इस करारी हार से श्रीलंकाई टीम को करारा झटका लगा है। इससे उसकी विश्वकप के लिए तैयारियों पर भी सवाल उठ रहे हैं। तीसरे टी20 में सैम करन की करन के 48 गेंदों में 58 रनों की सहायता से इंग्लैंड की टीम ने 128 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का सामना करते हुए श्रीलंकाई टीम 19.3 ओवर में 116 रनों पर ही आउट हो गयी और इस प्रकार 12 रनों से मैच हार गयी। इस मैच में इंग्लैंड की टीम के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया पर टीम के बल्लेबाज असफल रहे। पूरी टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 28 रन ही बना पायी। सैम करन के 58 रनों की पारी के अलावा कई अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पाया। इंग्लैंड की ओर से केवल 3 बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। सैम करन के अलावा जोस बटलर ने 25 और लियाम डॉसन ने 14 रन बनाए। इसके बाद 129 रनों के छोटे से लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई बल्लेबाजी भी ढ़ेर हो गयी। उसके पांच बल्लेबाजों ने दो अंकों को पार किया पर कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल पाया। , कुसल मेंडिस ने 26 रन , पथुम निसंका ने 23 जबकि जनित लियानगे ने 17 रन बनाये, कमिंदु मेंडिस ने 14 जबकि पवन रथनायके ने 13 रन बनाये। दूसरी ओर इंग्लैंड की ओर से जैकब बेथेल ने 4 जबकि विल जैक्स ने 3 विकेट लिए।

पूर्व पाक कप्तान राशिद लतीफ को अब भी भारत–पाक मैच होने की उम्मीद

लाहौर । पाकिस्तान ने जबसे टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने की बात कही है। जिसके बाद से ही इस मामले को लेकर क्रिकेट जगत में घमासान मचा है। ये अटकलें लगायी जा रही हैं कि इस मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) किस प्रकार के कदम उठाता है। वहीं इस सब के बीच ही पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने दावा किया है कि उन्हें अब भी कोलंबो में भारत पाकिस्तान मैच के होने की उम्मीदें हैं। लतीफ ने कहा, मेरा मानना है कि यह फैसला सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है। इसका असर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईसीसी के काम करने के तरीके पर भी पड़ेगा। यह कोई रूटीन फैसला नहीं है। इसमें बातचीत के बाद बदलाव हो सकते हैं। एक फैसले में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का माहौल बदलने की क्षमताएं हैं। भारत–पाकिस्तान मुकाबला किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट का सबसे रोमांचक मैच माना जाता है, जिसे देखने वालों की संख्या अन्य मैचों से कहीं अधिक होती है। विश्व स्तर पर सबसे अधिक प्रायोजकों की रुचि और प्रसारण राजस्व भी इसी मैच से आता है। लतीफ का मानना है कि अभी जो भी कहा जा रहा है वह अलग बात है पर 15 फरवरी को दोनो के बीच मैच होने की संभावनाएं बनी हुई हैं। साथ ही कहा कि क्रिकेट से कारोबार भी जुड़ा है। इसके फैसले राजनीतिक स्तर पर लिए जाते हैं जिनका पालन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीस) करती है।

भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल में जीत से शुरुआत की

लानुसिया (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 मुक्केबाजी टूर्नामेंट में शानदार जीत के साथ शुरुआत की है। इस टूर्नामेंट में 21 देशों के 214 मुक्केबाज उतरे हैं। इसमें भारतीय मुक्केबाजों ने अपने शुरुआती मुकाबले जीत लिये हैं। भारत के हितेश गुलिया ने पुरुषों के एलीट 70 किग्रा वर्ग में अपने जबरदस्त प्रहारों से नीदरलैंड के फिन बोस को 5–0 से हराया। वहीं महिलाओं के एलीट 54 किग्रा वर्ग में प्रीति ने कजाकिस्तान की अलियास्कर सिम्बैट के खिलाफ 5–0 से आसान जीत दर्ज की। इस टूर्नामेंट में प्रीति के अलावा भारत ही प्राची ने 57 किग्रा और प्रिया ने 60 किग्रा भार वर्ग में स्पेन की वनेसा मोरेल रामिरेज़ और कनाडा की एलेशिया मानसुएटो को 5–0 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। भारत की की काजल ने 65 किग्रा भार वर्ग में कजाकिस्तान की असीम तनातार को 4–1 से हराया। वहीं पुरुष वर्ग में हितेश के अलावा सचिन ने 60 किग्रा भार वर्ग में मेजबान स्पेन के ब्रैंडन एलेजांद्रो को 5–0 से हराया जबकि जबकि मोहम्मद हुसामुद्दीन ने 60 किग्रा वर्ग में डेनमार्क के मटियास मेहमत बुयुक्देमिर को 4–1 से पराजित किया। अभिनाश जमवाल 65 किग्रा भार वर्ग में डेनमार्क के क़ालिद उस्मान को एकतरफ मुकाबले में 5–0 से हराने में सफल रहे। इसके अलावपा दीपक, आकाश और अंकुश भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गये है। दीपक ने 70 किग्रा भार वर्ग में बेल्जियम के हॉर्नेल आयतेवी को 4–1 से हराया। वहीं आकाश ने 75 किग्रा और अंकुश ने 80 किग्रा भाग वर्ग में भी 4–1 के अंतर से जीत हासिल कर अगले दौर में जगह बनाई।

मौजूदा भारतीय टीम टी-20 में दुनिया की सबसे खतरनाक टीम: धोनी

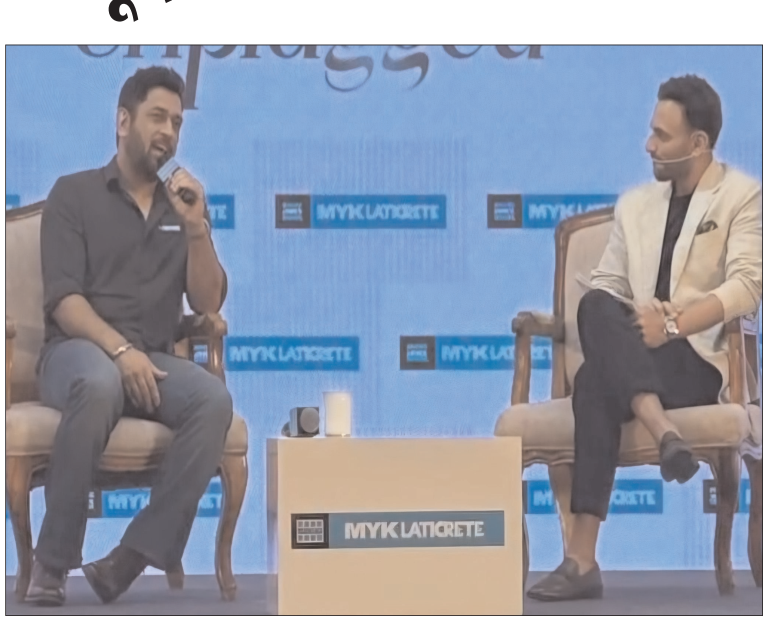

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम की संभावनाओं पर भरोसा जताया है। विश्व कप विजेता कप्तान का मानना है कि टीम इंडिया के पास अनुभव, कौशल और संतुलन का सही मिश्रण है।

धोनी ने इस बात पर जोर दिया कि टीम की ताकत इस बात पर निर्भर करती है कि खिलाड़ी दबाव वाली स्थितियों को कितनी अच्छी तरह से संभालते हैं और उनका रोल कितने अच्छे से तय है। खिलाड़ी हमेशा मैच के लिए तैयार रहते हैं, चाहे वह बैटिंग हो या बॉलिंग, जिससे भारत को अपने प्रतिद्वंद्वियों पर एक महत्वपूर्ण बढ़त मिलती है।

धोनी ने कहा, 'यह सबसे खतरनाक टीमों में से एक है। आप जानते हैं, उन्होंने (भारतीय खिलाड़ी) पहले ही बैटिंग या बॉलिंग शुरू कर दी होगी, लेकिन एक अच्छी टीम में क्या चाहिए? सब कुछ है। उनके पास अनुभव है। खासकर जब इस फॉर्मेट की बात आती है, तो अनुभव बहुत ज्यादा है। उन्होंने दबाव में खेला है। जो भी खिलाड़ी टीम में जो भी भूमिका निभा रहे हैं, वे काफी समय से उस स्थिति में रहे हैं।'

हालांकि धोनी आशावादी नजर आ रहे हैं, लेकिन उनका मानना है कि ओस व्हाइट-बॉल क्रिकेट में सबसे सावधानी से बनाई गई योजनाओं को भी खराब कर सकती है। माही के मुताबिक, ओस परिस्थितियों को काफी प्रभावित कर सकती है। टॉस के फैसलों को महत्वपूर्ण बना सकती है, जिससे मैचों में संभावित रूप से अनुचित फायदे हो सकते हैं।

धोनी ने कहा, 'मुझे किस बात की चिंता है? मुझे ओस से नफरत है। ओस बहुत सी चीजें बदल देती है। इसलिए, जब मैं खेलता था, तो एक चीज जो मुझे सच में डराती थी, वह थी ओस। अगर हम कुछ बेहतरीन टीमों के साथ 10 मैच खेलते हैं, तो हम ज्यादातर बार विजेता बनकर उभरेंगे। अगर स्थितियां न्यूट्रल रहती हैं।'

चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान ने यह भी बताया कि टी20 क्रिकेट अप्रत्याशित होता है, जहां एक खराब खेल या विपक्षी टीम का शानदार प्रदर्शन परिणाम को पूरी तरह से बदल सकता है।

पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'समस्या तब होती है जब आपके कुछ खिलाड़ी अच्छा नहीं खेलते और विपक्षी टीम का कोई खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन करता है। टी20 ग्रुप में ऐसा हो सकता है। तो, यही वह समय है। चाहे यह लीग स्टेज में हो, चाहे यह नॉकआउट स्टेज में हो, यहीं पर दुआओं की जरूरत होती है। आप जानते हैं, किसी को चोट नहीं लगनी चाहिए। जो भी भूमिकाएं दी गई हैं, लोगों को टीम के लिए अपनी भूमिकाएं निभानी चाहिए।'

शनाका की कप्तानी में टी20 विश्वकप में उतरेगी श्रीलंकाई टीम, मेंडिस की वापसी

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने सात फारवरी से शुरु हो रहे टीम 20 विश्वकप 2026 के लिए दासुन शनाका की कप्तानी में अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में कामिंदु मेंडिस की भी वापसी हुइ है। मेंडिस ने नवंबर 2025 के बाद से ही नहीं खेला है। अब तक खेले गए 35 टी20 मैचों में कामिंदु मेंडिस ने 3 अर्धशतक के साथ ही 540 रन बनाए हैं। चयनकर्ताओं ने पिछले अच्छे प्रदर्शन के आधार पर उन्हें अवसर दिया है। वहीं धनंजय डी सिल्वा को टीम से बाहर कर दिया गया है। वहीं चयनकर्ताओं ने अनुभवी ऑलराउंडर धनंजय डी सिल्वा को टीम में शामिल नहीं किया है। सिल्वा का प्रदर्शन इस साल की शुरुआत से ही अच्छा नहीं रहा है। वह तीन पारियों में केवल 43 रन बना पाए और गेंदबाजी में भी केवल एक ही विकेट ले पाये थे। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में प्रभावित न कर पाने से चयनकर्ताओं ने उन्हें 15 सदस्यीय स्क्वॉड से बाहर रखा है। वहीं शनाकाको को अनुभवी होने के कारण कप्तानी दी गई है। टी20 फॉर्मेट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 123 टी20 मैचों में 1743 रनों के अलावा 43 विकेट भी लिए हैं। ईशन मलिंगा को भी टीम में शामिल किया है हालांकि उनके खेलने का फैसला फिट होने पर लिया जाएगा। उनकी फिटनेस को लेकर सवाल बने हुए हैं। इस तेज गेंदबाज को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की ञ्20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में कंधे में चोट लगी थी। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। टीम की बल्लेबाजी पाथुम निसांका, कुसल मेंडिस, चरिथ असलंका और कुसल परेरा पर निर्भर करेगी। इसके अलावा युवा खिलाड़ी पवन रत्नायके को भी टीम में जगह मिली है, जिन्होंने हाल के समय में टी20 में अच्छा प्रदर्शन किया है।

ओ रोमियो के लिए एविनाश तिवारी ने सीखे फ्लेमेंको मूव्स

लैला मजनू की दर्दभरी शिद्दत हो, मडगांव एक्सप्रेस की कॉमिक टाइमिंग, खाकी- द बिहार चैप्टर की सख़्ती या द मेहता बॉयज़ का ड्रामा ङ्क एविनाश तिवारी ने अपने काम से हर बार ये साबित किया है कि वो इमोशन्स और रेंज के खिलाड़ी हैं. उनकी परफॉर्मेंस हमेशा गहराई और असर के लिए सराही गई है. लेकिन इस बार जो सामने आया, वो थोड़ा हटकर है। विशाल भारद्वाज की आने वाली फिल्म ओ रोमियो की तैयारी में एविनाश ने फ्लेमेंको डांस को भी अपना हथियार बनाया। हाल ही में एविनाश ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो फ्लेमेंको डांस करते नज़र आ रहे हैं. इसी आर्ट फॉर्म के ज़रिए उन्होंने अपने किरदार जलाल को गढ़ा है, जो फिल्म में एक माटाडोर और एंटैगनिस्ट है। जलाल की खतरनाक मौजूदगी सिर्फ हिंसा से नहीं, बल्कि कंट्रोल और ठहराव से आती है। वीडियो में एविनाश की सीधी खड़ी देह, तेज़ फुटवर्क और भीतर दबा तनाव साफ महसूस होता है। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, स्पेन जाने से पहले। भाषा सीखने से पहले। शरीर पहले ही सब जानता था। ओ रोमियो की तैयारी की एक झलक। फिल्म में फ्लेमेंको का हिस्सा भले ही छोटा हो, लेकिन उसकी तैयारी बिल्कुल भी छोटी नहीं थी। एक अहम सीन के लिए एविनाश ने स्क्रीन पर फ्लेमेंको किया, हालांकि वो सीन फिल्म में रहेगा या नहीं, ये अभी देखना बाकी है। इस ट्रेनिंग का मकसद था माटाडोर की बॉडी लैंग्वेज को समझना ङ्क जलाल कैसे ज़मीन पर टिककर खड़ा होता है। कैसे सोच-समझकर आगे बढ़ता है और कैसे ख़ामोशी में भी खतरा बनाए रखता है। इतना तो साफ है कि डांस-ड्रिवन फिल्मों में भी एविनाश की ज़बरदस्त संभावना है, जो उनकी वर्सेटिलिटी की एक और झलक देती है। ओ रोमियो में अपने इस फियरस और ट्रांसफॉर्मेटिव रोल को लेकर पहले से ही चर्चा में बने एविनाश के पास आगे इम्तियाज़ अली की ओ साथी रे और प्रशांत झा की गिन्नी वेड्स सनी 2 भी हैं। ये सब मिलकर उन्हें उनकी पीढ़ी के सबसे भरोसेमंद और एक्साइटिंग एक्टर्स में और मज़बूती से खड़ा करता है।

साउथ ने मुझे जिस तरह का प्यार दिया उसके लिए मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं

अभिनेत्री श्रिया सरन अपकमिंग फिल्म दृश्यम 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। उत्तराखंड में जन्मी और हिंदी बोलने वाले परिवार में पली-बढ़ी अभिनेत्री ने साउथ इंडियन सिनेमा में काम किया। उन्होंने साउथ की फिल्मों में तब काम किया जब उन्हें तमिल और तेलुगु बोलना नहीं आता था। 25 साल के अपने करियर में श्रिया ने हिंदी सिनेमा में भी काम किया है। श्रेया ने साउथ इंडियन एक्ट्रेस कहे जाने पर अपनी बात रखी है।

श्रिया सरन ने अपनी जिंदगी में हुए कई बदलावों को लेकर कहा मेरा जन्म हरिद्वार में हुआ था। मैं अपनी जिंदगी के 17 साल वहीं रही। फिर मैं दिल्ली आ गई, ताकि कथक सीख सकूं। फिर मैंने 17 साल की उम्र में एक्टिंग शुरू की। यह मेरे परिवार के लिए एक बहुत बड़ा कदम था। मेरे पापा इंजीनियर हैं, मां अध्यापक हैं।

साउथ में सीखी ये चीजें

श्रिया सरन का मानना है कि शुरुआती वर्षों ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया। उन्होंने कहा क्योंकि मैं दिल्ली में एक छोटे शहर की लड़की थी, साउथ में जाना और काम करना मेरे लिए हैरान करने वाला था। वहां से जब मैं सेट पर गई, नई भाषाएं सीखी, यह सब, मुझे लगता है कि इसने मुझे जिंदगी के लिए सच में तैयार किया। साउथ ने मुझे जिस तरह का प्यार दिया है, उससे मैं सच में खुद को खुशनसीब मानती हूं। मेरा दिल साउथ इंडियन है।

आप जो मानते हैं आप वही हैं

साउथ इंडियन कहे जाने पर अभिनेत्री ने कहा मैंने जो चीजें सीखीं, उनमें से एक यह है कि आप वही हैं जो आप खुद को मानते हैं। अगर आप बढ़ते रहते हैं और सीखते रहते हैं और जिंदगी को आपको चीजें सिखाने देते हैं, तो आप उसे बेहतर तरीके से जीना शुरू कर देते हैं।

श्रिया सरन का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि श्रिया सरन ने 2001 में तेलुगु फिल्म इष्टम से डेब्यू किया। वह छत्रपति, शिवाजी, पोक्किरी राजा और मनम जैसी कई तमिल और तेलुगु फिल्मों में नजर आईं। इसके साथ ही, उन्होंने हिंदी सिनेमा में भी अपनी लगातार मौजूदगी बनाए रखी है, खासकर दृश्यम फ्रेंचाइजी में। श्रिया सरन 23 जनवरी 2026 को रिलीज हुई सीरीज स्पेस जेन- चंद्रयान में नजर आ रही हैं। वह इस साल के आखिर में दृश्यम 3 में बड़े पर्दे पर भी वापसी करेंगी।

कोहरा 2 से मोना सिंह ने लिया जिंदगी का सबक

अभिनय की दुनिया में किसी किरदार को जीते-जीते कलाकार कई बार खुद को भी नए सिरे से समझने लगते हैं। अभिनेत्री मोना सिंह के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। वेब सीरीज कोहरा के दूसरे सीजन पर काम करते हुए मोना ने जिंदगी से जुड़ी कई अहम सीख हासिल की। इसे लेकर उन्होंने खुलकर बात की। मोना सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, कोहरा का दूसरा सीजन मेरे लिए सिर्फ एक नई भूमिका नहीं थी, बल्कि यह मेरे निजी जीवन से भी गहराई से जुड़ गया। इस कहानी ने मुझे यह समझने में मदद की कि इंसान कितना संवेदनशील होता है और कैसे हर कोई अपनी-अपनी लड़ाई चुपचाप लड़ रहा होता है। इस सीरीज पर काम करते हुए मुझे यह एहसास हुआ कि हर चीज पर नियंत्रण रखना न तो संभव है और न ही जरूरी। मोना ने कहा, इस सीरीज से मुझे सबसे बड़ा सबक यह मिला कि जिंदगी में कई बार चीजों को छोड़ देना ही सही रास्ता होता है। जिन बातों, हालातों या भावनाओं का अब कोई मतलब नहीं रह जाता, उन्हें पकड़े रहना खुद को दुख देने जैसा है। हालात जैसे भी हों, उन्हें स्वीकार करना और आगे बढ़ जाना ही मानसिक शांति की कुंजी है। यही सीख मेरे लिए इस सीरीज की सबसे बड़ी देन बन गई।

कोहरा 2 में मोना सिंह की एंट्री कहानी को एक नया मोड़ देती है। इस बार दर्शकों को एक और गहरी, अंधेरी और रहस्यमयी कहानी देखने को मिलेगी। मोना के साथ इस सीजन में बरुन सोबती और रणविजय सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कोहरा 2 की कहानी इस बार जगराना से आगे बढ़ते हुए दलेरपुरा पहुंचती है, जहां माहौल पहले से ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी है। एएसआई अमरपाल गरूंडी का तबादला दलेरपुरा पुलिस स्टेशन में हो जाता है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण मोना सिंह हैं, जो गरूंडी की नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका निभा रही हैं। दोनों का काम करने का तरीका अलग है, सोच अलग है, लेकिन लक्ष्य एक ही है सच तक पहुंचना। जैसे-जैसे वे एक हत्या के मामले की परतें खोलते हैं, वैसे-वैसे उनके अपने अतीत से जुड़े कई दबे हुए राज भी सामने आने लगते हैं। पंजाब की पृष्ठभूमि में बुनी गई यह कहानी धीमी रफ्तार में आगे बढ़ती है, लेकिन हर मोड़ पर असर छोड़ती है।

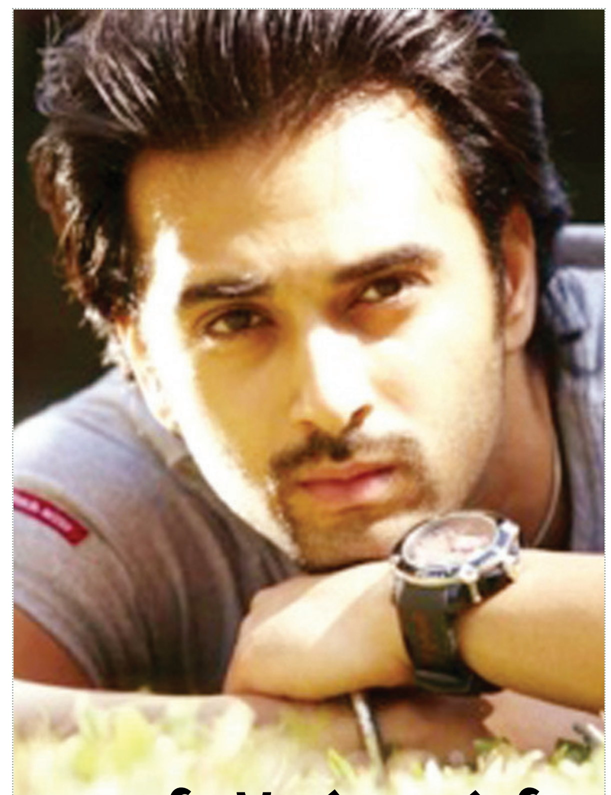

हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में बॉक्सर के रूप में नजर आने वाले हैं पुलकित

पुलकित सम्राट अपने करियर के एक अहम मोड़ पर खड़े हैं। फिलहाल वे अपनी पहली ओटीटी सीरीज़ ग्लोरी के साथ डिजिटल स्पेस में दमदार एंट्री करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिलहाल हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में पुलकित एक बिल्कुल नए अवतार यानी एक बॉक्सर के रूप में नजर आनेवाले हैं। हालांकि पुलकित के लिए यह किरदार उनके किसी सपने के सच होने जैसा है। गौरतलब है कि ग्लोरी, एक पेशेवर बॉक्सिंग के साथ प्रतिस्पर्धी दुनिया में सेट एक मशहूर कोच और उसके दो अलग हुए बेटों की कहानी है, जिनके ओलंपिक सपने आपसी टकराव, अधूरे जज़्बात, प्रतिद्वंद्विता और बदले की भावना से टकराते हैं। इस भावनात्मक और रोमांचक कहानी के केंद्र में पुलकित का किरदार है, जो न सिर्फ शारीरिक ताकत बल्कि गहरी भावनात्मक सच्चाई की भी मांग करता है। अपने अनुभव को साझा करते हुए पुलकित मानते हैं कि यह सफर आसान नहीं था। वह कहते हैं, यह प्रक्रिया बेहद इंटेंस रही है, लेकिन उतनी ही एडिक्टिव भी। बता दें कि पुलकित को इस किरदार की तैयारी के लिए कड़ी फिज़िकल ट्रेनिंग से गुजरना पड़ा, साथ ही भावनात्मक स्तर पर भी खुद को पूरी तरह झोंकना पड़ा। एक बॉक्सर की भूमिका निभाना उनके लिए कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलकर खुद को नए सिरे से खोजने जैसा है।

पुलकित यह भी कहते हैं, अगर अभिनेता सेफ खेलते रहें, तो उनकी ग्रोथ रुक जाती है और सब कुछ फॉर्मूला बन जाता है। अब हम इसके लिए तो अभिनेता नहीं बने है न। उनके अनुसार, खुद को चुनौती देना न सिर्फ कलाकार के विकास के लिए ज़रूरी है, बल्कि दर्शकों को कुछ नया देने के लिए भी ज़रूरी है। बीते सालों में पुलकित सम्राट ने अपनी फिल्मोग्राफी में विविधता और प्रयोग के जरिए एक अलग पहचान बनाई है,फिर चाहे वह हल्की-फुल्की एंटरटेनर फिल्में हों, गंभीर हों या परफॉर्मेंस-ड्रिवन रोल्स हों। रही बात ग्लोरी की तो इस फिल्म का किरदार उनके करियर में एक मजबूत परत जोड़ता है। यह एक ऐसा किरदार है, जो अनुशासन, संवेदनशीलता और सच्ची भावनात्मक ईमानदारी की मांग करता है। फिलहाल ग्लोरी के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रख रहे पुलकित एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं, जो जोखिम उठाने के साथ-साथ खुद को नए रूप में गढ़ने और रचनात्मक महत्वाकांक्षा से भरा है। हालांकि ग्लोरी में बॉक्सर के रूप में वह न सिर्फ अपने एक लंबे समय से चले आ रहे सपने को पूरा कर रहे हैं, बल्कि एक ऐसे अभिनेता के रूप में अपनी पहचान और मजबूत कर रहे हैं, जो हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को लगातार विकसित करता जा रहा है।

प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के बाद क्या करने वाले हैं अरिजीत सिंह? अनुराग बसु ने दी बड़ी हिंट

मौजूदा वक्त के सबसे पसंदीदा और सुपरहिट सिंगर अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के अपने फैसले से हर किसी को हैरान कर दिया है। इस घोषणा के बाद से अरिजीत सिंह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने हुए हैं। कई प्रशंसक इसके पीछे का कारण जानने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि, अरिजीत संगीत बनाना जारी रखेंगे। लेकिन अरिजीत सिंह आगे क्या करेंगे, इसको लेकर अब निर्देशक अनुराग बसु ने एक बड़ी हिंट दी है। अनुराग की कई फिल्मों में अरिजीत ने गाने गाए हैं। जानिए अनुराग बसु ने अरिजीत सिंह के फ्यूचर प्लान को लेकर क्या कुछ बताया?

अरिजीत के फैसले का अनुराग को था पहले से ही अंदाजा

अनुराग बसु और अरिजीत सिंह के बीच गहरी दोस्ती है। ऐसे में जब अनुराग बसु से अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के फैसले के बारे में पूछा गया तो निर्देशक ने कोई हैरानी नहीं जताई। बल्कि उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से ही इसका अंदाजा था। बीबीसी हिंदी से बातचीत में अनुराग बसु ने कहा कि अरिजीत सिंह के फैसले से दुनिया सदमे में थी, लेकिन मुझे जरा भी हैरानी या झटका नहीं लगा। मैं अरिजीत को लंबे समय से जानता हूं और मुझे लगता है कि वह बेहद प्रतिभाशाली हैं और सिंगिंग के अलावा भी बहुत कुछ करना चाहते हैं।

फिल्म मेकिंग की अरिजीत को है काफी जानकारी

अनुराग बसु ने आगे बताया कि उन्हें अरिजीत सिंह के फिल्म निर्माण के प्रति जुनून के बारे में पता था। निर्देशक ने कहा कि उन्होंने मुझसे 'बर्फी' में मेरा असिस्टेंट बनने के लिए कहा था। उन्हें फिल्म मेकिंग की काफी गहरी जानकारी है। इसके अलावा अरिजीत बच्चों के लिए एक स्कूल खोलना और उनके साथ समय बिताना भी पसंद करते हैं। उनकी कई योजनाएं हैं।

अरिजीत ने शुरू कर दी पहली फिल्म की शूटिंग

इसके अलावा एक सूत्र ने उसी पोर्टल को बताया कि अरिजीत ने अपनी पहली हिंदी फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। यह एक जंगल एडवेंचर फिल्म होगी, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका में हैं। शूटिंग फिलहाल शांति निकेतन में चल रही है। फिल्म की स्क्रिप्ट अरिजीत और उनकी पत्नी कोयल सिंह ने लिखी है।

सोशल मीडिया पोस्ट में दी प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने की जानकारी

अरिजीत सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए ये घोषणा की कि वो अब प्लेबैक सिंगिंग को अलविदा कह रहे हैं। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वो संगीत बनाना जारी रखेंगे, सिर्फ प्लेबैक सिंगर के रूप में अब कोई काम नहीं करेंगे। अरिजीत ने हिंदी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, पंजाबी और अन्य भाषाओं में कई गाने गाए हैं। उन्हें बेस्ट प्लेबैक सिंगर के लिए (पुरुष) के लिए 8 फिल्मफेयर पुरस्कार मिल चुके हैं। अब प्रशंसक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि गायक आगे क्या करने वाले हैं।

एसएमएस की बीमारी युवाओं पर भारी

बिना बात की बात करने में माहिर युवाओं को एसएमएस की लत महंगी साबित हो रही है। इससे उनकी जेब तो ढीली हो ही रही है, उनकी रातों की नींद हराम होने के साथ ही मानसिक शांति भी गायब सी होती जा रही है। इस समस्या से सबसे ज्यादा पीड़ति हो रहे हैं टीनएजर्स, क्योंकि एसएमएस का चस्का उनमें सबसे ज्यादा है। एसएमएस की लतों से मानसिक रूप से परेशान और बैचेन अनेक युवा इन दिनों मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे हैं।

एसएमएस की वजह से क्या-क्या परेशानियां आ रही हैं और इनसे किस तरह निजात पाई जा सकती है, जानें एक्सपर्ट सलाह पर आधारित जितेंद्र सूर्यवंशी की इस रिपोर्ट में। कंपनियों द्वारा कम पैसे में दी गई एसएमएस की सुविधा युवाओं के लिए दुविधा साबित हो रही है। मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे ज्यादातर मामलों में यह बात सामने आई है कि एसएमएस की लत मानसिक शांति और सेहत के लिए खतरनाक साबित हो रही है। इससे क्रोध बढ़ने के अलावा बैचेनी और अनिद्रा जैसी समस्याएं हो रही हैं। यही नहीं, एसएमएस का लगातार प्रयोग करने वाले युवाओं में अवसाद के साथ ही डर की भावना भी पैदा हो रही है। दरअसल, एसएमएस के जरिए दोस्तों से हर वक्त संपर्क में रहने के चलते युवाओं की दिनचर्या पूरी तरह गड़बड़ा गई है, इससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। देर रात तक मोबाइल में संदेश के माध्यम से बात करने के कारण अधिकांश युवा गहरी नींद भी नहीं ले पा रहे हैं। कुछ रोचक मामलों में यह भी शामिल है कि अधिकांश युवा अक्सर अपने मोबाइल को इसलिए देखते रहते हैं कि शायद कोई एसएमएस आया हो, लेकिन प्राय: उनके लिए कोई एसएमएस नहीं होता। कई युवा तो ऐसे भी हैं जिन्हें अपने सहपाठियों से एसएमएस का जवाब नहीं मिलने पर वह निराशा और चिंता में भी डूब गए हैं, इससे उनके मन में एक तरह का अवसाद घर कर गया है कि कोई उनके संपर्क में रहना पंसद नहीं कर रहा है।

युवाओं से बातचीत में यह खुलासा हुआ कि वह बिना किसी वाजिब वजह के प्रतिदिन 150-200 तक एसएमएस कर देते हैं। इस मामले में टीनएजर्स युवतियां लड़कों से कहीं आगे हैं, क्योंकि लड़के जहां 50-100 एसएमएस ही कर पाते हैं, जबकि लड़कियां रोजाना 200 एसएमएस तक करती हैं। मजे की बात यह है कि एसएमएस के इस सिलसिले में बिना बात की बात या यूं कहें कि टाइम पास करने के लिए बेतुकी बातें ही होती हैं। इसमें सुबह से लेकर रात्रि तक की रूटीन बातें, पसंद-नापसंद, हॉबी, गपशप, घुमने-फिरने तक की बातें शामिल हैं।

यह समस्याएं आ रहीं सामने

मनोचिकित्सक रूमा भट्टाचार्य ने बताया कि फिलहाल एसएमएस की लत से परेशान हो चुके युवाओं के जो मामले उनके पास आ रहे हैं उनमें सबसे ज्यादा शिकायतें अनिद्रा, अवसाद, कम भूख, ब्रेन टयूमर, गुस्सा, बैचेनी और क्रोधित होने जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उनके पास आने वाले ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत आम है कि वह सोते समय मोबाइल अपने पास में ही रखते हैं, इससे वह पूरी नींद नहीं ले पाते, क्योंकि एसएमएस आने या मोबाइल पर कॉल आते ही उनकी नींद खुल जाती है। प्राय: एसएमएस मिलने पर युवा नींद तोड़कर उसे पढ़ते हैं, जिससे उनकी नींद प्रभावित हो रही है।

ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत भी है कि वह मैसेज की आशंका से हर कुछ ही सैकंड के बाद अपना मोबाइल देखते हैं और लगातार मैसेज टाइप करने की वजह से उनके अंगूठे और कलाई के बीच दर्द रहता है।

इसी तरह वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू ने बताया कि कुछ मामले ऐसे भी हैं जिनमें युवाओं ने स्वीकार किया है कि यदि वह एसएमएस करते हैं और रिप्लाई नहीं मिलता तो वह बैचेन हो जाते हैं और उनमें हीनभावना आने लगती है। इस स्थिति को टेक्स्टाफेनिया कहा जाता है। उन्होंने बताया किए ऐसे मामले आए दिन सामने आ रहे हैं।

ऐसे पाएं निजात

वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू कहते हैं कि इस समस्या से छुटकारा पाने का बेहतर रास्ता तो यही है कि मोबाइल का उपयोग कम से कम किया जाए। एसएमएस ही नहीं, बल्कि बातचीत में भी इसका उपयोग सीमित हो, क्योंकि यह सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है।

युवाओं को चाहिए कि वह जरूरी होने पर ही एसएमएस करें। एसएमएस को गप्पबाजी या टाइम पास का माध्यम न बनाएं। जितनी भी बातें करनी है वह मिलकर करें। खासकर देर रात तक एसएमएस से बात करने से बचें एवं सोते समय मोबाइल अपने पास में न रखें, बेहतर होगा कि सोने से पहले मोबाइल बंद कर दें।

अकेलापन मिटाने का जरिया

एक मेडिकल स्टूडेंट बताते हैं कि वह रोजाना 100 से अधिक एसएमएस कर देते हैं, सिर्फ इसलिए कि उन्हें एसएमएस से बातें करना अच्छा लगता है, टाइम पास हो जाता है और अकेलेपन से भी मुक्ति मिल जाती है। स्टूडेंट ने यह स्वीकार करते हैं कि इससे उनकी पढ़ाई बेहद प्रभावित हुई है और नींद भी उड़ गई है, क्योंकि कई बार उन्हें नींद में भी ऐसा लगता है कि मोबाइल पर कोई एसएमएस आया है, इससे नींद खुल जाती है।

इंजीनियरिंग के स्टूडेंट रूपेश त्यागी का कहना है कि मेरे लिए एसएमएस नए-नए दोस्त बनाने का जरिया है और मैं इसके लिए हमेशा एसएमएस का सहारा लेता हूं, क्योंकि यह सस्ता भी है। लेकिन फिलहाल वह एसएमएस से बेहद परेशान हो चुके हैं, उनका कहना है कि शुरू में तो कोई परेशानी नहीं थी, लेकिन अब इतने अधिक एसएमएस आने लगे हैं कि मोबाइल देखकर ही सिरदर्द होने लगता है और मैं कभी-कभी एसएमएस भेजने वाले दोस्तों पर क्रोधित हो जाता हूं।

जुकाम में खूब खाएं, बुखार में नहीं

एक कहावत है, फीड ए कोल्ड, स्टार्व ए फीवर। यानी जुकाम के समय खूब खाओ और बुखार के समय भूखे रहो। लगता है इस कहावत में कुछ दम है। भरपेट खाने और भूखे रहने के असर शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर एकदम अलग-अलग होते हैं। वैसे डॉक्टर उक्त कहावत को ज्यादा महत्व नहीं देते। एम्सटर्डम के एकेडमिक मेडिकल सेंटर में किए गए अनुसंधान से कुछ रोचक परिणाम प्राप्त हुए हैं। पता चला है कि भरपेट भोजन करने से प्रतिरक्षा तंत्र का एक पक्ष प्रेरित होता है। यह जुकाम पैदा करने वाले वायरसों का सफाया करता है, जबकि भूखे रहने से प्रतिरक्षा तंत्र का वह पक्ष सक्रिय होता है, जो बुखार के लिए उत्तरदायी बैक्टीरिया का सामना करता है। सेंटर के वैज्ञानिक गिस वान डेन ब्रिन्क और उनके साथियों ने एक क्रिसमस दावत के दौरान अतिथियों के रक्त के नमूने प्राप्त किए। वे देखना चाहते थे कि क्या प्रतिरक्षा तंत्र पर अल्कोहल का कोई असर होता है? पता चला कि अल्कोहल का तो कोई असर नहीं होता, लेकिन भोजन का असर अवश्य होता है। यह देखकर वैज्ञानिकों ने छह लोगों से अनुरोध किया कि वे एक रात भूखे रहें और फिर अगले दिन सुबह प्रयोगशाला में आएं। इन्हीं लोगों को एक बार तरल भोजन देकर भी परीक्षण किए गए। देखने में आया कि तरल भोजन के लगभग 6 घंटे बाद उनके खून में गामा इंटरफेरॉन की मात्रा सामान्य से चौगुनी हो गई थी। गामा इंटरफेरॉन उन तमाम कोशिकाओं को नष्ट करती है, जिसमें कोई विषाणु (वायरस) घुस चुका हो। यह प्रतिरक्षा मूलत: वायरसों के विरुद्ध काम करती है। लगता है कि भरपेट भोजन इसे बढ़ावा देता है। दूसरी ओर, जब इन्हें सिर्फ पानी पिलाया गया तो उनमें इंटरफेरॉन की मात्रा में तो थोड़ी सी कमी आई मगर एक अन्य रासायनिक संदेशवाहक इंटरल्यूकीन-4 की मात्रा चौगुनी हो गई। इंटरल्यूकीन-4 हमारी कोशिकाओं के बाहर मंडराते रोगजनक तत्वों पर हमला करता है। बैक्टीरिया आमतौर पर यही करते हैं, कोशिकाओं के बाहर टहलते रहते हैं। इनमें से कई बैक्टीरिया बुखार के कारक हैं। वैसे ब्रिन्क ने चेतावनी दी कि यह एक बहुत छोटा सा अध्ययन है। लोगों को इसके आधार पर अपने तौर-तरीके बदलने की उतावली नहीं करनी चाहिए। वैसे एक अन्य अध्ययन ने भी इस निष्कर्ष की पुष्टि की है। एम्सटर्डम के ही फ्री यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में किए गए इस अध्ययन में पता चला है कि ग्लूटैमीन नामक एक अमीनो अम्ल भी इंटरफेरॉन जैसी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देता है।

अगर खुजली से हैं परेशान तो इन्हें आजमाइए

खुजली एक त्वचा रोग है, जिससे व्यक्ति काफी परेशान और निराश हो जाता है। खुजली के लिए सबसे कारगर उपाय है तेल की मालिश जिससे रूखी और बेजान त्वचा को नमी मिलती है। चलिए जानते हैं खुजली के कुछ घरेलू इलाज।

1. खुजली होने पर प्राथमिक सावधानी के तौर पर सफाई का पूरा ध्यान रखिए।
2. साबुन का प्रयोग जितना भी हो सकता है कम कर दें और सिर्फ मृदु साबुन का ही प्रयोग करें।
3. कभी कभी त्वचा को सुगंधित पदार्थों, क्रीम, लोशन, शैंपू, जूतों या कपड़ों में पाए जाने वाले रसायनों से भी एलर्जि हो जाती है। इसलिए सही तरीके का लोशन इत्यादि ही लगाएं।
4. अगर आपको कब्जा है तो उसका भी इलाज करवाएं।
5. हफ्ते में दो बार मुल्तानी मिट्टी और नीम की पत्ती का लेप लगाएं, उसके बाद साफ पानी से शरीर को धो लें।
6. थोडा सा कपूर लेकर उसमें दो बड़े चम्मच नारियल का तेल मिलाकर खुजली वाले स्थान पर नियमित लगाने से खुजली मिट जाती है। हां, तेल को हल्का सा गरम करके ही कपूर में मिलाए।
7. यदि जनेंद्रिय पर खुजली की शिकायत हो, तो गर्म पानी में फिटकरी मिलाकर उसे लगाएं।
8. नारियल तेल का दो चम्मच लेकर उसमें एक चम्मच टमाटर का रस मिलाइए। फिर खुजली वाले स्थान पर भली प्रकार से मालिश करिए। उसके कुछ समय बाद गर्म पानी से स्नान कर लें। एक सप्ताह ऐसा लगातार करने से खुजली मिट जाएगी।
9. यदि गेहूं के आटे को पानी में घोल कर उसका लेप लगाया जाए, तो विविध चर्म रोग, खुजली, टीस, फोडे-फुंसी के अलावा आग से जले हुए घाव में भी राहत मिलती है।
10. सवेरे खाली पेट 30-35 ग्राम नीम का रस पीने से चर्म रोगों में लाभ होता है, क्योंकि नीम का रस रक्त को साफ करता है।
11. खुजली से परेशान लोगों को चीनी और मिठाई नहीं खानी चाहिए। परवल का साग, टमाटर, नीबू का रस आदि का सेवन लाभप्रद है।

वजन कम ना होने के पांच मुख्य कारण

अगर आपको ऐसा लगता है कि आपके बार-बार जिम जाने से भी आपके वजन में कोई परिवर्तन नहीं दिख रहा है, तो इसके पीछे भी कई कारण हो सकते हैं। पूरी तरह से वजन कम करने के लिए कई ऐसे उपाए हैं जो काफी कारक हैं। जिनमें से सही तरीके से लिया गया आहार और व्यायाम सर्वक्षेष्ठ स्थान रखता है। पर इसके अलावा भी ऐसे और भी कारण हो सकते हैं जिनकी वजह से आपके वजन में कोई परिवर्तन देखने को नहीं मिलता। चलिए बात करते हैं इन्हीं कारणों की।

पांच महत्तवपूर्ण कारण क्या हैं-

1. **अनुचित डाइट प्लैन:** आपको जरुरत है ऐसी आहार योजना कि जो खास आपके शरीर की जरुरत के हिसाब से तैयार की गई हो। इसको तैयार करने के लिए यह देखना बहुत जरुरी है कि आप कौन सा कार्य करते हैं और आपकी रोज़ की दिनचर्या कैसी है। अगर आप रोज़ जिम जाते हैं और वापस घर पर आकर दिन भर सोते रहते हैं तो किसी भी प्रकार का डाइट प्लैन अपको पतला नहीं कर पाएगा।
2. **ब्रेकिगं प्वांइट:** यहां पर ब्रेकिगं प्वांइट हम उसे कहते हैं, जिस समय ब्यक्ति का वजन कम होना शुरू हो जाता है। अगर आप ऐसा सोंचते हैं कि एक्सरसाइज करने के तुरंत बाद ही आपका वजन कम होने लगेगा तो ऐसा नहीं होता। सबसे पहले शरीर में से पानी, फिर ऊर्जा और अंत में वसा कम होना शुरु होता है। हर ब्यक्ति का ब्रेकिगं प्वांइट अलग अलग होता है। जहां कई लोग चार ही दिनों में किलो भर वजन कम कर लेते हैं, वहीं पर कुछ लोगों का वजन दो हफ्ते बाद भी वैसा ही रहता है। इसलिए आपको कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए।
3. **व्यायाम की सही योजना:** अगर आप काफी समय से सिर्फ वही पुरानी एक्सरसाइज कर रहे हैं तो आपके शरीर को उसकी आदत हो जाएगी। इसलिए आपको अपनी एक्सरसाइज को कुछ कुछ दिनों या महीनों पर परिवर्तित कर लेना चाहिए।
4. **कार्डियो और वेट ट्रेनिगं का उचित मिश्रण:** वर्कआउट हमेशा इन्ही दो महत्वपूर्ण भागों में बंटा होता है। आपको वजन कम करने के लिए हमेशा 80 प्रतिशत कार्डियो करना चाहिए। जिसमें ट्रेडमिल, साइकिलिगं और जौगिगं शामिल होती है। वेट ट्रेनिगं मासपेशियों को टोन करने के लिए किया जाता है।
5. **हार्मोनल असंतुलन:** अगर फिर भी आपका वजन कम होने का नाम नहीं ले रहा है तो शायद शरीर में आंतरिक रूप से ही कोई समस्या हो। थाइरॉइड ग्लैन्ड के सही से काम ना कर पाने की वजह से भी वजन कम नहीं होता चाहे आप कितनी भी कोशिश क्यूं ना कर लें।